हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 1995

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 9 मार्च, 1995

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)1
वाक आउट	(4) 28
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(4)29
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4)30
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)33
ध्यानाकर्षण सूचनाएं	(4)44
प्रो० छतरपाल सिंह के निलम्बन को रद्द करने संबंधी मामला उठाना	(4)46
वाक आउट	(4)49
शिक्षा प्रणाली में सुधार सम्बन्धी गैर–सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)	(4)50

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 9 मार्च, 1995

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः ओनरेबल मैम्बर्ज अब सवाल होंगे

Releasing of tubewell connections under money deposit scheme

1018 Shri Krishan Lal : will the Minister for Power be pleased to state—

(a) the total number of applications for tubewell connections
lying pending under the money deposit scheme with Haryana State Electricity Board at present;

(b) the time by which the aforesaid connections are likely to be released; and

(c) the criteria adopted for releasing the H. T. and L. T. connections to Industries?

बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) जनवरी, 1995 की समाप्ति तक बोर्ड के स्वयं वित्त जुटाने को योजन के अन्तर्गत ट्यूबवैल कनैक्शन देने के लिए 957 आवेदन पत्र लम्बित पड़े थे।

(ख) इस योजना के अन्तर्गत सभी लम्बित पड़े आवेदन पत्रों को कनैक्शन देना 31 मार्च, 1995 तक संभावित है।

(ग) एच. टी तथा एल. टी औद्योगिक कनैक्शन को देने के लिए मुख्य कसोंटी आवेदन पत्र की वरिष्ठता मानी गई है।

श्री कृष्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मती जी से यह पूछना चाहूंगा कि एच० टी० और एल० टी० कि कनैक्शनों के लिए तथा सैल्फ फाईनैंसिंग स्कीम के तहत कितनी एप्लीकेशंन आई है। सैल्फ फाईनैंसिंग स्कीम की कितनी एप्लीकेशन पैंडिंग हैं और इनका कितना अमाउन्ट बनता है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारे पाम टोटल एप्लीकेशंज 3200 आई। जनवरी 1995 के अन्त तक 957 लम्बित थीं और उसके बाद हमने 10 कनैक्शन और दिए हैं, अब 947 रह गई हैं।

श्री कृष्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने अमाउन्ट के बारे में मे। पूछा है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, हर कनैक्शन का दूरी के हिसाब से अलग– 2 अमाउन्ट होता है। यह टोटल अमाउन्ट कितना है, यह डिटेल अभी मेरे पास नहीं है।

श्री कृष्ण लालः अध्यक्ष महोदय, एच० टी० और एल० टी० के कनैक्शन किस क्राईटीरिया के आधार पर दिए जाते ई और कितने दिनों में दिए जाते हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सीनियोरिटी के हिसाब से लिस्ट तैयार कर ली जाती है और उसी हिसाब से कनैक्शन दिए जाते हैं।

श्री कृष्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने यह पूछा है कि एच० टी० और एल०टी० के कनैक्शन किस क्राईटीरिया के हिसाब से दिए जाते हैं और कितने दिनों में दिए जाते है? क्योंकि किसानों के 5– 5 और 6– 6 सालों के कनैक्शन पैडिंग पड़े हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी बताया है कि एच० टी० और एल० टी० के छोटी इन्डस्टरीज को जो कनैक्शन दिए जाते हैं, वे सीनियोरिटी के हिसाब से दिए जाते हैं और बड़ी इन्डस्टरीज को भी उसी हिसाब से दिए जाते हैं। हां, ट्यूबवैल्ज के एच० टी० और एल० टी० कनैक्शन लम्बित पड़े हैं।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मन्त्री जी ने बताया कि 31 मार्च, 1995 तक कनैक्शन दे दिए जाएंगे। इसमें जिन्होंने सैल्फ फाईनैंस स्कीम से पहले पैसे जमा करवा दिए थे और उसके बाद में मेट बढ़ गए थे, तो क्या उनको उसी अमाउन्ट में कंसीडर किया जाएगा। मंत्री जी इस बारे में हमें बताएं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सैल्फ फाईनैंस स्कीम दो महीने के लिए थी और उसके पहले स्कीम और थी। वह बन्द कर दी गई। इसके तहत 3200 के करीब मैंने एप्लीकेशंज बताई हैं, हम पहले इनके कनैक्शन देंगे।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मंत्री जी ने बताया कि 947 ऐप्लीकेशंज पैडिंग हैं और टोटल अमाउट के बारे में बताया कि यह पैसा दूरी के हिसाब से अलग–2 है क्योंकि ट्रांसफारमर के हिसाब से और लाईन की दूरी के हिसाब से ये चार्जिज ले रहे हैं। सर, यह अमाउन्ट एक केस में बीस गैर चालीस हजार के बीच बनती है। स्पीकर सर, मैं मन्त्री जी से यह कहना चाहता हूं कि पहले ये मन्त्री नही थे लेकिन अब तो इनकी सरकार है। यह तो गवर्नमैंट का कंटीनुअस प्रोसेस मन्त्री लेकिन पहले जो स्कीम पांच सात हजार रु पए की थी, उसको क्यों बंद किया गया? सर, जहां तक मुझे याद है, उस समय सरकार ने यह कहा था कि यह स्कीम बडे फार्मर्ज की स्कीम थी, इसलिए यह बंद की गई लेकिन अब आप बीस से लेकर चालीस हजार रूपए वाली स्कीम लाए हैं तो इसका क्या मतलब है? वह पहले वाली स्कीम क्यों बंद की गई और यह सैल्फ फाईनैसं वाली स्कीम अब क्यों लेकर आए हैं? इसके अलावा जो 947 ऐलीकेंशज पैडिंग हैं, इनको हम करीब प्रति केस बीस हजार रुपया भी लगा लें तो स्पीकर सर, यह दो करोड़ रुपए की अमाउन्ट बिजली बोर्ड कं पास है। क्या बिजली बोर्ड किसानो के जमा दो करोड़ रुपए पर उनको काई इंट्रस्ट देगा? क्या 1993 से, जबसे यह स्कीम लागू की गई है, उसके बाद से कोई जनरल कनैक्शन इस स्कीम

से हटकर किसी को दिए गए है और अगर कोई कनैक्शन किसी को दिए गए है तो कितने दिए गए हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, चौधरी सम्पत सिह ने तीन–चार सवाल पूछ लिए और साथ ही अपनी इटैलीजैन्सी का सर्टीफिकेट भी दिया है। ये कुछ और कह लेते तो मैं यह भी मान लेता। सबसे पहले इन्होने सवाल किया है कि पहले जो स्कीम थी, हम उसमें प्रायोरिटी पर अमाउंट पांच हजार रूपए भरवाते थे फिर बढ़ाकर 7 हजार रुपए किए गए और फिर दस हजार रुपए किए गए। उपाध्यक्ष महोदय, यह स्कीम आहिस्ता–आहिस्ता आई और 11 नवम्बर, 1993 में सैल्फ फाइनैस स्कीम चालू की गयी। इसका कारण यह है कि ट्यूबवैल के कनैक्शन की डिमांड ज्यादा थी और उस समय बोर्ड की वित्तीय स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह नए कनैक्शन दे सकता। इसलिए जो लोग जरूरतमंद थे और पैसा दे सकते थे, उनके लिए यह स्कीम चालू की गई थी। सर, जैसा मैंने बता या कि लगभग 3200 एप्लीकेशंज आयी, उनमें से 957 एप्लीकेशंज लम्बित पड़ी थीं लेकिन दस और कनैक्शंज दिए जा चुके हैं इसलिए अब 947 एप्लीकेशंज पैडिंग हैं। यह स्कीम बंद इसलिए की गई क्योकि दस हजार रुपए की एप्लीकेशंज काफी आ गई थीं लेकिन एक टयूबबैल को कनैक्शन देरने पर जो खर्चा करना पडता था, वह लगभग 25 और 30 हजार रुपए के बीच में आता था। बिजली बोर्ड की वित्तीय स्थिति ठीक न हो न के कारण और जरूरतमंद लोग जो पैसा दे सकते थे, उनका जरुरतों को पूरा करने के लिए सैल्फ फाइनैस स्कीम लागू की गई।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, उस समय के बिजली मन्त्री श्री सुरजेवाला का जवाब इनके जबाब से अलग था। उन्होने कहा था कि वह स्कीम इसलिए बंद कर रहे हैं क्योंकि यह बड़े किसानों की है जबकि अब मन्त्री जी कह रहे हैं पैसा थोडा था इसलिए यह स्कीम बद की गई।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैंने यह कहा कि उस समय बोर्ड को वित्तीय स्थिति ठीक नहीं थी, कनैक्शंज नहीं दे पा रहे थे और दूसरी तरफ लोंगों की डिमांड थी। लोग अधिक पैसा देकर भी कनैक्शन लेने के लिए तैयार थे। इसलिए यह स्कीम चालू की गई है। जिसके बारे में मैं बता चुका हूं। दूसरा सवाल मैम्बर साहब ने किया कि जो अमाउन्ट इकट्ठा हो गया और दो साल से यह पैंसा बोर्ड के पास इकट्ठा हुआ पड़ा है उसका इंट्रैस्ट फार्मर्ज को मिलेगा या नहीं? मैं बताना चाहता हूं कि इंट्रैस्ट देने की कोई प्रथा नहीं है और ना ही अब तक किसी को दिया गया है। तीसरा सवाल इन्होंने पूछा है कि सैल्फ फाइनैसिंग स्कीम के तहत दिए गए कनैक्शन के अगवा कोई और भी ट्यूबवैल कनैक्शन दिए गए हैं। मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि कुल 2701 कनैक्शज में से 633 कनैक्शन दिए गए हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहुंगा कि हरियाणा प्रदेश में जो व्यक्ति ऐक्स–सर्विस–मैन या पैरा – मिलिट्री सर्विसेज से रिटायर होकर आते हैं, उनकी सेवाओं को देखते हुए क्या सर हार उन हो प्राथमिकता के आधार पर कनैक्शन देने पर विचार करेगी? दूसरा मेरा सवाल यह है कि

सड़कों के ऊपर हरियाणा का कोई व्यक्ति या संस्था धर्मार्थ पशुओं या इन्सानों के लिए प्याऊ लगाना चाहते हैं और इमके लिए उनको टयूबवैल कनैक्शन की जरुरत है, क्या सरकार उनके लिए प्राथमिकता के आधार पर विचार करेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः हरिजनों के निए और ऐक्स–सर्विसमैन के लिए कुछ प्रफरैंस है। यह पानी भी थी और अब भी है। दूसरा सवाल दलाल साहब ने सडकों पर धर्मार्थ प्याऊ लगाने के बारे किया है। अगर ऐसी बात है तो देखना पड़ेगा। अगर सारे लोग इस हिसाब से जुट जाएं कि कुए पर कुआ लगा लें तो यह देखता पड़ेगा। आप इस बारे सुजैशन दे, हम देख लेंगे।

Upgradation of PHC's in the State

***1022. Prof. Chhattar Singh Chauhan :** Will the Minister for Health be please to state the districtwise number of P.H.C's. upgraded to C H.C's from July, 1991 todate ?

स्वास्थय मन्त्री (बहिन करतार देवी): जुलाई, 1991 से आज तक जिन प्राथमिक स्वस्थय केन्द्रों को सामुदायिक स्वास्थय केन्द्रों में अपग्रेड किया गया है उनकी जिलावार संख्या इस प्रकार हैं –

क्र संख्या	जिलों का नाम	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जो सामुदायिक

		स्वास्थ्य केन्द्रों में अपग्रेड किये गए हैं की संख्या
1.	अम्बाला	2
2	भिवानी	
3.	फरीदाबाद	1
4	गुड़गांव	1
5.	हिसार	3
6	जीन्द	1
7.	कैथल	1
8.	करनाल	1
9.	कुरुक्षेत्र	1
10.	महेन्द्रगढ़	1
11.	पानीपत	
12.	रिवाड़ी	1
13.	रोहतक	2

14.	सिरसा	
15.	सोनीपत	2
16.	यमुनानगर	1
17.	लोहारु	1

प्रो० छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मती महोदया से जानना चाहूंगा कि पी० एच० सी० से सी ० एच ० सी ० अपग्रेड करने का क्या क्राइटेरिया हैं? इन्होंने जो जवाब में लिस्ट दो है, इसमें भिवानी और पानीपत को बिल्कुल साफ कर दिया है। हिसार में तो तीनों पी० एच ० सा ० को सी ० एच ० सी ० में अपग्रेड करने की आवश्य कता पड़ गई और भिवानी, पानीपत और सिरसा में इसकी आवश्यकता ही नहीं पड़ी। इस गरे में मी बताएं कि इनकी क्या क्राइटेरिया है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्रा महोदया का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि ये अप्रैल 1993 में भिवानी जिले के बौंद गांव में गयी थीं और कहा था कि कल से ही पी ० एच ० सी ०, सी ० एच ० सी ० हो जाएगी। आज उसे दो साल हो गए, उसके बाद 5 नवम्बर 1994 को माननीय मुख्य मन्त्री जी वहां गए और कह दिया कि पी ० एच ० सी०, सी ० एव ० सी० में अपग्रेड हो जाएगी। जब वह महकमा दूसरे मन्त्री के पास था, उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कह दिया था कि हमारा ऐसा कोई इरादा नही है। मैं जानना चाहता है कि डिस्ट्रिक्ट

वाईज जो लिस्ट दी है, क्या क्राइटेरिया है और अपने किए हुए वायदों पर मुख्य मन्त्री जी व मंत्री जी क्यों अमल नहीं करते हैं, कृपया बताए?

बहिन करतार देवी: स्पीकर सर मेरे भाई सम्माननीय सदस्य ने पी० एच० सी ० से सी० एच० सी ० बनाने के क्राइटेरिया के बारे में पूछा है। मैं उनको बताना चाहती हं कि स्वास्थ्य की एक राष्ट्रीय नीति है जिस के आधार पर पांच हजार से 7 हजार की आबादी पर एक सब–सैन्टर और 20 से 25 हजार की आबादी पर एक प्राइमरी हेल्थ सैन्टर, एक लाख से एक लाख 20 हजार कीं आबादी पर सी ० एच० सी ० खौलने का नार्म है। जहां तक इनका यह कहना है कि भिवानी जिले को बिल्कुल इग्नोर किया गया है, ऐसी बात नहीं है। यह पी० एच० सी० से सी० एच० सी बनाने का हमारा एक रनिग प्रोसेस है। 1986–87 में भिवानी जिले में तोशाम, गोपी व कैरों की पी ० एच०सीज० को अपग्रेड किया गया और लोहारु में हमने अब किया है। गेद पी० एच० सी० के बारे में इन्होंने कहा है। मैंने यह कहीं नहों कहा कि कल से ही चालू हो जाएगा और मुख्य मन्त्री महोदय ने भी नही कहा कि कल से ही चालू हो जाएगा। मैंने और मुख्य मन्त्री महोदय ने कल से ही चालू होने की बात बिल्कुल नही कही है। मैं आज भी इस बात को स्वीकार करती हूं कि ब्लाक के हिसाब से, नार्मज के हिसाब से और सिचुऐशन के हिसाब से बौंद पी ० एच० सी ० को अपग्रेड होना चाहिये था लेकिन किसी कारणवश नहीं हो सका और दूसरों को अपग्रेड कर दिया गया। फिर भी लोगों की मांग को देखते हुए जो आश्वासन दिया गया था, क्योंकि मुख्य मंत्री महोदय के सामने लोगों ने यह अपनी मांग रखी थी

इसलिए हमने इसको अप्रैल से चालू करने के लिये कहा है और सैद्धातिक रुप से इसकी स्वीकृत भी किया जा चुका है।

चौ० सूरज भान काजलः अध्यक्ष महोदय, अभी मन्त्री महोदया ने कहा कि पांच से सात हजर की आब? दी के पीछे एक सब सैन्टर, 20 से 25 हजार की आबादी के पीछे एक प्राईमरी हैल्थ सैन्टर व 1 लाख और' 1 लाख 25 हजार की आबादी के पीछे' एक सी ० एच० सी ० खोलने का नार्म है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्द्री महोदया से यी जानना चाहता हूं कि सी ० एच० सी ० व पी० ण्च० सी ० की स्वास्थ्य सेवओं में क्या कोई अन्तर है, कितने–हितने बैड्ज इन दोनों में होने चाहियें? कितना कितना स्टाफ होना चाहिए? जुलाना में एक सी० एच० सी ० है। वहां पर 50– 60 हजार की आबादी है वहां पर डैन्टल मशीनरी है परन्तु डाक्टर अवेलेबल नहा है। ऐक्सरे की मशीन है तो रेडियो ग्राफर नहीं हैं। लेडी डाक्टर की पोस्ट है, तो लेडी डाक्टर नही है। मेरा प्रश्न यह है कि क्या सरका जुलाना के सी० एच ० सी ० को वे सारी सुविधाएं प्रदान कर रही है जोकि दूसरी जगहो पर दे रही है?

बहिन करतार देवीः स्पीकर साहब, सरकार ने ग्रामीण इलाको में लोगों को बिलकुल नजदीकी स्बास्थ्य सुविधाए पहुंचाने के लिये एक नीति निर्धारित की है जिसके आधार पर सब–सैन्टर्ज में ज्यादा बच्चों व गर्भवती माताओं की देख–रेख की जाती है। हमारे दो कार्यकर्त्ता होते है। एक पल दूसरा फीपल। मेल जो है, वह मलेरिया की रोकथाम के लिये काम करता है और फिमेल कार्यकर्त्ता टीकाकरण का काम करती

है। इसी तरह से पी ० एच० सी ० में भी दो डाक्टर्ज की सर्विसिज होती है। हमारी मन्शा यह है कि वहां लेडी डाक्टर अवश्य हो, लेकिन उनकी कमी है, इसलिए वे सभी जगहों पर लगी हुए नही हैं। पहले भी मैंने यह कहा था कि हमारा भरसक प्रयास होता है कि डाक्टर्ज आए और ग्रामीण इलाकों में सेवा की थी हमारा प्रयास यह है कि पी ० एच ० सी ० में एक मेल डाक्टर हो और एक लेडी डाक्टर हो। अगर कोई कपल केस होता है तो वे दोनों वहां ठहरते हैं। जहां तक सी ० एच ० सी ० का संबंध है, सब को मैडीकल कालेज में न जाना पड़े, इसलिए ब्लाक स्तर पर हमने स्पैशेलाईज्ड सुविधाएं देने का विचार किया था। इसमें महिला डाक्टर और डैंटल सर्विस तथा एक्सरे की सर्विस का प्रावधान है। रसमें पांच डाक्टर्ज की सर्विसिज का प्रावधान है। हस्पताल में 25 बंडर्ज होते हैं और सी ० एच ० सी ० में 30 बैड्ज होते है। पी ० एच ० सी ० में इन–डोर की इतनी सर्विस नहीं होती। किसी को अगर एमरजैंसी में एडमिट करना पड़े, तो कर सको हैं। जहां तक जुलाना की सी ० एच०सी० का सवाल है, हो सकता है कि वहां पर लेडी डाक्टर पोस्टिड नहीं होगी। इस समय मेरे पास पूरी सूचना नहीं है लेकिन मैं मा न सकती हूं कि वहां नहीं होगी। अभी हया री ज्यादा बहिनें इस प्रोफैशन में नही आई हैं। अगर आई भी हैं, तो वे प्राईवेट प्रैक्टिस करती हैं क्योंकि वे सरका री सर्विस में आना पसन्द नहीं करतीं। खास कर ग्रामीण इलाकों में जाना पसन्द नहीं करतीं। इसके लिए प्रयास किया जा सकता है। हम बार–बार कमिशन को लिखते हैं, वहां पर अब भी इनकी भर्ती चल रही है। जो भी लड़के और लड़कियां एम ० बी ० बी० एस ० की डिग्री लेकर आते हैं, हम उनकी लगातार

एड्हौक भरती भी करते रहते हैं ताकि ग्रामीण लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं पट्ट वाई जा सकें।

चौ० सूरज भान काजलः स्पीकर साहव, जुलाना में इन्होंने डैंटल और रेडियों ग्राफर तथा एक्सरे मशीन के बार में नहीं बताया।

बहिन करतार देवीः सीकर साहब, यह सवाल पी ० एच ० सी ० से सी ० एच ० सी ० अपग्रेडेसन का था। हर एक जगह के बारे में इस समय नहीं बता सकती, मैं तो नार्म बता सकती हूं। माननीय सदस्य ने जो पूछा है, उसके लिट वे अलग से नोटिस दे दें, तो बता देगे।

श्री सूरज भान काजलः स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने यह भी नहीं बताया कि जूलाना की सी ० एच ० सी ० में कितने बैडज हैं।

बहिन करतार देवीः स्पीकर साहब, हर सी० एच० सी० में 30 बैडों की सुविधा होनी चाहिए। अगर यह एक सी० एच० सी० के बारे में जानना चाहते हैं तो ये स्पैसिफिक क्वैश्चन दें, बता दिया जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदया से जानना चाहती हूं कि नकीपुर का जो हैल्थ सैंटर था, क्या उसको मउन ग्रेड कर दिया गया है? इसके अलावा लोहारू के हस्पताल में क्या डैंटल सर्विस भी दे रखी है?

बहिन करतार देवीः नार्म के मुताबिक जितनी भी सी ० एच० सीज० है, उन सब में यह प्रावधान है। जैसे इनके यहां गोपी, कैरू और लोहारू की सी० एच० सीज० हैं, इन सब में प्रावधान है। नकीपुर के

हैल्थ सै टर को जहां तक डाउन ग्रेड करने का सवाल है, यह सूचना इस समय मेरे पास नही है। मैं बहिन जी को अलग से बता दूंगी। अगर किसी पी ० एच ० सी० को अपग्रेड कर दिया जाता है, तो वहां दूसरी जगह से स्टाफ भेज दिता जाता है। जब बौंद का सी० एच० सी ० बन जाएगा तो सारा स्टाफ उधर आ जाएगा।

Shortage of drinking water in Village Kamalpur

***1014 Ch Bharath Singh :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that there has been an acute shortage of drinking water in village Kamalpur of Kalayat Constituency ; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to provide the drinking water in the afore said village so far ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमति शान्ति देवी राठी):

(क) गांव कमालपुर में पीने के पानी की कोई भी कमी नहीं हैं क्योकि गांव में पेयजल स्तर 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की दर से है।

(ख) प्रश्न ही पैदा नहीं होता।

चौ० भरत सिंहः स्पीकर साहब, बहन जी उस गांव को पीने का पानी तो पता नहीं देगा या नही देगी लेकिन इनको गलत नही बोलना चाहिए। बहिन जी, आप स्वयं उस गांव मे चलकर देख ले कि

क्या वहां पर लोगों को पानी का पानी मिल रहा है? यदि उस गाव के लोगों को पीने का पानी मिलता हो तो मैं अपना इस्तीफा दे दूंगा वरना आप अपना इस्तीफा दे देना। उस गांव के लोगों को पे ने का पानी बिलकुल नही मिल रहा है। एक बात मैं यह करना चाहूंगा कि जब कोई सरकार बनती है, तो उसको पब्लिक की सेवा करनी चाहिए। अगर आप मंत्री पद पर बैठ कर पब्लिक की सेवा नही कर सकती तो उसका बकायदा है? बहन जी ने रिप्लाई मे लिख दिया कि उस गांव में जल स्तर 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की दर से है। लेकिन मैं कहता हूं कि उस गांव के लोगों को पीने का भी पूरा पानी नही मिल ग्हा है।

श्रीमती शांति देवी राठीः स्पीकर साहब, मेरे सामने बैठे माननीय सदस्यों को आजकल इस्तीफा देने की चिन्ता बहुत सता रही है। वह दिन भी दूर नहीं है। साल सवा साल में चुनाव हो जाएंगे और हम तो यूंही तुम्हारी छाती पर दाल दलते रहेंगे। जनता का जनादेश होता है। उसके बारे में न तो आप कोई भविष्य– वाणी कर सकते हैं और न हम कर सकते हैं। वह अधिकार क्षेत्र केवल जनता का है। जनता जो भी जनादेश देगे, वही हम सब को स्वीकार्य होगा। माननीय सदस्य ने उस गांव के लोगों की पीने के पानी की कमी के बारे में कहा है। उस गांव में वाटर सप्लाई स्कीम 1988 में 30 लाख रुपये से बनी थी। वह स्कीम कैनाल बेस्ड है और वह दो गांवों की स्कीम है। माननीय सदस्य ने अपनी चिन्ता व्यक्त की है कि उस गांव में पीने के पानी का ठीक से प्रावधान नहीं है लेकिन हमारे विभाग का यह मानना है कि उस गांव में पीने का पानी सुचारू रूप से चल रहा है। उस गांव के सरपंच

ने यह जरूर लिख कर दिया है कि उनके गांव में कुछ टूटियां खराब हो गई हैं, उनको ठीक करवाया जाए तथा कुछ और टूटियां लगाई जाएं। विभागीय अधिकारी उस गांव में गए और सरपंच की वह दोनों समस्याएं दूर कर दी गई हैं। उसके बाबजूद स्वच्छ पानी देने का सरकार का दायित्व हे और उस दायित्व के न नकारते हुए मैं जिम्मेदारी के साथ कह सकती हूं कि आप इस शनिवार–इतवार को वहां पर जा कर देख लें। अगर अधिकारियों की यह रिपोर्ट गलत है और वहां पर पीने के पानी की व्यवस्था ठीक नहीं हैं तो चाहे मुझे मौके पर स्वयं जाना पड़े मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि वहां पर पीने के पानी की व्यवस्था सुचारु रूप से की जाए।

Raid conducted on Industrialists

***1033 Shri Ram Ehajan Aggarwal .** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state—

(a) whether the Excise and Taxation Department has conducted any raids on the premises of Irdustrialists in the State during the years 1593-94 and 1994-95 to date ; and

(b) if so, the details thereof ?

आबकारी व कराधान राज्य मन्त्री (श्री जय प्रकाश):

(क) जी, हां।

(ख) वर्ष 1993– 94 तथा 1994– 95 के दौरान उद्योगपतियों के व्यवसायिक स्थलों पर किये गये निरीक्षण का ब्यौरा निम्नलिखित है –

	1993–94	1994– 95 (1–4–94 से 31– 1– 95)
उद्योगपतियों के निरीक्षण/निपटान किए गए व्यवसाय स्थलों की संख्या	223	181
व्यवसायिक स्थलों के निरीक्षण के परिणाम–स्वरूप लगाया गया कर और जुर्माने की राशि	रु० 116.05 लाख	रु० 71.03 लाख

श्री राम भजन अग्रवालः स्पीकर साहब, क्या मंत्री जी राज्य में 1993–94 और 1994–95 के वर्षो के दौरान आबकारी तथा कराधान विभाग द्वारा उद्योगपतियों के परिसरों पर जो छापे मारे गए, उनका जिलावार व्यौरा देने की कृपा करेंगे और क्या पेनेल्टी और टैक्स की अलग–अलग फिगर्ज बताने की कृपा करेंगे?

10.00 बजे

श्री जय प्रकाशः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जिलावार ब्यौरा जानना चाहा है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि गुड़गांव–फरीदाबाद ईस्ट में 8, गुडगाव में 21, जींद में 4, रिवाड़ी में 3, रोहतक में 6, करनाल में 5, पानीपत में 9, जगाधरी में 59 और पानीपत में 4 जगहों

पर छापे मारे गए हैं। दूसरा इन्होंने पूछा है कि टैक्स और पैनेल्टी कितनी है। 1993–94 में टैक्स 55 लाख रुपये और पैनेल्टी 61 लाख रुपये तथा 1 994– 95 में टैक्स 32 लाख और पैनेल्टी 39 लाख रु० हमें मिली है।

Wheat and rice stored in warehouses

***1035. Smt. Chandravati :** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state—

(a) the total quantity of wheat and rice stored in the warehouses of the Government at present separately togetherwith the names of place at which these have been stored ;

(b) the number of bags of wheat and rice out of those as referred to in part (a) above lying in open without shed and tarpaulin; and

(c) the total quantity of wheat and rice out of those as referred to in part (b) above has been damaged due to rain or otherwise separately during the period from 1991 todate ?

खाद्य एवं पूर्ति मंत्री (श्री महेन्द्र सिंह):

(क) राज्य सरकार, इसकी खरीद एजैन्सीज और भारतीय खाद्य निगम द्वारा 18,44,163 टन गेहूं तथा 14,18,193 टन चावल खरीद कर के राज्य के विभिन्न गोदामों/जगहों में भण्डार किया गया। इससे सम्बन्धित दिनांक 1–2–95 की विवरणी विधान सभा के पटल पर रखी गई है।

(ख) चावल की कोई मात्रा खुरने में नहीं पड़ी है और गेहूं की कोई माता बिना शैड व तरपालों में खुले में नही पड़ी है।

(ग) राज्य सरकार, अपनी खरीद एजैसींज तथा भारतीय खाद्य निगम द्वारा केन्द्रीय भण्डार के लिए खरीदी गई गेहूं तथा चावल की निम्नलिखित मात्रा वर्ष 1991 से अब तक डैमेज हुई है।

(आकड़े मीट्रिक टनों में)

खराब हुए अनाजों का विवरण

क्रम सं०	वर्ष	गेहूं	चावल	टिप्पणी
1.	1991-92	46.5		
2.	1992-93	309.4		
3.	1993-94	19589	82.8	
4.	1994-95	18.7		

यह नुकसान जुलाई, 1993 में भारी वर्षा एव व्यापक बाढ आ जाने के कारण हुआ। डस क्षतिग्रस्त गेहूं का निपटान भारतीय खाद्य निगम एवं भारत सरकार के दिश निर्देश अनुसार किया गया। बाढ के कारण हुई हानि की क्षतिपूर्ति हेतु केस भारत सरकार द्वारा निपटाया जा रहा है।

विवरणी

गेहू के भण्डार जो हरियाणा राज्य में 2–2–95 को भिन्न प्रस्थानों पर भण्डार

खाद्य निगम मुद्रित (आकडे मिट्रिक टनों में)

क्र० सं०	जिला/सैंटर	खाद्य विभाग	एच ० डब्ल्यू० सी०	हैफड	एग्रो	कान्फैड	एफ० सी० आई०	जोड़
	अम्बाला							
1.	अम्बाला शहर			3105		230 0		5405
2.	मुलाना			1894				1894
3.	बराडा			698				698
4.	शाहजादपुर			388				388

5.	ननयोला		4768					4768
	भिवानी							
1.	भिवानी	1781					3024	4805
2.	बवानी खेड़ा						10153	1 0153
	फरीदाबाद							
1.	बल्लभगढ			148				
2.	फतेहपुर बलौच			1				1
3.	पलवल	2419	645	1628				4692
4.	होडल	877		1446 9				15346
5.	हसनपुर	575				7046		7621

6.	बडोली		2295					2295
7.	हथीन	731	134			337		1202
8.	मोहना							2663
9.	फरीदाबाद						35495	35495
	हिसार							
1.	भट्टू			17691			2561	20252
2.	फतेहबाद	3 630	2518	19447	15994	33870	6181	81640
3.	हांसी	5167		18104				23271
4.	जाखल			142				142
5.	टोहाना			22203		19919		42122
6.	रतिया		13358	24373	11611			50342

7.	भूना			7262	7151			14413
8.	उकलाना	10771	7028	20045				37844
9	बास		8136	2850				1 0986
10.	बारसूल		6908					6908
11.	आदमपुर	8297		4744				13040
12.	नारनौद			11102				1 1102
13.	हिसार			3785			60	3 845
14.	बरवाला	1609					40	1649
	गुड़गांव							
1.	पटौदी		1578	1106				2684
2.	फि० झिरका		74 0					740

3.	गुड़गांव						1335 3	13353
	जीन्द							
1.	जीन्द	8580	4391	19591				32562
2.	सफीदों	9955		20014	8429			38398
3.	उच्चाना	A8096		8857				28953
4.	धनौरी			11318				11318
5.	धमतान साहिब		730.3			1 618		89 21
6.	जुलाना		3920			3577		7497
7.	नरवाना	28817		28832	7694		3378	98 721
8.	पिलूबेडा			23915				23915

9.	अलेवा	1002						1002
	करनाल							
1.	घरोण्डा	6515	.63	13345		97		19020
2.	जूण्डला	2136						2136
3.	नीलोखेड़ी	1238						123 8
4.	तरावड़ी	9800		18971				25771
5.	कुन्जपुरा	3216		18				3234
6.	असरत	3486	716					4202
7.	निसिंग	15281		9102				24293
8.	करनाल	13606		10359	2243			26208

9.	इन्द्री	5009		17061	4787			26807
10.	असन्ध	13306		26100				39406
11.	ब्याना	4206						4206
	कैथल							
1.	कैथल	35754	7596	80315	32317	21820		177802
2.	ढांड	410	6289					6699
3.	पूण्डरी	9941		20270	4502			34713
4.	सिवन	1741	144	4883				6768
5.	चोका	10513	11395	51479		21820		95207
6.	जाखौली		5246	2361				7607
7.	पाई	11286	4920					16206

8.	कौल		505	412		442		1359
9.	कलायत	5368		17139				22507
10.	हाबडी	3706						3706
11.	भूसला	9261						9261
12.	हनौली	4003						4003
	कुरुक्षेत्र							
1.	कुरुक्षेत्र	3685		9121	6552			19358
2.	शाहबाद	1858		2251				4109
3.	लाडवा	8200		21772				29972
4.	ईसमाईलाबाद	--		-		40		40
5.	पेहवा	2255		16091		3642		21993

6.	गूमथला गहडू	1879	607			3622		3108
7.	पिपली				5335	622		5335
	सोनीपत							
1.	गोहाना			18208				18211
2.	सोनीपत			2039				2139
	सिरसा							
1.	सिरसा	23389	3268	132587	36292			195536
2.	डबवाली	11225	14040	23262			14056	62583
3.	ऐलनाबाद	1494		10370		90		11045
4.	कालांवाली	15923		24197			11496	51616

5.	रानियां			95				95
8.	बडागुहडा		7845					7845
7.	मीलका		2578					2578
8.	चौटाला		2464					2464
9.	रोरी		1281					1281
10.	जीवन नगर	1015						1015
11.	बानी		2392					2392
12.	डींग			1 6335				1633 5
	कुल जोड़	53046	338682	206875	362927	90	25592	355723
	नारनौल							
1.	कनीना			676				676

2.	अटेली			85				85
3.	नारनौल						48	48
4.	रिवाडी						1425	1425
	पानीपत							
1.	मतलौडा	6668		8570		33 87		18625
2.	पानीपत	2667	3 479	313 02			3387	41235
3.	समालखा	2179	12011					41190
4.	ईसरान		3147	425				3572
5.	सालवन		90 65					9065
6.	बापौली					1028		10 28
7.	नयोलथा	1096						1096

	रोहतक							
1.	रोहतक			3 377			3343	6720
2.	लाखन माजरा			997				997
	यमुनानगर							
1.	जगाधरी			10107				10107
2.	रादौर					10791		16388
3.	बिलासपुर		1327	5697				1327
4.	खिदराबाद			4816				4816
5.	साढौरा			4688				4688
6.	मूस्तफाबाद			4492				4492

	कुल जोड़	3 57285	164108	9080 17	143907	132446	138400	1844163

1–2– 1995 को चावल के भण्डार की विवरणी–

क्र० स०	जिला / सैंटर	भारतीय खाद्य निगम	हाफैड	जोड़
1.	अम्बाला छावनी	13449		13449
2	अम्बाला शहर	43988	190	44178
3	बराड़ा	21434	769	22203
	भिवानी	78871	959	79830
1	भिवानी			
	गुड़गांव	2 056		2056
1	पटौदी	867		867
2.	हैलीमण्डी	24		24
	हिसार			
1.	भट्टू	14169		14169
2	फतेहाबाद	1664		1664
3	हांसी	4397		4397
4	जाखल	8162	504	8686

5	टोहाना	20951		20 951
6	रतिया	1513 6	231	15347
7.	हिसार	3288		3 288
	जीन्द			
1.	जीन्द	12861		12 861
2.	नरवाना	34842		34842
3.	अनेबा	5861		5861
4.	सफीदों	38647		38647
5.	पिल्लूखेडा	5585	76	5661
	करनाल			
1.	घरौन्डा	11420	487	11907
2.	जुण्डला	20357		20357
3.	नीलोखेडी	4456		4456
4.	तरावड़ी	38906	355	39261
5.	निसिंग	16354		16354

6.	करनाल	106759	305	107064
7.	इन्द्री	25245		25245
8.	असन्ध	24208		2 4208
9.	एमः आरः एमः करनाल	2085		2085
	कैथल			
1.	कैथल	77532		77532
2.	ढाण्ड	105412	201	105 613
3.	पुण्डरी	10430		10430
4.	सीवन	17249		17247
5.	चीका	51869	608	52477
6.	कलायत		243	243
	कुरुक्षेत्र			
1.	कुरुक्षेत्र	111309		111309
2.	शाहबाद	63701	1755	65456
3.	लाडवा	62017	1867	63884

4.	ईस्माईलाबाद	13382		13382
5.	पेहवा	69222	922	78144
6.	अजरानाकलां	4619		4619
7.	पिपली	3 496		3496
8	बबैंन	403 9		4039
	सोनीपत			
1.	गन्नौर	5050		5050
2.	सोनीपत	6342		6342
3.	गोहाना	4631		4631
	नारनौल			
1.	नारनौल	695		595
	रिवाड़ी			
1.	रिवाड़ी	1476		1476
	पानीपत			
1.	मतलौडा	11245	142	11387

2.	पानीपत	50108		50108
3.	समालखा	2625	293	2918
4.	ईसराना		130	130
	रोहतक			
1.	रोहतक	12893	565	13458
	सिरसा			
1.	सिरसा	61658		61658
2.	एलनाबाद	2533		2533
	यमुनानगर			
1.	सढौरा	7075		7075
2.	जगाधरी	64126	114	64240
3.	रादौर	20475	983	21458
4.	नारायमगढ	19375		19375
5.	चिलासपुर	9373		9373
	फरीदाबाद			

1.	फरीदाबाद	12800		12800
2.	हथीन	379		379
3.	पलवल	15582		15582
4.	होडल	7664		7664
	कुल जोड	1407433	10760	1418193

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को बताना चाहूंगी कि नरवाना में मैंने खुद देखा है कि वहां पर इनके गोडाउन में गेहू बिना ढका हुआ पड़ा था। इन्होंने अपने जवाब में बताया है कि जुलाई में बाढ आने की वजह से यह नुकसान हुआ। मेरा इस सम्बन्ध में कहना यह है कि बाढ़ तो आई थी, लेकिन यह बाढ सब जगह एक जैसी नही थी। क्या यह सही नहीं कि जो गेहूं खराब होता है वह इसलिए होता है कि महकमा ठीक रख रखाव नही करता ?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः माननीय बहन जी ने यह आशंका व्यक्त की है या शंका जाहिर की है कि गेहूं इसलिए खराब होता है कि महकमा ठीक ढंग से रख रखाव नही करता। बहन जी, आप सारा विवरण ध्यान से देखेंगी तो पता चल जायेगा कि स्थिति क्या है 1993– 94 में भयंकर बाढ़ के कारण 19590 टन गेहूं खराब हुआ था चूकि उस साल बारिश बहुत अधिक हो गई थी। बारिश

के अलवा पंजाब के एरिया से हमारे एरिया में घग्घर और पसरी नदियो से भागी आ गया था जिस कारण पानी के बहाव और कटाव के कारण हमारा काफी नुकसान हुआ था। इस सरल हमारी खरीद 30 लान टन के आसपास रही और नुकसान 18.7 लाख टन के आस पास रहा। बाद के कारण खराव गेहूं में कुछ अच्छी गेहूं को औक्शन कर दिया गया था। इस सम्बन्ध में मैं बनाना चाहूंगा कि सैन्टर की एक टीम ने हमारे गोदामों का सर्वे किया' था। उन्होंने हमारे गोदामों के रखरखाव को पंजाव से भी बेहतर बल्कि सारे देश से बेहतर बताया है। बहन जी, यदि आप इस सारी विवरण को ध्यान से देखेगी तो पाएगी कि हमारा नुक्सान न के बराबर है। जब बरसात के कारण हमारे गोदामों में पानी घुस गया तो हमारी जितनी भी एजैसियां हैं, उन्होंने बड़ी मुस्तैदी से काम करते हुए ऐसे गोदामों की गेहूं को दूसरे गोदामो में शिफ्ट करवापर अधिक नुकसान होने से बचाया।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक हमारे विभाग का ताल्लुक है, हमारे विभाग की कुछ खरीद का तकर बन एक चौथाई के करीब क्रय ऐजीसयो को स्वेड करीब 1700 टन मुश्किल से खराब हुआ है और वह भी इसलिए हुआ है कि गोदामों अन्दर बाढ का पानी चला गया। उसके लिए भारत सरकर की टीमे आई हैं और उन्होंने ज्वायंट इंस्पैक्शन के बाद पाया लौस, फ्लड की वजह से हुआ है। उस लांस को कम्पनसेट करने के लिए उनसे से बातचित भी चल रही है। भारत सरकार उसको कम्पनसेट भी करेगी। फिलहाल मैं

यह बताना चाहूंगा कि हमारा को नुकसान रख रखाव मे किसी कर्म की वजह से नही हुआ है। भारत सरकर और एफ० सी ० आई० ने हरियाणा के गोड्राउन्ज की प्रशंसा की है।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगी कि क्या किसी जगह पर चावल या गेहू के स्टाक्स ओप में पड़े हुए हैं यदि हां तो कहां पर?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मेरे जबाव से ही यह बात साबित हो जाती है कि मेनटेनैंस की वजह से हमारा कोई नुकसान नहीं हुआ है। मेरे नोटिस में ऐसा कोई इन्सीडैंस नहीं है कि कहीं पर कोई अनाज का स्टाक ओपन में पड़ा हुआ हो। यह हो सकता है कि फयूमीगेशन के लिये अथवा बरसात या ठण्ड के बाद धूप लगवाने के लिए अनाज के स्टाक से कवर्ज हटाए गए दो। रख–रखाव के लिए ऐसा करना पडता है। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी जगह पर इनके नोटिस में अनाज खुले में पडा हो तो यह हमें बताए हम उसको फौरन देखेगें।

श्री अजमत खानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री थी से यह पूछना चाहूंगा कि यह जो 2 लाभ क्विंटल गेहूं खराब हुई बताई है, कहीं ऐसा तो नही कि गेहूं को पहले कोई शार्टेज चली आ रही हो और फ्ल्ड का फायदा उठा कर उस शार्टेज को अधिकारियों ने डैमेजड दिखा दिया हो?

अक्सर ऐसा होने की सम्भावना रहती पै। मण्डियों में पड़े अनाज को पानी नहीं लग सकता क्योंकि मण्डियों के पड़े मण्डियों की आम जगह से काफी ऊंचे बनाए जाते हैं। एकदम से एक साल में इतना नुकसान होना सम्भव नहीं लगता। क्या मन्त्री बी यह बताएंगे कि इसमें कोई ऐहा नुकसान तो शामिल नहीं है, जो पहले की शार्टेज चली आ रही हो और फ्लड के नुकसान में उसको दिखा दिया हो?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, पता नहीं किस टाईम की बात इनके दिमाग में आई है या कोई चोट खाये हुए हैं। मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए यदु बता दू कि इसका इन्सपैक्शन सर्वे भारत सरकार की टीम ने यहां आ कर किया था। उन्होने हरियाणा और पजांब में सब जगह जा कर देखा है। पंजाब में इससे ज्यादा नुकसान हुआ है। उस समय देश में बाद की स्थिति क्या थी, वह माननीय साथी को अच्छी तरह से मालूम है। माननीय साथी का मैं यह बताना चाहूंगा कि खरीद कर अनाज आम उपभोक्ता की कन्जपशन के लिए रचा जाता है। बाढ़ से हुए नुकसान की बचाने के लिए उसको बेच सकते थे, परन्तु हमने हयूमन कन्जमशन के लिए खराब अनाज को इसलिए नहीं बेचा ताकि कहीं उस अनाज को ह्यूमन कन्नम्पशन वाले अनाज में मिला कर न बेच दिया जाए जिससे पशुओ को इन्सानों की जाल का कोई खतरा पैदा हो जाए। इसलिए स्पीकर सर, माननीय सदस्य के खदसे के अनुसार ऐसी कोई स्थिति नहों है इसमे पहले

जो नुकसान होता रहा है, उसको ये देख सकते हैं। 1991–92 के भी आकड़े विवरणी में हैं। जो नुकसान हुआ है वह फल्ड की वजह से हुआ है। सैण्ट्रल टीम ने भी उसको देखा है कि बाद से 5– 6 फुट तक पानी की वजह से हो नुकसान हुआ है। स्पीकर सर, इटके साथ ही मैं आने माननीय साथी को यह भी बताना चाहूंगा कि जो नुकसान हुआ है, वह केवल उन्हों जिलों में हुआ है जहां पर फ्लड आया था किसी दूसरे जिले मे कोई नुकसान नहीं हुआ है। जो नुकसान हुआ है, वह केवल सिरसा, हिसार कुछ करनाल और कैथल में हुआ है जहां पर कि बाढ का प्रकोप रहा है और कहीं अन्य जिलों में नुकसान नही हुआ। इसलिए माननीय सदस्य की शंका निर्मूल है।

Bridge of Yamuna River on Karnal Meerut Road

1037. Prof. Sampat Singh ; Will the Minister fur P. W.D. (B & R) be pleased to state—

(a) the estimated cost for construction of Bridge on Yamuna River on Karnal-Meerut Road ;

(b) the total amount spent on the construction of aforesaid Bridge ;

(c) whether any amount is yet to be paid to the constructing company or to individual so for; if so, details thereof ; and

(d) the total amount given to private consultants for preparing preliminary project report in regard to upgrading

of State Highways in the State ?

Public Works Minister (Ch. Amar Singh) :

(a) Rs . 1190.16 lacs .

(b) Rs . 1330 .22 Lacs.

(c) There are mainly two components of the work whose position is as follows :

(i) **Main Bridge**

Main Bridge has been executed by M/s Gammon India Ltd. The final payment to this company is indeterminate and will be known only after the claims are finalised which are under consideration with the High Powered Committee constituted by **the** Govt.

(ii) **River Training Works**

The work of River Training Works being executed by M/s V. K . Sood Engineers and Contractors is in progress and the payment to the construction agency will be regulated according to the progress of the work.

(d) Rs . 17.846 lacs.

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने मेरे सवाल को मिक्स कर दिया है। इन्होने ब्रिजिज और रिवर्ज के बारे में अमाउन्ट इकट्ठा बताया है जबकि मैंने इस बारे अलग–अलग पूछा था। ये 'ए' और 'बी' के अन्दर अलग–अलग अमाउन्ट बता दें कि what was the total amount paid after the meeting ?

स्पीकर साहब, एक तो ये यह बताए कि जो एस्टीमेट रिवाईज करके फाईनल कर दिया है, वह अमाउन्ट कितना है। आपकी हाई पावर्ड कमेटी हैं जिसके हैड चीफ इजीनियर हैं। इसकी लीस्ट मीटिंग 22– 10– 93 को हो गई है और यह पैसा कम्पनी को देना हे। दूसरे रनिंग बिलज के आधार पर आप कितनी पेमैंन्ट उस कम्पनी का कर चुके हैं क्या यह ज्यादा नही? क्या आप की सिक्योरिटी बैंक गारन्टी के मार्फत होती है। क्या वह समाप्त हो चुकी हैं, अगर हो चुकीं हैं, तो आप एक्सैस कैसे वसूल करेगे?

चौधरी अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर ने जो सवाल पूछा है, मैं इनको यह बताना चहता हूं कि इनके समय में इस ब्रिज की स्थापना हुई थी। बडे दुख की बात है कि इसको बनाने का ऐग्रीमैन्ट तीन साल का था और ताऊ की सरकार इसे पूग नहीं करवा पा ई। इसके बाद हमारी सरकार ने मुख्य मती जी के नेतृत्व मे 7 करोड़ 21 लाख 85 हजार रुपए की पेमेन्ट की और यह इक्लिडग एडवांस है। इसके अलावा, जो आपने बात पूछी है कि 22– 10– 93 को मीटिंग हुई थी, उसमें क्या हुआ? उसका फैसला नही हुआ है। A committee has been constituted under the chairmanship of the Financial Commissioner & Secretary to Government, P. W . D. (B&R) , जिसमें इन्जीनियर इन चीफ, चीफ इजीनियर, ज्वायंट सैक्रेटरी (फाईनैस) इत्यादि मैम्बर्ज हैं। इनकी कई बार मीटिंग्ज हुई हैं और यह अभी फाईनल नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी याददाश्त के लिए बताना चाहूंगा कि 33 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत से 26 ब्रिजिज हमने सी०

एम० साहब के नेतृत्व में 28– 2–95 तक बनाए हैं। अध्यक्ष महोदय, 1991– 92 में 6 ब्रिजिज 1992–93 में 6 ब्रिजिज और 1993–94 में 17 करोड़ 60 लाख रु० की लागत से 6 ब्रिजिज तैयार किए है। इसके अलावा 28– 2– 95 तक 11 करोड़ 72 लाख रु० की लागत से 8 ब्रिजिज और बने हैं। लेकिन आवक्ष महोदय, इनकी सरकार एक ब्रिज भी नहीं वना सकी। अब इस समय 13 ब्रिजिज अन्डर कंस्ट्रक्शन हैं। इसमे सोनीपत, बल्लभगढ़, हिसार (आर० ओ० बी०) और सिरसा इत्यादि शामिल हैं।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा जवाब नहीं आया है।

चौधरी उमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने पेमेन्ट के बारे में पूछा था, उसका जवाब मैंने दे दिया है।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मंत्री जी मेरा सारा सवाल ही गोलमोल कर गए हैं। शायद मत्री जी को महकमे ने पूरे आकड़े नही दिए होगे। सर, सैकेन्ड ऐस्टीमैट 4. 87 करोड़ रुपए का बनता है। मंत्री जी को पूरे आकड़ों के साथ आना चाहिए। मंत्री जी के पास यें अकड़े नहीं है जबकि मेरे पास सारा रिकार्ड है। मैं आपको ये डेट्स देने के लिए तैयार हूं। या तो ये इंफर्मेशन दे नहीं पाए है या फिर पढ़ नही पाए हैं (विघ्न) सर, मेरे पास सारे आकड़े हैं मैं हर डिपार्टमैंट को वाच करता है। तो सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि ये अब तक सात करोड़ इक्कीस लाख

रुपये की पेमैंट कर चुके हैं ओर इस पर जो टोटल खर्चा आया है उसका रिकार्ड भी मेरे पास है। अगर आप कहे तो मैं आपको पढकर सुना सकता हूं एक हाई पावई कमेटी बनाई गई नेशनल हाईवे के इनके जो चीफ इंजीनियर श्री ए० एन० सहगल है, वे इस कमेटी के कंवीनर हैं और उनको चेयरमैनीशिप में 9–7–93, 10–7–93, 6–9– 93, 27–9–93 और 22–10–93 को मोटिंग्ज हुई और उस कमेटी ने अनुमानित लागत 5 करोड़ 65 लाख रुपये रखी थी।

श्री अध्यक्षः आप केवल सवाल पूछिए।

प्रो० सम्पत सिंहः सर, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। सरकार ने सात करोड इक्कीस लाख रुपये की पेमैंट की है। अमर सिंह जो इसको चाहे तो अच्छी तरह से देख लें। ऐक्सकूलसिव ऐडवास की आपने पेमेंट एक करोड़ सतर लाख रुपये की है और 15– 20 लाख रुपये वापिस आप ले पाए हैं। इसके अलावा एक करोड़ 50 लाख रुपये की ऐडवांसमैंट की पेमैंट आपकी अभी बाकी है। टोटल पेमैंट की अमाउंट पौने नौ करोड़ रुपये की है और जो टोटल ऐस्टीमेट्स हाई पावर्ड कमेटी ने बनाया है वह पांच करोड़ 65 लाख का है सर, इसका मतलब तो इससे भी फालतू पेमैंट इन लोगों ने को है। ये तीन साल की गारन्टी को भी बात कर रहे थे। सर यह गारन्टी की बात नहीं थी (विघ्न) सर मेरा एक नम्बर सवाल तो यह हो गया कि हाई पावर कमेटी के मुताबिक ब्रिज पर खर्चा पांच करोड 65 लाख रुपये का आया है और सरकार ने पौने

नौ करोड़ रुपये की पेमैंट की है। तो मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह फालतू पेमैंट क्यों की गयी? मेरा दूसरा सवाल यह है कि ये सिक्योरिटी के बारे में बार–गर तीन साल की बात कर रहे हैं। सिक्योरिटी को बैउ को गारन्टी 30–9– 1994 तक की थो। क्या यह गारंटी इतने समय तक की नहीं थी मंत्री जी हमें बता दे। सर, इस टाईम तक इनको फाइनल करना चाहिए था। अब इसमें दो सवाल उठते हैं कि आपने उसका बिल फाईनल करने से पहले तक की वह सिक्योरिटी कों लो? (विघन) सर, जो सिक्योरिटी को डेट थी इन्होंने उत वक्त उसको फाईनल क्यों नहो किया। जब यह सिक्योरिटी खत्म हो गई, तो अब ये बाकी पेमैंट कैसे लेंगे? सर, यह तो मेरा ओरिजनल सवाल था। इसके अलावा इसका 'डी' पोरशन है जिसमें प्राईवेट कंसलटंन्सी की बात आयी है इसके लिए 17 लाख रुपये खर्चा कर दिया। सर, क्या इनके पास अपने महकमे के इंजीनियर्ज नही थे। क्या उनको ये 32 करोड़ रुपये की तनख्वाह नहीं देते है? क्या केवल सड़क को चौड़ा करने के लिए राय लेने के बदले यह पैसा दिया है? ये जो 450 करोड़ रुपये का प्रौजेक्ट बना रहे है च्या उसमे 50 करोड़ रुपये की कंसलटैन्सी प्राईवेट लोगों के लिए थी जो कि प्राईवेट का बोर्ड लगाकर बैठ जा ते है। उनको देने जा रहे हैं। क्या यह पैसे की बर्बादी नहीं है? (विध)

श्री अध्यक्षः संपत सिंह जी, आप सिर्फ 'इसी प्वाइंट 'पर रहिए।

प्रो ० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मुझे यह कहना है कि प्राईवेट कसलटैसी को इन्होने हायर क्यो किया जबकि इनके पास अपने इजींनियर थे, जिनको ये 32 करोड़ रुपये तनखाह देते हैं ?

चौ० उमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैंबर ने भाषण दे दिया है। भाषण का जवाब तो भाषण में ही होगा। कोई सवाल इन्होने सपैस्फिक तो पूछा

नही है। असल में 7 करोड 21 लाख 85 हजार रुपए की पेमैंट गैमन इंडिया लिमिटेड को की है जिसमे एक परेड सत्तर लाख रपया ऐडवांस दिया गया है। जो कि बैंक गारंटी की बिनाह पर दिया गया है। उसमें 10.75 परसैटं वे इंट्रैसट दे चुके हैं। 17 लाख 50 हजार रुपये की रिकवरी. हो चुकी है। इसके अलावा रिकवरी हो रेही है। अभी तड़ उसका फाईनल फैसला नही हुआ है क्योकि फाईनल कमेटी अंडर दि चेयरमैनशिप आफ दि फाइनैंशियल कमिशनर–कम–सैक्रेटरी बनी है और उसकी काफी मीटिंगज हो चूकी हैं। हम चाहेगे कि इसका 2– 3 महीने के अंदर बाकयदा फैसला हो जाए।

अध्यक्ष महोदय उलझाया हुआ नाम तो यह इनका था। इन्होने अपने समय मे तीन साल में बीस परसैंट ब्रिज का काम भी नहीं दिया। प्राइसिज बढती हैं, इसमें कोई शक की बात नही है जो टैडर दिया जाता है, फसमें बकायदा मार्किट रेट के हिसाब से चीजों को रिवाईज करना पड़ता हैं। जब भी कोई करैंट एस्टीमेट

रिवाईज होता है, तो वह मार्किट रेट के हिसाब सें होता है। दो बार मेन ब्रिज का एस्टीमेट रिवाइज हुआ है, दो बार गाईड बंध का रिवाईज हुआ है। सरकार को इसमे घाटा नही है। 20– 11– 93 को इस ब्रिज को शूगर मिल, करनाल के लिए खोला गया जिसमें ऐक्साइज और सेल्स टैक्स की वजह से 7 करोड 50 लाख रुपये का बनैफिट हुआ है और शूगर मिल को भी 1 करोड 80 लाख रुपये का बैनीफिट हुआ। ब्रिज आप के राज में तीन साल पहले खोल देते तो 15 करोड रपये का लाभ होता। ये अपनी गलती को नहीं मान रहे हैं अब 28– 2– 95 तक बाकयदा 26– 27 ब्रिज बन चुके है। सिक्योरिटी जमा है, हम उसको रिम वर करेगे। उसकी बैंक गारंटी है। जब कोई टैंडर देता है तो साथ में गारंटी देता है। इसमें बैंक गारटी है। (विघन) **प्रो० सम्पत सिंहः** उसकी डेट ऐक्सपायर हो गई है ?

चौ० अमर सिंहः उसकी डेट ऐक्सपायर नहीं हुई। अभी जो 1994 की डेट थी वह रिवाईज हो गई है। और उसे कमेटी के जिम्मे लगा दिया है। केमेटी उसका फैसला करके बताएगी (विघन) आप उलझाने को कोशिश कर रहे हैं। आप भाषण के जरिए हमें नही उलझा सकते। बाकायदा रिकवरी होगी उसस निकलता है तो उसको देंगे, उससे लेना होगा तो बैंक गारंटी ले लेंगे।

श्री अध्यक्षः कंसैलटैसी के बारे में बताएं?

चौ० अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, प्राइवेट कंसल्टैसी का जहां तक मसला है, स्टैट–हाईवे 3 हजार 335 किलोमीटर के करीब है। स्टेट–हाईवे को नैशनल हाईवे की तरह से बनाने के लिए वर्ल्ड बैंक से लोग लेने की बात थी। उसमें यह प्रिलिमिनरी इंकवायरी हुई है। इसमें 5 पैकेज डीड में 5 कसन्टैंटस लगाए गए जिनको सत्रह लाख रुपये के लगभग दिए गए। (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंहः आपके इंजीनियर्ज क्या करते हैं?

चौ० अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक को शर्त है, वह हम देखेंगे। गवर्नमैंट इस बात पर विचार कर रही हैं कि अगर लोन लेना होगा तो हम उनको कंसलटैंसी फीस आगे देंगे? अदरवाईज हम नहीं देंगे।

वाक आउट

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजल लाल): अध्यक्ष महोदय, ये बड़ी देर से खड़े हो रहे हैं और बार बार मिव एण्ड टेक, मिव एण्ड टेक कह रहे हैं क्योंकि इनको अपना जमाना याद आ रहा है। इसके बगैर ये कुछ करने ही नहीं थे। (शोर) मन्त्री महोदय ने बड़ी डिटेल में बता दिया है (शोर) मैं बताता हूं लेकिन जरा ये सुनने की कृपा करें (शोर)

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पइले आप हमारी बात सुनिये। (शोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बैठिये। (शोर)

चौधरी भजन लालः हम दोबारा इस सारे मामले को देखेंगे, अगर इसमें किसी प्रकार का कोई फाल्ट होगा, तो हम उसकी जांच करवाएंगे। इन्होंने कहा कि सरकार ने प्राइवेट कंसल्टैंटस को यह काम क्यों दया? अध्यक्ष महोदय, हमारे पास अरने इजीनियर्ज हैं, बड़े काबिल हैं, हमें उन पर पूरा फेथ है केवल इस काम के लिये पांच कंसलटैन्ट्स ही मुकर्रर किये गये थे। क्योंकि वर्ल्ड बैंक से हमने साढ़े चार सौ करोड़ का धन लेना था। सभी प्रोजैक्टस को तैयार करके उनके पास जल्दी भेजना था, तभी हमें पैसा मिल पाता। कुल 17 लाख रुपया कंसलटैन्टस को दिया गया ताकि प्रोजैक्टस जल्दी वन कर वहां पर चले जाएं और हमें जल्दी पैसा वर्ल्ड बैंक से मिल जाए। इनकी तो यह मन्शा थी कि इनको वर्ल्ड बैक से एक पैसा भी न मिले और डिपैल्वमैंट के कोई काम न हो सके। इनको अपना वक्त याद नहीं। इनके वक्त में एक रोड़ा एक ईंट भी कहों नही लगी थी, दूसरे कामों की तो बार ही छोड़ो। इसलिए तकलीफ हो रही है और ये बार–बार गिव एन्ड टेक कह रहे हैं। सिवाये ऐसी बात के कि फलां जगह गड़बड़ हुई है, उस जगह यह हुआ है इनके पास कुछ भी नहीं है। (व्यवधान व शोर)। अध्यक्ष महोदय, मैं यहां हाउस में फिर यह कहता हूं कि अगर ये साबित कर दें कि फलां जगह गड़बड़ हुई है, कही पर इनको शक हो तो जिस अधिकारी से ये कहेंगे हम जांच करवाने

के लिये तैयार हैं। अगर कोई फाल्ट निकला, तो उस अफसर के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा (व्यवधान व शोर)।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, हम इनके जवाब से सन्तुष्ट नहीं हैं आप इस पर हाफ एन आचर डिस्कशन करवा लीजिए। (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्षः नहीं नहीं। आप बैठि ये (शोर)

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि ये हाउस को गल्त ब्यानी करके गुमराह कर रहे हैं। .....

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी आप बैठिये। जो ये कह रहे हैं, यह रिकार्ड न किया जाए।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर सर, अमर इस तरह से हमारी आवाज को दबाया जाएगा तो हम प्रोटैस्ट के तौर पर सदन से वाक आउट करते हैं। (शोर)

(इस समय सदन में उपस्थित जनता पार्टी के समो सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Abolition of sales tax on the purchase of Sprinkler Sets

***1043. Ch, On Parkash Beri :** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to abolish

sales tax on the purchase of sprinkler sets and drip irrigation equipment in the State ?

Minister of State for Excise and Taxation (Sh. Jai Parkash) : A decision has been taken by the Government to exempt the drip irrigation system and its components from the levy of sales tax and notification in this regard is likely to be issued very shortly.

चौधरी ओम प्रकाश बेरी: अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने मेरे सवाल के जवाब में कहा है कि a decision has been taken by the Goverenment to exempt the drip irrigation system and its components from the levy of sales tax and notification in this regard is likely to be issued very shortly. तो मैं इन से यह पूछना चाहता हूं कि 'वैरी शार्टली' का क्या मत लब है? यह तो बड़ी वेग टर्म है, वह कब आएगी? इन्होने कहा कि नोटीफिकेशन जल्दी ही जारी कर दिया जाए गा इस बारे में जरा क्लीयर कर दे। दूसरा इन्होंने ड्रिप–इरीगेशन के बारे में, स्प्रिक्लर सैट्स के बारे मे उत्तर नहीं दिया। स्प्रिंकलर सैट्स अमूमन उन इलाकों में लगाये जाते हैं, जहां खारा पानी हो या पानी नीचे हो। तो मैं इन से जानना चाहता हूं कि जिस प्रकार राजस्थान और मध्य प्रदेश में स्प्रिकंलर सैट्स और दूसरे कम्पोनैटस पर सेल्ज टैक्स की छूट है, क्या सरकार के पास इस तरह का प्रस्ताव विचाराधीन है ताकि हरियाणा के अन्दर भी स्प्रिकलर सैट्स व दूसरे ड्रिप सिचाई उपकरणों की खरीद पर विक्रय कर समाप्त किया जा सके?

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जानना चाहा है कि ड्रिप इरीगेशन के बारे में नोटिफिकेशन कब तक हो जाएगा। मैं उनको बताना चाहूंगा कि यह नोटिफिकेशन आज कल में होने वाला है। हमने इसको एल ० आर ० के पास कलीयरैस के लिए भेजा हुआ है। दूसरे इन्होंने स्प्रिकलर सैट्स पर टैक्स माफ करने के लिए कहा है। मैं इनको बताना चाहता हु कि इस पर पहले ही सरकार चार हजार रुपए एक सैट पर एग्रीकल्चर विभाग के जरिए सबसिडी देती है ताकि किसान को उसका डायरैकट फायदा पहुंचे। हमने इस के लिए बाकायदा सोच विचार किया है और इस पर टैकस माफ करने का अभी कोई निर्णय नही लिया है।

श्री अध्यक्षः अब सवालों का समय समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखें गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Provision of houses to Rural Labourers in the State

***1041. Shri Jai Singh :** Will the Minister of State for Housing be pleased to state

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide Houses to the rural labourers in the State ; and

(b) if so, the details thereof togetherwith the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

आवास राज्य मंत्री (श्री बचन सिंह आर्य):

(क) तथा (ख) जी नहीं। फिर भी, राज्य में गरीब लोगों के लिए मकान बनाने की योजनायें (1) ग्रामीण क्षेत्रों में इन्दिरा आवास योजना के तहत तथा

(2) शहरी क्षेत्रों में आर्थिक दृष्टि सै कमजोर वर्ग और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए आवास बोर्ड हरियाणा की विभिन्न स्कीमों के तहत उपलब्ध हैं।

Completion of S . Y. L. Canal

***1053. Shri Suraj Bhan Kajal :** Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) the details of the steps taken by the present Government for the early completion of S. Y. L. Canal in Punjab Territory so far ; and

(b) the present stage of the construction work of the afore said canal togetherwith the time by which it is likely to be completed ?

सिंचाई मंत्री (चौ० जगदीश नेहरा):

(क) एस० वाई ० एल० नहर को शीध्र पूरा करने के लिए मुख्य मंत्री, हरियाणा लगातार भारत सरकार व पंजाब राज्य पर दबाव डाल रहे (ख) अभी तक एस० वाई० एल० नहर पंजाब भाग पर मिट्टी का कार्य तथा लाईनिंग का कार्य 93.82 प्रतिशत

तथा 93. 41 प्रतिशत पूरा हो चुका है। 128 पक्के कार्यो में से 111 बन कर तैयार हो चुके हैं।

इस नहर का कार्य–भार पंजाब सरकार के हाथ में है इसलिए इसके पूरा होने की समय सीमा हरियाणा नहीं बतला सकता।

Use of Sub-standard Material

***1119 Shri Amir Chand Makkar :** Will the Minister for Public Health be pleased to state whether any complaint in regard to the use of sub-standard material in the construction of water works ks at Hansi, district Hisar was received by the Government in tile year 19)4. if so, the action taken thereon ?

जन स्बास्थय मंत्री (श्रीमती शान्ति देवी राठी): श्री अमर चन्द मक्कड़, विधायक द्वारा 31– 1– 94 को हांसी के जलघर पर बनै चौथे स्टोरेज टैक के निर्माण में घटिया सामान का प्रयोग किए जाने की शिकायत की गई थी। शिकायत के मिलने के समय 80 प्रतिशत कार्य किया जा चुका था। 3–2– 94 को निर्माण पर लगे सीमैंट कंक्रीट के पांच सैम्पल लिये गये थे (तीन नम्बर सैम्पल टैंक के बैंड से और दो नम्बर सैम्पल टैंक के साईड के थे) और रीजनल इंजीनियरिंग कालेज कुरूक्षेत्र से इनकी जांच करवाई गई थी और 1– 4–94 को इन सैम्पलों की विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त हुंई। तीन में से दो सैम्पल जोकि टैक के बैड से लिये गये थे, की विश्लेषण रिपोर्ट ठीक थी जब कि तीसरे सैम्पल की रिपोर्ट में घटिया सीमैंट कनक्रीट पाई गई। टैक के बैड के

जिस क्षेत्र में घटिया सामान का प्रयोग किया गया था उसको तुड़वा दिया गया था और उसको दुबारा ठेकेदार की कास्ट पर बनवा दिया गया है।

शेष दो सैम्पल जोकि टैक के साईड से लिये गये थे वे भी फेल पाये गये जो घटिया सीमेंट कनक्रीट के प्रयोग की तरफ ईशारा करते हैं। लोक निर्माण विभाग के स्पैसीफिकेशन के अनुसार अगर निर्माण पर सीमेंट का प्रयोग 5 प्रतिशत से कम हो तो उस निर्माण की स्थिरता और उपयुक्तता के बारे में टैस्ट किया जाता है। अगर निर्माण स्थिर और उपयुक्त पाया जाता है तो जितना सीमेंट निर्माण पर कम लगाया गया उसकी वसूली ठेकेदार के बकाया बिलों में से पीनल रेट पर की जाती है और अगर निर्माण की उपयुक्तता और स्थिरता ठीक न हो तो निर्माण के दोषायुक्त भाग का तोड़ना पड़ता है और ठेकेदार की कास्ट पर दोबारा बनाया जाता है। स्टोरेज टैक की वाटर टाईटनैस के लिए काम के पूरा होने पर 15 अप्रैल, 1995 को टैस्ट किया जायेगा और ठेकेदार पर पीनल ऐक्शन लेने बारे उसके बाद फैसला किया जाएगा। उन कर्मचारियों/अधिकारियों को जो निर्माण पर कम सें मेट लगाने के लिए जिम्मेवार हैं उनका पता लगा लिया गया है और उनको आरोप–पत्र देने का काम प्रगति पर

Declaration of rice growing Area

***1071. Shri Karan Sigh Dalal : Will the Minister for** Agriculture be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideraticn of the Government to declare Palwal Sub-division as rice growing area : and

(b) if so, the time by which the afore-said proposal is likely to be materialized ?

कृषि मंत्री (श्री हरपाल सिंह)

(क व ख) किसी क्षेत्र को धान उत्पादन क्षेत्र धोषित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Balana Minor

***1101 Shri Satbir Singh Kadyan :** Will the Minister of Irrigation be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Balana Minor in district Panipat; and

(b) if so, the time by which the aforesaid minor is likely to be constructed ?

सिंचाई मंत्री (चौ० जगदीश नेहरा):

(क) हां।

(ख) इस नहर का कार्य बजट उपलब्ध होने पर शुरू कर दिया जाएगा।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Construction of Roads by H.S.A.M.B.

241 Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the roads of following village of district Faridrbad by the Haryana State Agricultural Marketing Board :—

(i) Patli to Sahadpur;

(ii) Deeghat to Nangla Kanjoran Ka ;

(iii) Feekri to Rajpura ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be constructed ?

कृषि मंत्री (श्री हरपाल सिंह):

(क) उपरोक्त वर्णित सडकों के निर्माण बारे कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ख) चूंकि कोई मामला विचाराधीन नही है, अतः समय समय सीमा देने का प्रश्न पैदा नहीं होता।

Fish Farming

242. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister of State for Fisheries be pleased to state—

(a) the number of fish ponds being run in District Faridabad by various persons under the fish-culture during

the year 1994 togetherwith their names and addresses ; and

(b) whether any subsidy has been given to the persons as referred to in part (a) above ; if so, the amount thereof in each case

वक्फ राज्य मंत्री (चौ० शकरूल्ला खान):

(क) वर्ष 1993– 94 के दौरान जिला फरीदाबाद में 299 मछली तालाबों मैं विभिन्न व्यक्तियों द्वारा मत्स्य पालन का कार्य किया गया था। व्यक्तियों के नाम व पते की सूची सलंग्न है।

(ख) मत्स्य पालन अपनाने के निए 31 व्यक्तियों को 2,94,550/– रुपए अनुदान के रूप में दिये गये। विवरण सलंग्न है– सूची

क्रम. सं.	मलय तालाबों की संख्या	मत्स्य पालकों के नाम व गांव का नाम	तालाबों का क्षेत्रफल (है०)	मत्स्य पालकों को दिया गया अनुदान
	2	श्री राजबीर गांव चोरावटा	1.2	
	1	श्री अखतर अली गांव फरीदाबाद	1.5	

	1	श्री इन्द्रजीत गांव असावटी	1.5	
	1	श्री निसार अहमद गांव साहुपुरा	1.2	
	1	श्री खुर्शीद गांव डुगरपुर	0.6	
	1	श्रीमति जरना गांव महलुका	2.0	3500/-
	1	श्री जान मोहम्मद गांव आलोमेव	4.0	
	1	श्री अब्दुल रजाक गांव अलामेव	2.0	3500/-
	1	श्री फईयाज गांव आल मेव	2,0	3500/-
	1	श्री जुबेर खान गांव रनसीका	4.0	
	1	श्री सोहन लाल गांव वहीन	4.0	
	1	श्री युनस खान गांव	1.0	

		नागल सभा		
13.	1	श्री इकबाल गांव नागल सभा	1.0	
14.	1	श्री श्योक्त गांव हुचपुरा	1.0	
15.	1	श्री यूनस गाव खिलुका	2.0	
16.	1	श्री इलियास गांव फिरोजपुर नमक	3.0	
17.	1	श्री फजरुदीन गांव फिरोजपुर नमक	1.0	
18.	1	श्री छाटे लाल गांव मिडकाला	4.0	
19.	1	श्री हकमुद न गांव बाजडका	4.0	
20.	1	श्री तेजराम गांव खेडलीं जीता	1.0	
21.	1	श्री सर्वजीत गांव खेडला जीता	1.0	
22	1	श्री दीनू गांव उटवड	2.0	

23.	2	श्री बी० एन ० सहगल गांव जैनपुर	2.0	
24.	2	श्री एम० डी ० त्यागी गांव जैनपुर	2.0	
25.	1	श्री नवाब गांव हथीन	1.5	
26.	1	श्री रुस्तम गांव उटावड	1.0	
27:	1	श्री आजाद गांव बाजडाका	1.0	
28.	1	श्री नूर मोहम्मद गांव रैवासन	1.0	1750/-
29_	1	श्री गुटटी गांव लडम की	3.5	
30.	1	श्री नजरु गांव हथीन	2.0	
31.	1	श्री हनीफ गांव बुराका	1.5	
32.	2	श्री खुर्शीद अहमद गांव हथीन	2.0	
33.	1	श्री खुर्शीन अहमद गांव हथीन	1.0	
34.	4	श्री फजरूनूका गांव हथीन	4.0	

35.	1	श्री रिबललू गांव मठेपुर	2.0	
36.	1	श्री अब्दुल मनान गांव आलीमेव	4.0	
37.	1	श्री जान मोहम्मद गांव आलीमेव	4.0	
38.	1	श्री नूर मोहम्मद गाव चबुअन का नगला	4.0	
39.	1	श्री रज्जाक गांव रणसीका	3.0	
40.	1	श्री मजूंर गांव हथीन	0.8	
41.	1	श्री खलाल गांव यूरेथी	2.0	
42.	1	श्री रज्जाक गांव अलि मेव	2.0	
43.	1	श्री मन्जूर गांव उटावड	2.0	
44.	1	श्री इब्राहीम गांव लखनाका	1.0	
45.	1	श्री आयूब गांव भिमासिक	2.0	
46.	1	श्री दीन गांव उटावड	1.0	
	1	श्री बसीर गांव धीधड़ाका	0.8	

	1	श्री अब्दुल मनाने गांव मलाई	3.0	
	1	श्री नजीर गांव गुलशेरा	0.4	
	1	श्री साहबू गांव प्रमाखेड़ा	4 0	
	1	श्री प्रहलाद गांव गहलन	0.1	
	1	श्री सूलेमान गांव मनकाकी	2.0	
	1	श्री साहबू गांव प्रमाखेड़ा	1.5	
	1	श्री रोजदार गांव हुचपुरी	0.8	
	1	श्री रूबीर खान गांव धरिणकी	1.5	
	1	श्री दीन मोहम्मद गांव रपटाका	2.0	
	1	श्री फतेह मोहम्मद गांच उटावड	2.0	
	1	श्री नसरुदीन गांव चटायड	2.0	

	1	श्री दीन मोहम्मद गांव रुपड़ाका	2.0	
	1	श्री अलमुदीन गांव चीललो	2.0	
61.	1	श्री दीन मोहम्मद गांव रणसीका	3.0	
62.	3	श्री विजय सिंह गांव महेशपुर	3.0	
63.	3	श्री चौन सुख गांव पलवल	3.2	
64.	2	श्री रघबीर गांव फिरोजपुर	2.3	
65	1	श्री नजरु सुपुत्र ईसब गांव गुड़गांव	0.8	
66.	1	श्री हारुन गांव रुपड़ाका	0.8	
67.	1	श्री जरुरीमा गांव रुपड़ाका	0.6	
68.	2	श्री रामचन्द गांव पलवल	1.8	
69.	1	श्री जयकिशन गांव	1.2	

		अलालपूर		
70.	1	श्री सज्जाद गांव फरीदाबाद	0.4	
71.	3	श्री ईलियास गांव सोहना	5 6	
72.	1	श्री ईलियास गांव सोहना	0.8	
73.	3	श्री सुमेर सुपूत्र सफेदू गांव लधियापुर	3.8	
74.	1	श्री शेर मोहम्मद गांव डूगग्पुर	1.0	
75.	1	श्री कमरूदीन गांव जख्खुपुर	1.0	
76.	1	श्री दीन मोहम्मद गांव रुपड़ाका	1.2	
77.	2	श्री गोविन्द गांव पृथला	3.3	
78.	1	श्री सहाबूदीन गांव हथीन	1.0	
79.	1	श्री कैलास गांव फरीदाबाद	1.5	

80.	1	श्री महेन्द्र सिंह गांव खेडला	1.2	
81.	1	श्री हंसराज गांव सुजावडी	1.5	
82.	4	श्री जान मोहम्मद गांव आली मव	4.0	
83	2	श्री मजीद गांव फिरोजपुर	0.6	
84	1	श्री महेश सिंह गांव असावर	0.5	
85	1	श्री साहबुदीन गांव हथीन	1.4	
86.	1	श्री सुरजीत गांव टोकरी ब्राहमण	1.0	
87.	1	श्री नथू सिंह गांव पारौली	1.8	
88.	1	श्री नवाव गांव हथीन	1.2	
89.	2	श्री हरुण गांव खिजुरका	2.5	
90	2	श्री सोहन लाल गांव बहीन	2.6	
91.	2	श्री इब्राहीम सुरू	2.5	

		फकरुदीन गांव फतेहपूर तंगा		
92.	1	श्री जागिर हुस्सैन गांव आलीमेव	1.2	
93	1	श्री महेन्द्र सिंह गांव डकौरा	1.0	
94.	3	श्री ताज मोहम्मद गांव शौलाका	1.0	
95.	1	श्री रज्जाक गाव आली मेव	1.5	
96.	2	श्री फले मोहम्मद गांव मोहरु का नगला	3.5	
97.	1	श्री फले मोहम्मद गांव मोहरु का न गला	1.4	
98.	1	श्री इलियास गांव नखरौला	0.8	
99.	2	श्री फईमान गांव आलीमेव	3.2	
100.	2	श्री सोहन लाल गांव	2.5	

		बहीन		
101	1	श्री आस मोहम्मद गांव रसूलपुर	1.0	
102.	1	श्री कालू गांव मोहरुका नगला	1.6	
103.	1	श्री बलदेव गांव घौड़ी	2.0	
104.	2	श्री गोपा न गांव खाम्बी	3.0	
105.	1	श्री सोहन लाल गांव पालड़ी	1.0	
106.	1	श्री हनीफ गांव खनरौल	0.8	
107.	2	श्री नवाब ईश्वरी, प्रसाद, फरीदाबाद	2.4	
108.	4	श्री शेर मोहम्मद गांव आलीमेव	3.2	
109.	1	श्री शतीद गांव बामनी खेड़ा	0.4	
110.	2	श्री सोहन लाल गांव बहीन	2.4	

111.	1	श्री तैयब गाव मोदुरु का नगला	3.0	
112.	1	श्री ईमरत गाव लालगढ़	1.4	
113.	1	श्री अब्दुल मजाद गांव रुपड़ाका	0.6	
114.	2	श्री हजीफ मौ० गांव घासैड़ा	1.6	
115.	2	श्री फत्ते मौ० गांव मोहरु का नगला	3.0	
116.	1	श्री सहाबूदीन गांव मौहरका नगला	0.6	
117.	2	श्री नवाव बाड़ा हिन्दुराव	1.6	
118.	2	श्री फत्ते मौ० गांव मोहरुका नगला	3.0	
119.	1	श्री सहाबुदीन गाव –यथा–	0.6	
120.	2	श्री नवाब बाड़ा हिन्दुराव	-1.6	
121.	1	श्री दरमान पालड़ी	1.4	

122.	1	श्री हासन गांव आलीमेव	1.2	
123.	2	श्री जान मौ० गांव आलीमेव	2.5	
124.	4	श्री सोहन लाल, बहीन	6.6	
125.	2	श्री नसरूदीन गांव रूपड़ाका	1.6	
126.	3	श्री अखतर, मोहर का नगला	2.2	
127.	2	श्री ड्टी, गाव मोहर का नगला	0.8	
128.	2	श्री शफात, मोहर का नगला	2.6	
129.	1	श्री सुखबीर गांव टीकरी गुजर	0.6	
130.	3	श्री अब्दुल रजाक, गांव आकेड़ा	6.0	
131.	3	श्री इमरान, खन्दावली	2.0	
132.	1	श्री अते० मौ०, गांव मोहर	1.0	

		का नगला		
133.	1	श्री फजल्नूम, हथीन	2.0	
134.	1	श्री कमरूदीन गांव ममरौला जोगी	0.8	
13S.	1	श्री खुर्शीद गांव हथीन	1.0	
136.	1	श्री हकीम रमजानी	8.0	
137.	1	श्री फैमान अहमद, आलीमेव	2.0	
138.	1	श्री हक्कू गांव जराली	1.0	
139.	1	श्री गपूर गांव रजाली	2.2	
140.	1	श्री नमरूदान गांव रूपड़ाका	3.0	
141.	1	श्री इलियासू गांव ममोलाका	2.0	
142.	1	श्री अर्जुन गांव धरोट	0.5	
143.	1	श्री बिजेद्र सिंह गांव नागल जाट	4.0	

144.	1	श्री शहीद गांव कोट	4:0	
145.	1	श्री कुलदीप सिंह गांव कोण्डल	0.8	
146.	1	श्री जान मौ० आलीमेव	4.0	
147.	2	श्री सगीर, गांव रूपसका	4.0	
148.		श्री दीन मो० मेठपूर	1.0	
149.	1	श्री आस मो०, दूरेभी	1.0	
150.	1	श्री हुर्रा रूपड़ाका	1.0	
151.	2	श्री इमामुदी न गांव हुचपुरी	2.0	
152.	1	श्री फजरूदीन गांव हथीन	1.5	
153.	1	श्री नवाव गांव हथीन	1.5	
154.	1	श्री अररू सुपुत्र सापिनकी	1.0	
155.	1	श्री शेर मोहम्मद गांव कोट	2.0	3500/-
158.	2	श्री हबीव अलिमेव	4.0	7000/-

	1	श्री दीन मो० आलीमेव	0.8	1400/-
	1	श्री साबुदीन मुनहाना (गहलब)	2.0	3500/-
	1	श्री रूप चन्द, करनेरा	2.25	5000/-
	1	श्री राम काई, फरीदाबाद गांव अलावलपुर	1.2	4000/-
	1	श्री नवाव गांव नांगल ब्रहामण	2.0	6400/
	1	श्री मनन प्रसाद, भुजेसर	0.8	2400/-
	1	श्री जाकिर हुसैन अटेरना	1.5	5000/-
144.	1	श्री शाहबुदीन, मोहरु का नगंल	2.0	6400/-
	1	श्री अखतर हुसैन, अटेरगा	1.8	640 0/
	1	श्री फतेह मौ० मोहरुका बगला	2.0	8000/-
	1	श्री कालू, मोहसका काला	1.8	4800/-
	1	श्री शिब्बू, घाधोट, रायपूर	1.4	4800/-

	1	श्री नूर महोम्मद, रनसिका	1.0	12000/-
	1	श्री इदरीश लदियापूर	1.6	6000/-
	1	श्री बिजय सिंह, महेशपूर	1.0	8000/-
	1	श्री हरि किशन गांव बहीन	4.14	70800/-
	1	श्री हरि किशन गांव नचौली	0.8	
	1	श्री ,, –यथा–	0.8	
	1	श्री आजाद तिगांव	1.2	
	1	श्री शिंवा जी, गुटटा, धौज	1.0	
	1	मौ० आरीफ भतौला	1.0	
	1	श्री शरीफ गांव धौज	1.0	
179.	1	श्री अयूब गांव धौज	1.0	
	1	श्री सिरूसार अहमद गांव खेड़ीकला	1.6	
	1	श्री नन्हूं, सागरपुर गांव	0.5	

	1	श्रीमति कृष्णा, सागरपुर	0 5	
	1	श्री चन्द गांव जाजरू	1.2	
184	1	श्री ध्रूव भगत गांव सीकरी	2.0	
	1	श्री निस्सार अहमद, चंदावली	0.8	
	1	श्री मोहम्मद मुनीर खां, साहपूर	1.2	
	1	श्री भोपाल सिंह, धबूलपूर	1.6	
	1	श्री महेश गांव, मोहना	1.0	
189	1	श्री हनीफ, गांव डीक	1.6	
190	1	श्री धतरू, गांव विजोपुर	0.8	
191	1	श्रीमति जसबीर कौर, मछगर लहडोला	1.2	
192	1	श्री टेक चन्द, महमूदपुर	1:6	
	1	श्री शकूबअली, गांव नराबली	1.0	

	1	श्री जान मोहम्मद गांव अटेरना	1.5	
	1	श्री हेतलाल, गांव मोहला	3.0	
196	1	श्री यशपाल, गांव दयालपुर	0	
	1	श्री मोहम्मदहसन, नानकसर	1.6	
	1	मौ० ईसाक, गांव पनहेड़ाकलां	1.8	
	1	श्री दीनू, गांव जकोपुर	1.6	
	1	श्री रघुबीर सिंह, राखोता	1.0	
	1	श्री चौनसुख, बड़ा गांव बड़ा	0.8	
	1		0.6	
	1		2.0	
	1		0.8	
	1	श्री खुर्शीद, गांव जैदापुर	1.0	

	1	श्री ज्ञान चन्द्र, गांव रसूलपुर	1.6	
	1	श्री दाऊद मौ० आलापुर	L.0	
	1		3.0	
	1	श्री गौबिन्द, पृथला	6.0	
	1	श्री प्राहीन, गांव जनौली	1.0	
	1	श्री हरींनाथ, गांव धोड़ो	1.4	
	1	श्री मोहन, गांव दुर्गापुर	3.6	
	1	श्री जान मो०, फिरोजाबाद मीसा	1.0	
	1	श्री मोहरपाल, घागोट	1.2	
	1	श्री अखतर अली, बधौली	0.45	
	1	श्री इलियास, गाव धतीर	1.0	
	1	श्री रामकिशन, गांव ताराका	1.0	
	1	श्री मनोहर, गांव अत्तर चट्टा	1.0	

	1	श्री देशराज, गांव करमन	1.0	
	1	श्री रामकिशन, गांव बेडापट्टी	0.5	3000/-
	1	श्री शहीद, गांव बायनीखेड़ा	4.0	31500/-
	1	श्री नवाब, गांव –यथा–	1.5	8800/-
	1	श्री गोपाल, गांव खाम्बी	2.0	
	1	श्री तैय्यब, गांव लीखी	3.5	
	1	श्री जान महोम्मद, गांव सेवली	2.0	
	1	श्री फैयाज, गांव अलीमेव		32000/-
	1	,, अन्धोप	1.0	
	1	श्री रजाक, गांव डकोरा	1.2	
	1	श्री जाकिर, गांव बन्चारी		1.2
	1	श्री त्रिलोक चन्द, गाँव कचारी	2.0	
	1	श्री सोहन, गांव गढ़ीपट्टी	0.6	7200/-

	1	श्री यासीन, गांव मठेपुर	0.5	12 000/
	1	श्री किशन लाल, गांव गुलाबद	1.5	5000/-
	1	श्री हनीफ, गांव बुराका	3.1	15000/-
	1	श्री शरीफ, गांव धौज	2.0	
	1	श्री सहजम, गांव श्विल्लूका	1.0	
	1	श्रीमति हारूनी, गांव रनसिका	2 . 4	
	1	श्री सहदेव, गांव उदोश्वर	1.6	
239	1	श्री सोहन लाल, गांव बडोखड़ा	1. 0	
	1	श्री जुम्मा, बहीन गांव बहीन डिगी नं० 4	1.0	
	1	श्री जय नारायण गांव बड़ी डिगी	2.0	
	1	श्री मनोहर गांव अतरचट्टा	1. 0	2400/-

तालाबों की कुल संख्या 299

'' विवरण''

क्रम स ०	मत्स्य पालक का नाम और पता	दी गई अनुदान राशि
1	श्रीमति जरीना, गांव महलुका	3500/-
2	श्री अबदुल रज्जाक, गांव आलीमेव	3500/-
3	श्री फईयाज, गांव आलीमेव	3500/-
4	श्री नूर मोहम्मद, गांव रैवासन	1750/-
5	श्री शेर मोहम्मद, गांव कोट	3500/-
6	श्री हबीब, गांव आलीमेव	7000/-
7	श्री दीन मोहम्मद गांव आलीमेव	1400/-
8	श्री साबूदीन, गांव पुन्हाना	3500/-
9	श्री रूप चन्द, गांव करनेरा	5000/-
10	श्री राम काई, गांव अलावलपुर	4000/-
11	श्री नवाब, देहली	6400/-
12	श्री नमन प्रसाद, गांव मुजेसर	2400/-
13	श्री जाकिर हुस्सैन, गांव	5000/-

	अटेरना	
14	श्री साहबूदीन, गांव मोहरुका नंगला	6400/-
15	श्री अख्तर हुसैन, गांव अटेरना	6400/-
16	श्री फतेह मोहम्मद, गांव मोहरुका नंगला	8000/-
17	श्री कालू गांव मोहरुका नगला	4800/—
18	श्री शिब्बू, गाव धाघौट रामपर	4800/—
19	श्री नूर मोहम्मद, गांव रजसिका	12000/-
20	श्री इदरीश, गांव लादियापुर	6000/—
21	श्री विजन सिंह, गाव महेशपुर	8000/—
22	श्री हरिकिशन, गाव वहीन	70800/—
23	श्री शहीद, गाव वामनी खेड़ा	3000/—
24	श्री नवाब, गांव वामबी खेड़ा	31500/-
25	श्री गोपाल, गाव श्वाम्बी	8800/—
26	श्री पैयाज, गांव आलीमेव	32000/—

27	श्री यासीन, गांव मठेपुर	7200/—
28	श्री किशन लाल, गांव गुलाबद	12000/—
29	श्री हनीफ, गांव बुराका	5000/—
30	श्री शरीफ, गांव धौज	15000/—
31	श्री मनोहर, गांव अतरर चट्टा	2400/—
		294550/-

Opening of Women Polytechnic Institute in District Faridabad

243. Shri Karam Singh Dalai : Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Goverment to open a Women Polytechnic Institute in district Faridabad and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely. to be materialized ?

तकनीकी शिक्षा मंत्री (राव इन्द्रजीत सिंह):

(क) जी, हां।

(ख) विश्व बैंक के साथ सम्पन्न की जाने वाली औपचारिकताए समय पर पूर्ण हो जाने की स्थिति में भवन निर्माण कार्य वर्ष 1995– 96 में आरम्भ हेने की सम्भावना है और कक्षाएं शैक्षिक सत्र 1997– 98 से आरम्भ किए जाने की सम्भावना है।

Construction of a Tourist Complex at Palwal

244. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister for Tourism be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Tourist Complex at Palwal in district Faridabad ; and

(b) if so, the approximate expenditure likely to be incurred thereon ?

पर्यटन राज्य मन्त्री (श्री लीला कृष्ण चौधरी):

(क) जी नहीं।

(ख) उग्रोक्त (क) पर दिये गये उत्तर को मद्देनजर रखते हुये प्रश्न उत्पन्न नही होता।

ध्यानाकर्षण सूचनांए

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, का आपने मेरो काल अटैन्शन मोशन को रिजैक्ट कर दिया। कैपिटल रीजन बनने से किसान लोग बर्बाद हो जाएंगे क्योंकि उनके पास खेती करने के लिए जमीन नहीं बचेगी।

श्री अध्यक्षः आपन जो कुछ कहना है, वह बजट पर बोलते हुए कह लेना।

प्रो० राम बिलास शर्माः स्पीकर साहब, मैंने एक काल अटैन्शन मोशन का नोटिस दिश बै कि इन दिनों में फिशन को गेहु की कमी हो जाती है मौर जो गांवों में गैर–बिसवेदार लोह हैं, उनको राशन का गेहूं नहीं मिलता।

श्री अध्यक्षः वह मोशन गवर्नमैंट के पास कमैंट्स के लिए गई है। जब उसका जवाब आ जाएगा, तो आपको उस समय टाईम देंगे।

प्रो० छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, मैं आपका ध्यान हरियाणा सरकार के बहुत उच्च अधिकारियों के रवैये को तरफ दिलाना चाहता हूं। सात तारीख के ट्रिब्यून में इस वादे में लिखा है। यह बहुत बुरी बात है। सरकार चाहे किसी भी पार्टी की हो लेकिन यह स्टेट का मामला है। आज एक अधिकारी यह कहे कि मिनिस्टर्ज अन–एजुकेटिड हैं। (शोर)

श्री अध्यक्षः आप किस प्वांयट पर बोल रहे हैं। क्या आपका इस बारे में कोई काल अटैन्शन मोशन है।

प्रो० छत्तर सिंह चौहानः स्पीकर साहब, उस अधिकारी ने जो कुछ कहा, उससे सारी स्टेट का इमेज बरार इया है। सी० एम० साहब ने भो पार्टी मीटिंग में कह दिया कि मे इसकी

इन्क्वायरी करवाऊगा और मन्त्री ने भी खुद कहा है कि हमें अन–एजुकेटिड कहा है। (शोर)

सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा): स्पीकर साहब, इनका न कोई काल अटैन्शन मोशन ई और न इन्होंने इस बारे में कुछ लिख कर दिया है। ये ऐसे ही हर बात पर खड़े हो जाते हैं। (शोर)

प्रो० छत्रपाल सिंह के निलम्बन को रद्द करने संबंधी मामला उठाना

चौधरी बंसी लाल: स्पीकर साहब, मेरी एक सबमिशन है। कल इस सदन में बड़ी अफसोसनाक घटना हुई। अध्यक्ष महोदय, कल प्रो० छतरपाल सिंह को फार दि रैस्ट ऑफ दि सेशन निष्कासित किया गया। मैं आपको रूल पद कर सुनाता हूं। अगर रूल्ज को वायलेट किया जाए, तो यह खराब बात है। हमारे रूल्ज आफ प्रोसीजर का रूल 104 कहता है–

"(1) The Speaker shall preserve order and have all powers necessary for the purpose of enforcing his decisions on all points of order.

(2) He may direct any member whose conduct is, in his opinion, grossly disorderly to withdraw immediately from the Assembly and any member so ordered to withdraw shall do so forthwith and shall absent himself during the remainder of the day's meeting. If any member is ordered to withdraw a second time in the session, the Speaker may direct the member to absent himself from the meetings of the Assembly

for any period not longer than the remainder of the Session and the member so directed shall absent himself accordingly. Such member shall be deemed to be absent from the meetings of the Assembly for purposes of section 3(2) (a) of the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Act, 1975, but shall not be deemed to be absent for the purposes of Article 190(4) of the Constitution."

अध्यक्ष महोदय, हा को डिगनिटी मेनटेन कर रा आपका अधिकार है न कि सरकार का। आपने उस मैम्बर को नेम नही किया। आपको बाई पास करके सरकार की तरफ से जो एक प्रस्ताव आया कि उस मैम्बर को फार दि रैस्ट आफ दि सैशन सदन से निकाल दिया जाए, मैं यह समझता हूं कि ऐसा करके चेयर की डिगनिटी सरकार खुद खराब कर रही है। अगर आप उसको नेम करो और वह हाउस से बाहर नहीं जाता तो फिर टसका कसूर था। आपने उसको नेम ही नशे किया। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि आप सरकार से कहें कि सरकार उससों सस्पैशन का फैसला वापिस ने। अगर आप कोई ऐसी बात समझते हैं कि उस मैम्बर का बिहेवियर खराब है तो आप उसको अपने चौम्बर में बुला कर समझा सकते हैं। पार्लियामेट में रोजाना ऐसा होता है कि स्पीकर को टेबल तक बहुत मे लोग आ कर नारे लगाते हैं। स्पीकर साहब एडजर्न करके अपने चौम्बर में चले जते हैं। फिर स्पीकर लीडर ग्राफ दि अपोजीशन, रूलिंग पार्टी और दूसरी पार्टीज के मैम्बर्ज को बुला कर बात करते है। We should try to maintain the dignity of the House. We should obey you

ruling and respect the Chair. मगर मैं यह समक्षता हूं कि जिस ढंग की बात की. गई, वह प्रोपर नही थी। इसलिए सरकार उस प्रस्ताव को वापिस ले और स्पीकर साहब, आप उस मैम्बर को अपने चौम्बर में बुला कर समझा दें।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने एक बुक का हवाला दे कर प्रो० छतरपाल सिंह के बारे में कहा है कि उनके लिए यह आखिरी सजा है। इस तरह की सजा नही देनी चाहिए,। उनको रैस्ट औफ दि सैशन के लिए हाउस से नही निकालना चाहिए, यह आखिरी सजा है। एक उत्तेजना हुई और उस पर उनको यह सजा दी गई। यह सजा उनके लिए बहुत. ज्यादा है। एक बात मैंने कल भी कही थी कि यह कम्युनिक्ए शन गैप है। सरकार कई बार फालस प्रैस्टीज इशू बना लेती है। सैशन में कोई तकरार होती है, उत्तेजना आती है या सरकार के विरूद्ध कोई असुविधा– जनक बात आती है, तो सरकार एकदम उतावली होती है और एकदम सीधे आपको हुकम देने की कोशिश करती है। यह बात ठीक है कि आप हमेशा इनके हुक्म को नहीं मानते लेकिन इनकी कोशिश यही रहती है। यह आपको हुक्म देने की कोशिश करते हं कि इनको नेम कर दो, इनको सस्पैडं कर दो, इनको हान्स से बाहर निकाल दो, इनका सवाल खत्म हो जाए, पला हो जाए आदि–आदि। ये लोग हैल्दी डिस्कशन को वही रोकना चाहते हैं, उसका गला दबाना चाहते हैं और जब गला दबा या जाएगा तो स्वाभाविक है कि हम उत्तेजित होगे। पालिंयामैंट

एक हफ्ते में कई बौर लगातार एडजर्न होती रही है। स्पीकर साहब, मैने तो इस हाउस मे अब तक, कोई एडजर्नमैंट सुनी नहीं। गवर्नमेंट बर्दाश्त नहीं कर सकती। एडजर्नमेंट का मतलब यह नही है कि अपोजीशन ने कोई प्वायंट सिक्योर कर लिया और सरकर त्समें कई लूज कर गई लेकिन ये ऐसा समझते हैं कि हमारी प्रैस्टीज वरन हो गई, अदरवाईज ऐसी कोई बात नही है। हाउस को स्थगित किया जा सकता था। 15– 20 मिनट के गि आप अपने चौम्बर में विभिन्न पार्टियो को बुलाकर, जो डिस्प्यूट हो गया था उस पर बात कर सकते थे। यहां पर जो बातें हो रहीं है, वह किसी की जद्दी जायेदाद का झगड़ा नहर है। पार्लियामैंटरी डैमोक्रेसी की सरवाईवल के लिए हैल्दी ट्रैडीशन व जनी चाहिए। कल जो हुआ, वह गवर्नमेंट को नहीं करना चाहिए था। ऐसे इशू पर फौल सस्पैशन की बजाय आपस में बैठकर बात की जा सकती थी। (विघ्न) यह सरकार चाहे उसको फांसी चढ़ा दे लेकिन आप में बहुत उदारता होनी चाहिए। कई बार हयूमैन वीकनेस आ जाती है, इसलिए उससे ऊपर उठकर हाउस में आप गवर्नमेट को डायरैक्ट करें। छोटी–मोटी बातों को भूलने के लिए आप गवर्नमैट को कहें क्योकि अभी तो असैम्बली ली शुरू ही हुई है और अभी तो गवर्नर एड्रैस पर चर्चा भी पूरी नही हुई है, इतनी बड़ी सजा अभी से देना अवांछनीय है। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि उसको वापस बुला लिया जाये।

प्रो० राम विलास शर्मा: स्पीकर साहब, 'मैं कोई रैपिटीशन नहीं करूंगा। कल भी मैंने अनुरोध किया था। अनुरोध आपसे बार–बार इसलिए करते हैं कि आपके अन्दर हमारी श्रद्धा है और सम्मान है। जब हम सदर में आ जाते हैं तो बाहर की राजनीति की कटुता कम हो नाती एं, ऐसा आपके व्यवहार से हो रहा है। इसलिए आपसे कहना है और आपसे हम्बल सबमिशन है। आप उसको वापस बुला लें और गवर्नमेंट को भी इम इशू को अपना प्रेस्टीज का इशू नहीं बनाना चाहिए। कल नेहरा साहब ने एक बात कही और उसे आपने मान लिया। उसे एक दिन की सजा मिल गई है You are all powerful in this august House, लेकिन स्पीकर साहब, आप कि किसी मुद्दे को कमी भी रि–कंसीडर कर सकते हैं। मैं तो एक बात वार–बार कह सकता हूं और आश्वासन दिला सकता हूं कि किसी भी सदस्य की ऐसो मंशा नहों रहती, जो कल घटना हुई। कल इन प्रिंसिपल चौधरी भजन लाल ने छतरपाल को कहा कि मैं उनका धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने एक बात क्लैरिफाई करने के लिए कह दी और मुख्य मन्त्री ने स्यिति स्पष्ट कर दी। इसलिए उनको बुलाकर, उनके सामने बात की जा सकती थी क्योंकि उनकी इस तरह की इन्टेंशन नहीं थी। जैसा मुझे पता चला है, चेयर के प्रति ऐसी बात ही, उन तो इन्टेशन नहीं थो। हैल्दी ट्रेडीशन से पार्लियामैंटरी डैमोक्रेसी में काम चलता है। इसलिए आपसे अनुरोध है कि उनको अपने बात कहने का भी मौका मिलना चाहिए और आप अपने फैसले को री–कंसीडर करें और उनकी सस्पैंशन को वापस लें।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा): अध्यक्ष महोदय, मैं इट बारे में कुछ कहना चाहता हूं। (विध्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी कहना है..... (विघ्न)।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप बैठिये। (विध्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, इससे पहले आपने मुझे बोलने की अनुमति प्रदान की है, मैं इसलिये खड़ा हुआ हूं। कृप्या मुझे बोलने का मौका दीजिए ताकि मैं अपनी बात कह सकू। (विघ्न)

चौधरी जगदीश नेहराः स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने की परमिशन दी है इसलिये मैं खड़ा हआ हूं। आप इनको बिठाइये। (विघ्न) स्पीकर साहब, कल जो बात विधान सभा में हुई, वह अशोभनीय है। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने की इजाजत दी थी इसीलिए मैं खड़ा हुआ हूं। कृप्या मुझे थोड़ा सा टाईम दे दीजिए, मैं अपनी बात कहनाचाहता हूं।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप आनी पार्टी के प्रधान हैं, इसिलए आपको मौका दे देते हैं। आप अपनी बात कह लीजिए।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, आपका धन्यवाद। स्पीकर सर, कल हाउस में किसी प्रश्न को ले कर एक माहौल पैदा हुआ।

उसमें हाउस के नेता को कोई पीड़ा हुई, जिसकी वजह से मैजोरिटी के आधार पर प्रस्ताव आया। उसमें दोनो की सोच का ,अन्तर है। हमारे सम्मानित सा थी किसी बात को यहां परे स्पष्ट करना चा हते थे। आपकी नाराजगी की वजह से या किसी और वजह से, वे अपनी बात को यहां पर बता नहीं पाये। हा उस के नेता को उस बात सें पीडा हुई। बगैर अपना पत्र रखते हुए, इन्होंने उनका धन्यवाद किया। अध्यक्ष महोदय, यह बात रिकार्ड में है नि हा उस के नेता ने इस बात को उठाने के लिये छत्तरपाल जी को धन्यवाद किया कि उन्होने उस बात को उठाया और इन्होने अपनी बात कही। उन्होने केवल अपनी बात को उठाया था। स्पीकर सर, उनका अनुभव थोड़ा है। हा उस के नेता ने जिस ढंग से बात को उठाया, वह गलत थी। मैंने इग्लैड के सविधान को पढ़ा है और देखा है कि वहां पर स्पीकर को खुली पावर्ज हैं। इंग्लैड में ऐसी धारणा है कि वन्स ए स्पीकर इज आलवेज स्पीकर। (विध्न)

श्री अध्यक्षः इंग्लैड का कोई संविधान नहीं है।

चौधरी जगदीश नेहराः इंग्लैंड का कोई संविधान नही है। इनको इतना भी मालूम नही है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, ऐसी बात नही है। इंग्लैंड का संविधान है लेकिन वह संविधान अलिखित है। उनन जो संविधान है, उसमें मर्यादाओं को आधार मानकर चला जाता

है। हिन्दुस्तान के विद्यार्थी और दुनिया के वे विद्यार्थी जो पोलिटिकल साईंस पढ़ते हैं, इस बात के बावजूद कि व अलिखित संविधान है उसको पढते हैं। एक बार वहां पर जो स्पीकर बन जाता है, हमेशा के लिए वह स्पीकर रहता है। सरकार चाहे किसी पार्टी की हो, उनकी बात सबको माननी पड़ती है। यह लोकतन्त्र की प्रथा है और इससे लोकतन्त्र को ताकत मिलती है। स्पीकर सर जैसे हाउस के नेता ने चाहा था, उसको हाउस से बाहर कर दिया गया। मैजोरिटी के वल पर इन्होंने फैसला करवा दिया, यहां पर यह प्रथा अच्छी नहीं है। हाउस के नेता को उन्होंने एक मौका दिया और ये जल्दी से यह प्रस्ताव ले आए। (विध्न) नेहरा साहब, पार्लियामैटरी अफेयर्ज मिनिस्टर बने हुए हैं या बनाए गए हैं, यह हमें मालुम है। आप कितने पढ़े–लिखे हैं, यह भी पता है और आपकी योग्यता का भी पता है। स्पीकर साहब, हाउस के नेता का दिल तो बड़ा होना चाहिये। हाउस के नेता को अगर कोई पीड़ा पहुंचती है, तो उनमें पीड़ा को सहन करने की भी हिम्मत होनी चाहिए। एक सिस्टम बना हुआ है। उस साथी को हा उस से सस्पैड किया गया है वह इनकी पार्टी से ही चुन कर आया था। इनके बारे में उन्होने कोई बात कह दी जो इन्हें अच्छी नहीं लगी। उनको पार्टी से निकाल दिया। वे अपने हल्के का प्रीतीनिधित्व करते हैं और इस समय बजट सैशन चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि आप दोबारा से विचार करते हुए उस सा थी को वो कि अपने हलके का प्रतिनिधि है और बजट सैशन से निप्कासित किया गया है, उनको वापिस बुलाया जाए।

अध्यक्ष' महोदय, इससे लोकतन्त्र का गला घुटता है। इसलिये मेरी हाउस के नेता से और आपसे गुजारिश है कि संसदीय दल के नेता को आदेश दें कि उस प्रतिनिधि को वापिस बुलाया जाए। अध्यक्ष महोदय, ये ऐसी परम्परा को स्थापित न करे कि कोई भी आदमी यह महसूस करे कि उसकी जबान को और गले को दबाया जा रहा है। यह लोकतन्त्र है। हर आदमी यहां पर अपनी बात कह सके। जै सा यह सरकार कर रही है, ऐसा करने से यह सरकार नंगी होती जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक वार फिर आपसे प्रार्थना करता हूं कि उस मैम्बर को सदन में आने की इजाजत दी जातु।

चौधरी जगदीश नेहराः अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी कल असेम्बली में हुआ वह बहुत ही अशोभनीय है। ऐसा हाउस में नही होना चाहिये। (विध्न) आपने उनको बार–बार कहा लेकिन वे नहीं माने। प्रो० छतरपाल जी पढ़े–लिखे व्यक्ति है। प्रोफैसर हैं। उनके द्वारा ऐसे हालात पैदा नहीं किए जाने चाहियें थे। आपने उन्हे बार– बार बैठने को कहा लेकिन वे बिल्कुल नहो बैठे और आपत्तिजनक ढग से खड़े होकर बोलते रहे। उन्होंने कल ही नहीं बल्कि परसों भी आपके प्रति गलत रिमार्कस प्रयोग किए। हमने भी बार–बार कहा कि यह गलत है और यह नही होना चाहिये। अगर उनकी कोई बात है तो हम सुनते हैं। सम्पत सिंह जी ने भी कहा और मुख्यमंत्री जी ने जवाब दिया। अध्यक्ष महोदय, अगर ये कुछ कहना चाहते है तो तरीके से खड़े होकर कहें। ऐसा नही कि यहां

पर ऐसे हालात पैदा कर दिए जाए जिससे आदमी को लगे कि पता नहीं यहां पर क्या हो रहा है? चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि उनको नेम नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, कितनी बार एक मैम्बर को कहा जाए। आपने उन्हे कई बार बैठने को कहा लेकिन वे बैठे रही।(विध्न) अध्यक्ष महोदय, ये अपोजिशन के लीडर है। सम्पत सिंह जी, आपको पता होना चाहिये। हम भी आपके बीच मै नही वोले हैं और आप अभी भी बार–बार बोल रहे है।

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, चेयर को ऐड्रैस करे। आपस मे सीधे बातचीत न करे। (शोर एथ व्यवधान)

चौधरी जगदीश नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि प्रो० छतर पाल सिंह जी का जो बिहेवियर था, कंडक्ट था वह बहुत ही अंशोमनीय था। उनको आपने बार–बार बैठने के लिये कहा। अगर असैम्बली में ऐसे हालात पैदा होगे, तो क्या असैम्बली चल सकती है? मैं आपसे अनुरोध करता हू कि आपने जो भी कार्यवाही की है, वह बिलकुल ठीक है।

वाक–आउट

Mr. Speaker : It is mentioned in rule 121 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, which is regarding Suspension of Rules—

"Any member may, with the consent of the Speaker, move that any rule may be suspended in its application to a

particular motion before the Assembly and if the motion is carried the rule in question shall be suspended for the time being".

The House is a master of itself. The motion has *been* adopted by the House . (Interruptions.)

Prof. Sampat Singh : Sir, that is adopted by the Congress party, which is in majority in the House.

Mr. Speaker : That may be . The motion has been adopted by the House.

प्रो० सम्पत सिंह स्पीकर सर, अगर ऐसी बात है तो हम ऐज तू प्रोटैस्ट वाक आउट (इस समय सदन में उपस्थित विपक्ष (जनता पार्टी, हरियाणा विकास पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी) के सभी सदस्य तथा असम्बद्ध सदस्य सदन मे वाक–आउट कर गए)

शिक्षा प्रणाली में सुधार सम्बन्धी गैर–सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now discussion on Nonofficial resolution regarding improvement in the system of education which was moved by Shri Mani Ram Keharwala, M.L.A. on 4th March, 1993 will take place. Last time, Shri Ram Kumar Katwal was on his legs. He may speak

(The Hon'ble member was not present in the House)

Mr. Speaker : Now, Shri Amir Chand Makkar may speak.

श्री अमीर चन्द मक्कड (हांसी): स्पीकर साहब, जो शिक्षा के बारे में श्री मनी राम जी ने प्रस्ताव रखा है, मैं उसके समर्थन में आपकी इजाजत से बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं। शिक्षा को रोजगार–पूरक बनाने के लिये सरकार को कार्यवाही करनी चाहिये। हम सरकार से यह अनुरोध करते हैं कि वह आज के नौजवानों की जौब– ओरियैंटिड शिक्षा की तरफ तवज्जह दिला कर रोजगार दिलाए। आज नौजवान डिग्रियां लेकर सड्कों पर बेकार फिरते हैं। जब तक इस किस्म की शिक्षा अपने स्कूलों में हम अपने नौजवानों को नहीं दिलवाएंगे, तब तक हमारे बच्चे अपना रोजगार अपने आप नही चला सकेगे। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि आज उद्योग का युग है। इसलिये हमें चाहिये कि हम अपने बच्चों को शुरु से ही रोजगार पूरक शिक्षा दिलाएं जिससे हमारे बच्चे बड़े होकर अपना रोजगार चला सकें और अपना तथा अपने कुनबे का पेट पाल सकें। हम आज जापान तथा दूसरे मुल्कों को देखते हैं। वहां पर हर बच्चे को ऐसी शिक्षा दिलायी जाती है ताकि वह बेरोजगार न रहे। आज जापान दुनिया में सबसे ज्यादा मजबूत मुल्क क्यों है?

11.00 बजे

वह इसलिये कि सन 1942 में उसको बमो से नष्ट कर दिया गया था, लेकिन उसके बाद वहां के हर बच्चे ने, हर नौजवान ने अपने रोजगार की तरफ तवज्जह दी और देश के लिये इतनी उपज पैदा की, इतनी चीजें बनायी कि उन्हें बाहर से कुछ

भी नहीं मगाना पड़ता। वहां जितनी भी चीजें बनती है, उन को वह विदेशो में बेचकर अपने मुल्क को मजबूत करते हैं। इसलिये हमें भी चाहिये कि हरियाणा इस मामले में सारे देश में पहल करके सारे देश को रास्ता दिखाए। हम सरकार से यह भी अनुरोध करते है किं आज जैसे यहां स्कूलों मे से बी०ए० या एम०ए० पास करके 'नौजवानों को कोई भी रोजगार नही मिलता। वे सिर्फ नौकरी के पीछे भागते फिरते हैं, इसलिये हमें अपने बच्चों को जौब ओरियैटिड शिक्षा दिलानी चाहिये। लेकिन आज हरियाणा इस तरफ ध्यान नही दे रहा है। काफी स्कूलो में यह शिक्षा का प्रावधान कर रही है। अब स्कूलों मे इस तरह की शिक्षा का प्रावधान किया जाए जिससे प्राइमरी से ही बच्चो का पढ़ाई की तरफरुझान बने। इससे बच्चों को बड़ा होकर किसी का मोहताज नहीं होनी पड़ता। न वह नौकरी की तरफ भागता है। जैसा कि आप सभी जानते है कि हरियाणा सरकार ने बच्चों को अपना रोजगार चलाने केलिये एक–एक लाख रुपया लोन के रूप में मामू ली से ब्याज की दर पर देने का प्रावधान कर रखा है लेकिन इस बारे में बच्चों को जागरुक करना भी जरुरी है। बच्चे जब तक पूरे निपुण नही होते, तब तक वे लोन लेने से घबराते हैं क्योंकि बच्चो में जब तक इस बात का हौसला नही होगा कि वे अपनी इंडस्ट्री चला सकते हैं, वे लोन नही लेते है और अगर ले लेने हैं तो काम नहीं चला सकते। उनको दूसरे लोगों पर निर्भर रहना पड़ना है। शिक्षा ही एक ऐसा तरीका है जिससे हरियाणा अपने बच्चों को कामयाबी दिला सकता है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस तरफ

पूरा ध्यान दे। वैसे तो आदरणीय चीफ मिनिस्टर साहब शिक्षा की तरफ काफी ध्यान दे रहे हैं। बच्चियो की पूरी शिक्षा फ्री कर दी है। पूरे भारत में हरियाणा प्रदेश ही ऐसा प्रदेश है जिसने शिक्षा की तरफ इतना ध्यान दिया हे। लड़कियां जब पढ़ लिख जाती हैं तो उसका दोनों घरों को फायदा हो ता है वह अपने बहन भाइयों को पढ़ा सकती है और ससुराल जाकर अपने बच्चों और अपने परिवार के अन्य सदस्यों को पढ़ा सकती हैं। हमारे यहाँ के लड़के व लड़कियां शिक्षा प्राप्त करके माल सप्लाई करने का काम कर सकते हैं हमारे देश में अब कच्चे माल की कमी नही है। जापान के लोग कोई चीज जाया नही जाने देते। यहों तक कि गन्ने के छिलके से कोई चीज बनाकर देश में बेचकर अपना रोजगार चलाते है और देश को मजबूत करते हैं। हमारे देश में कई चीजें बेस्ट जाती है। जिनकी कोई न कोई चीज बनाकर यहां के नौजवान अपना रोजगार चला सकते है इसलिये शिक्षा का होना बहुत जरुरी है। इसके साथ ही साथ नकल रोकने के लिये किए गए प्रयासों के लिये भी मैं हरियाणा सरकार को बधाई देता हूं। हालांकि रिजैल्टस तो बहुत कम आए हैं लेकिन नकल जैसी बुरी आदत को रोकने में काफी हद तक सफलता मिली है। उपाध्यक्ष महोदय, नकल करने वाले बच्चों के पास चाहे कितनी बड़ी डिग्री क्यों न हो, चाहे कितने बड़े ग्रैजुएट क्या न बन जाएं लेकिन उनमें असली लियाकत नही आती। आज जो मेरे भाई एल० एल० बी० की डिग्रिया लिए बैठे हैं, अपने आपको ग्रैजुएट कहते हैं, वे सदन में ऐसा सीन पेश करते हैं, उठकर चले गए हैं, हमें इस बात पर शर्म

भी आती है कि हम किसी को प्रोफैसर कहते हैं किसी को वकील कहते हैं। सदन की मर्यादा और डैकोरम बनाए रखना, इनका फर्ज है। इस चीज को ये नहीं समझते हें। तीन दिन से इस बात पर ये लोग चिल्ला रहे थे और बार–बार कह रहे थे कि सदन को गुमराह किया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, दे स्वयं एक छोटी सी बात को लेकर के सदन का समय बरबाद कर रहे थे उल्टा दोष सरकार पर लगा रहे थे। एक नारनौंद के किस्से को लेकर इतना बावेला मचा दिया। इन लोगों ने कहा वह लड़का पुलिस की गोली से मरा। वह लड़का किसी ऐजीटेशन में शामिल नहीं था। वह लड़का तो अपने घर की छत पर खड़ा था। पढ्ने वाला वह लड़का था। हो सकता है कि किसी एक आध डला, पत्थर लगने से वह डर के मारे घर की छत से गिर गया हो और सिर पर चोट लगने से मर गया हो। लेकिन यू ही इसके लिये सरकार को दोषी सरकार देना, कहां का इन्साफ है? मैं इन लोगों को अक्ल की बात बताना चाहता हूं कि शायद इनको गोली व छर्रे में कोई अन्तर दिखाई नहीं देता। इनको पता होना चाहिये कि पुलिस की गोली छरा नहीं होती, वह तो थी नॉट थी की गोली होती है। अगर किसी भाई को पुलिस की गोली लगती है (शोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर सर, यह मेरी बात सुनने की कृपा करें, ये शोर क्यों कर रहे हैं? मैं शिक्षा पर ही बोल रहा हूं। (शोर) ये इस कांड के बारे में तरह–तरह की बातें करते हैं। कभी कुछ कहते हैं, कभी कुछ कहते हैं। शायद इनकी शिक्षा प्रणाली में ही कुछ अन्तर रहा हो। अगर इन लोगों को सही शिक्षा मिली होती तो ये जरा

समझदारी से यहां पर बात करते और इस छोटे से कांड को यूही तूल न देते। (शोर) गलत बातें कहकर ये खुद हाउस को गुमराह कर रहे हैं। (शोर) यह नारनौंद का इलाका मेरे पड़ोस में है। मुझे इस वाक्या के वारे में पूरा पूरा ज्ञान है। सच्चाई–सच्चाई ही होती है। वे सच्चाई बताऊंगा। किसी अखबार ने भी कोई गलत बात नहीं कहीं। जिस अखबार का ये लोग जिकर कर रहे हैं शायद ये इनका अपना ही अखबार है किसी अखबार में भी किसी को गोली लगने का जिकर नही है। ये सब बातें इन लोगों की अपनी ही बनाई हुई हैं। जैसा कि हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने कहा कि वह लडका छत पर खड़ा था, पढ्ने वाला स्टुडैन्ट था। लोग डले चला रहे थे कहीं एक डला उस को भी लग गया होगा, जिसकी वजह से वह गिर कर मर गया। इसमें पुलिस का क्या दोष है। सरकार का क्या दोष है? मैं इन लोगों की समझ की बात कर रहा हूं कि अगर इन लोगों को सही शिक्षा मिली होती तो आज ये यहां पर इस तरह की बातें करके हाउस को गुमराह न करते। इसलिये शिक्षा का होना अत्यन्त जरुरी है। लोग इसलिये हमें यहां पर चुनकर भेजते हैं कि हम यहां आकर कोई समझदारी की वात करेंगे। पब्लिक के हित की बात करेंगे। इसलिये जनती हमें यहां पर नहीं भेजती कि गलत बातें हम यहां पैर करें और वह अखबारों मे हमारे नाम के साथ जुड़ जाएं। यह गलत है। मेरा कहुने का मतलब यह है कि अगर कोई बच्चा अच्छा निकलेगा तो वह अपनी ही लियाकत से निकलेगा और अच्छी पोंस्टों पर जाएगा। जो नकल मार कर पास होगा, वह जीवन में कभी तरक्की

नहीं कर पाएगा। इसलिये हरियाणा ने पिछले साल इस शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने के लिये जो कदम उठाये थे, वे बड़े ही सराहनीय हैं। इससे बच्चे अपने ऊपर ही निर्भर होंगे। किसी के ऊपर भार नहीं बनेंगे और अच्छी शिक्षा प्राप्त करके अच्छे पदों पर तैनात होंगे। जो बच्चा नकल करेगा, वह हमेशा ही पीछे रहेगा। लेकिन अपोजीशन के भाई इस बात के लिये सरकार को सदा ही क्रिटीसाईज कर रहे हैं और करते रहे है। इन की क्या बात करें? ये लोग नकल करके डिग्रियां लेकर इस हाउस में आए है। आपको मालूम है कि हमारे प्रो० छतर पाल सिंह पिछले दो तीन दिन से क्या कर रहे थे। स्पीकर साहब उनको वहुत समझाते रहे और आप सभी देख रहे थे कि वे कैसा नजारा पेश कर रहे थे। वे ऐसे वोल रहे थे जैसे जंगल में खड़े आग लगा रहे हों। तीन दिन से वे एक आपत्तिजनक नजारा पेश कर रहे थे। वे बहुत ऊंची आवाज में बोल रहे थे। जो व्यक्ति अपने आप को प्रोफैसर कहते हैं, उनके वारे में मुझे पता है कि वे किसी कालेज में गलती से प्रोफैसर नियुक्त हो गए थे, लेकिन बाद में वहा से निकाल दिए गए थे।। उसी वजह से उनका कल यहां पर हाल हुआ। तो उपाध्यक्ष महोदय, जो आदमी नकल मार कर पास होता है, उसकी लियाकत वैसी ही रहती है। स्पीकर साहब, प्रोफैसर साहव को बार बार कहते रहे कि आप बैठ जाए लेकिन वे बैठे नही। कल स्पीकर साहव ने उनको नेम भी किया। उन्होंने बजाए स्पीकर साहब की बात मानने के इधर–उधर घूमते रहे और अखबार को लहराते रहे। ऐसा करके वे चाहते थे कि उनकी फोटो अखबार में आ जाए।

प्रो० छतर सिंह चौहानः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं आपसे गुजारिश करना चाहता हूं कि माननीय सदस्य एजुकेशन पर वोल रहे हैं या प्रो० छतर पाल पर वोल रहे है। जब हम कोई काम की बात करते हैं तो हमें बोलने नहीं दिया जाता। इसलिये आप देखे कि ये कहां बोल रहे हैं? जब हम यह कहते हैं कि कोई अफसर यह कहता है कि मन्द्री अन–एजुकेटिड हैं और उनसे चपरासी भी अच्छे हैं तो उस वात को सुना नहीं जाता। (शोर)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वायंट आफ आर्डर है। इन्होंने इस प्वायंट को हाउस में दो तीन बार रेज कर दिया कि किसी अफसर ने कह दिया कि मन्त्री ठीक नहीं है, बेकार हैं और काम के नहीं हैं। मैं इस मामले की पूरी तह में गया हूं और आगे जा रहा हूं। अगर किसी अफसर के वारे में ऐसी बात हुई तो उसके खिलाफ ऐक्शन लिया जाएगा। वे सिविल सर्वेट हैं, और उनका यह काम नही है कि वे लोगों के नुमायदो के बारे में ऐसे शब्द इस्ते– माल करें। अगर किसी अफसर के खिलाफ यह बात साबित हो गई तो उसके खिलाफ सख्त ऐक्शन लेंगे। जो बात ये कह रहे हैं, उसमें सच्चाई नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, ये जो कहते हैं, उसमें बहुत सच्चाई नही है। यह बात कहां तक ठीक है उसके लिये हम जांच कर रहे हैं। मैंने इसकी जांच का काम श्री तेजेन्द्र मान जी के जिम्मे लगाया है। वे एक दो दिन में कार्यवाही करके अपनी रिपोर्ट दे देगे।

प्रो० छतर सिंह चौहानः आपने कहा था कि मैं इन्क्वायरी करुगा। यह मन्त्री परिषद की बात है और यह हरियाणा प्रदेश की इज्जत का सवाल है। (शोर)

चौधरी भजन लालः अगर किसी का दोष होगा तो हम उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे।

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मक्कड़ साहब एजुकेशन से संवधित ही बोल रहे थे। चाहे इधर प्रो० छतरपाल सिंह है चाहे उधर प्रो० छतर सिंह चौहान है, मक्कड़ साहब एजुकेशन से संबंधित ही उनके बारे मे बोल रहे थे। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि मुख्य मली जी ने बड़ा अच्छा कहा कि उस बारे में इन्कवायरी करगे। यह उनकी बहुत बढ़िया बात है। चाहे कोई मिनिस्टर है और चाहे कोई एम० एल०ए० है किसी ओफिसर को उनके खिलाफ इस तरह के रिमाकस नही कहने चाहिए। इस इन्कवायरी के लिये आपने मान साहिब की डियूटी लगाई है। मै मान साहब की इन्टैगरिटी पर डाउट नही कर रहा लेकिन जिनकी मान साहव इन्कवायरी करेगे, वह भी मिनिस्टर है और मान साहब खुद मिनिस्टर है, उनकी भी अपनी कम्पलशन है तो एक मिनिस्टर के अगेंस्ट दूसरा मिनिस्टर इन्कवायरी करे, यह बात ठीक नही है। आप इस बारे में इक्वायरी करने के लिये हाउस की एक कमेटी बना दें। चाहे वह कमेटी उपाध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में बना दें। उस कमेटी में सभी पार्टीज के एकं–एक विधायक ले लें और कांग्रेस पार्टी के चाहे आप दो मैम्बर ले लें

हमे कोई एतराज नही है। एक बात मैं यह भी कहना चाहूंगा कि बहन चन्द्रावती जी ने भी एक सवाल उठाया था कि इनको एक एस०डी०एम० ने कुछ अपमानजनक शब्द कहे थे। बहन जी ने उस एस०डी ०एम ० को पब्लिक के लिये कोई बात कहनी चाही थी। उस समय उस एस०– डी ०एम० का बहन जी के साथ व्यवहार ठीक नहीं था।

एक आवाजः उस एस०डी०एम० को वहां से बदल दिया गया था।

प्रो० सम्पत सिंहः बदली करना कोई पनिशमैट नही है। उसको वहां से बदलने की बात का मतलब है कि समथिग हैपन्ड। अगर कोई बात हुई है, तभी तो उसको वहां से बदला गया और बदली कोई पनिशमैट नहीं है। अगर कुछ नही हुआ तो आप चाहे उनको परमोट कर दें हमें कोई एतराज नहीं है। लेकिन कुछ न कुछ हुआ जरूर है इसलिये उनको वहां से ट्रांसफर किया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि हाउस की एक कमेटी बना कर दोनों केसिज की इन्कायरी करवा लें ताकि यदि वह आफिसर ठीक हए, तो उसको भी न्याय मिले और अगर उस आफिसर ने कोई ज्यादती की है, कोई अपशब्द कहे हैं, तो उसको सजा मिले। अगर उस आफिसर ने कोई अपशब्द कहे हैं, तो उससे अकेले मिनिस्टर की भावना को ठेस नही पहुंची है, उससे सबकी भावनाओं को ठेस पहुंची एं इसलिये मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि इसके लिए हाउस की एक कमेटी बनाई जाए।

श्री अमीर चन्द मक्कड़: डिप्टी स्पीकर साहब, मैं नकल मारने के बारे में बोल रहा था। चाहे कोई प्रोफैसर हो और चाहे कोई पोलिटिकल आदमी हो, उसका दिमाग वैसा ही रहता है जैसी वह नकल मार कर के पास होकर आता है। मेरे सामने बैठे विरोधी पक्ष के भाई कल नारनौंद के मसने पर हाउस का टाईम बरबाद करते रहे, जबकि सच्चाई कोसों दूर थी।

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, इस रैजोल्यूशन में नारनौंद की बात कहां से आ गई? ये यू ही हाउस का समय बरबाद कर रहे हैं। (शोर)

श्री अमीर चन्द मक्कड़: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे कहने का भाव यह है कि चाहे कोई एडवोकेट हो और चाहे कोई प्रोफैसर हो, उसका दिमाग वैसा ही रहता है जैसी वह नकल मार करके पास हो कर आता है।

साथी लहरी सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। प्रोफैसर छत सिंह और कर्ण सिंह दलाल हमारे मैम्बर को थ्रैट कर रहे हैं। ये न तो आपकी इजाजत ले रहे हैं और न ही चेयर को एड्रैस कर रहे थैं। मैं रुलिग चाहूंगा कि क्या कोई मैम्बर बगैर चेयर की परमिशन के बोल सकता है? (शोर एवं व्यवधान) ये तो ऐसे बातें कर रहे हैं जैसे जंगल में खड़े हों। (शोर एवं व्यवधान) ये प्रोफैसर हैं, इनको बात करने का तरीका होना चाहिये। कर्ण

सिंह जी वकील हैं इसलिये मैं रुलिंग चाहूंगा कि क्या ये बगैर चेयर को ऐड्रैस किए बोल सकते हैं?

श्री उपाध्यक्षः लहरी सिंह जी आप ठीक कह रहे है, जिस भी मैम्बर ने जो कुछ कहना है, वह चेयर को एड्रैस करे। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहूंगा कि क्या. कोई मैम्बर प्राईवेट रैज्योल्यूशन पर 15 मिनट से ज्यादा खल के मातहत बोल सकता है?

Mr. Deputy Speaker ; 15 minutes is the limit.

चौधरी भजन लालः मैं बंसी लाल जी को उनका जमाना याद दिलाते हुए कहना चाहूंगा कि इनके जमाने में जब किसी बात को लम्बा करना होता था तो मैम्बर दो–दो घंटे बोलते रहते थे।

चौधरी बसी लालः प्राईवेट रैज्योल्यूशन पर 15 मिनट से ज्यादा नहीं बोल सकते।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः उपाध्यक्ष महोदय, मैं नकल के बारे मे बता रहा था। सरकार नकल रोक कर बहुत अच्छा काम कर रही है। कल बोलते हुए संपत सिंह जी ने हांसी के बारे में जक किया था। उस बारे में मैं अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहूंगा।

प्रो० सम्पत सिंहः मैंने जो कृउछ कहा उस बारे में सी०एम० साहब जवाब देगे ये अपने रैज्योल्यूशन में नकल रोकने के बारे में बोले। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा के बारे मे मै बोल रहा हूं लेकिन ये मुझे बार–बार टोक क्यों रहे हैं। (विध्न)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमति शांति देवी राठी): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। नकल के बारे में तो इनको कुछ कहना नहीं है। जो और सदस्य बोल रहे हैं, ये उनको भी टोक रहे हैं। मेरे विचार से इस सदन में 3 प्रोफैसरज हैं। एक तो प्रो० सम्पत सिंह, दूसरे है प्रोफैसर छतर सिंह चौहान और तीसरे प्रोफैसर हैः छतरपाल सिंह। वाकी और तो कोई प्रोफैसर है नही। (हंसी)

प्रो० सम्पत सिंहः एक डा ० शान्ति देवी राठी भी है। (विध्न––हंसी)

श्रीमति शान्ति देवी राठीः उपाध्यक्ष महोदय, मक्कड़ साहब यह कह रहे हैं कि लेक्सरर बनने के बाद प्रोफैसरज बनने में कई साल लग जाते है और ऐडी घिस–घिस कर प्रोफैसरज बनते हैं, पता नही इनको किसने परमोशन दे दी? (विघ्न) कोई बात मुझ से छिपी हुई नही है। नकल से सारा काम चला जो भद्दा प्रदर्शन हमने इनकी तरफ से दो दिन देखा है, वैसा तो शायद

पालियों से भी उम्मीद नही की जाती थी। ये लोग न जाने किस चीज के प्रोफैसरज हैं? (विघ्न एवं शोर)

प्रो० छत्तर सिंह चौहानः उपाध्यक्ष मह ओदय, आप एक मिनट के लिये मेरी बात सुनिये (विघ्न) मैं अपनी बात कहना चाहता हूं। .....

श्री उपाध्यक्षः जो छतर सिंह चौहान जी बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा मेरी इनसे प्रार्थना है कि ने सभी सीनियर मैम्बर्ज हैं और सीनियर मैम्बर्ज को इस तरह से नही बोलना चाहिये। हाउस का डैकोरम हमें बनाए रखना चाहिये। जव उनकी बोलने की बारी आएगी तो अपनी बारी पर जरुर बोलें।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः उपाध्यक्ष महोदय, नकल के बारे में मैंने सारी बाते बताई हैं। प्रो० सम्पत सिंह जी में कितनी लियाकत है, उसका भी हमको पता है मैं समझता हूं कि ये प्राईमरी स्कूल चलाते थे। इन्होंने हांसी के बारे में एक बात कही है। (विध्न)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, यह दूसरा विषय है और ये दूसरे विषय परबोल रहे हैं। आप इनसे कहें कि ये जो नकल का मुद्दा है केवल उसी पर बोलें। उपाध्यक्ष महोदय,

जिसप्रकार की परम्पराएं यहां हाउस में स्थापित हो रही है, वह नहीं होनी चाहिए।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : उपाध्यक्ष महोदय, इनको मेरी बात सुननी चाहिए। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः आपको बोलते हुए आधा घटा हो चुका है। अब आप कन्कल्यूड कीजिए।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः मेरा सारा टाईम तो ये लोग ले गए। आप मुझे जब भी हुक्म देगे, मैं बैठ जाऊगा। ये मेरी बात सुन तो ले। उपाध्यक्ष महोदय, हामी में गोली चली। बाकायदा एफ०आई०आर०दर्ज हुई। (विघ्न एवं शोर)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये इस प्रकार की चर्चा करेंगे तो दूसरे साथी भी इस प्रकार की चर्चा करेंगे। इनको जो घाव लगे हुए हैं, शायद वे दर्द कर रहे हैं। शिक्षा का यह विषय हैऔर ये विषय से हटकर बोल रहे है। अगर ये विषये से बाहर जा कर बोलेंगे, तो दूसरे भी बोल सकते है। (विघ्न) (बहुत से सदस्य इकट्ठे ही बोलते रहे)

श्री उपाध्यक्षः आप सब लोग बैठ जाए। (शोर एव व्यवधान) राम कुमार कटवाल साहब, आप भी बैठ जाएं। मैम्बर साहेबान, यह रुल 179 जिम के तहत डिस्कशन हो रही है। इसमें कहा गया है–

"The discussion of a resolution shall be strictly relevant to and within the scope of the resolution."

इससे भटकने को जरुरत नही है। मक्कड साहब, आप कन्कलूड कीजिए। (शोर)

श्री राम कुमार कटवालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है।

Mr. Deputy Speaker : No point of order please. Take your seat.

(इस समय श्री रामकुमार कटवाल ने एक रूमाल में कुछ बन्धी चीज दिखाई)

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः उपाध्यक्ष महोदय, मैं सब्जैक्ट से बाहर नहीं गया था। मैं तो इस काम को रोकने के लिए प्रार्थना कर रहा था। अब अगर कोई मैम्बर इमे सुनना नही चाहता तो कोई बात नही है, मैं कल कह दूंगा।

श्रीमती शांति देवी राठीः उपाध्यक्ष महोदय, मेंरे भाई राम कुमार कटवाल के पास एक पोटली है और वे इसे 10 बार दिखा चुके है। अब तो मुझे भय होने लगा शै कि पता नहीं इसमे क्या है। इसमे कोई संगीन चीज तो नही है? उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि आप यह पता लगवाए कि यह चीज हाउस में आई कैंसे? आप इस बारे में इक्वायरी करवाए।

श्री उपाध्यक्षः राम कुमार कटवाल जी आपके पाम जो कुछ भी है, वह आप वाच एण्ड वार्ड स्टाफ को सौंप दे'।

(इस समय रूमाल की बनी हुई पोटली वाच–एण्ड–वार्ड स्टाफ के एक कर्मचारी को सौंपी गई। उस पोटली को डिप्टी स्पीकर साहब को सौंपा गया और उनके द्वारा उसका निरीक्षण किया गया। उसमें कुछ कागज, पर्स और पैन इत्यादि पाए गए।)

मक्कड़ साहब आप कंटीन्यू करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीर पाल सिहः उपाध्यक्ष महोदय, आप पहले फैसला करें कि यह क्या है। फिर आगे कार्यवाही होगी। उपाध्यक्ष महोदय, डसमें जी कागज हैं, उन पर इस सरकार का लेखा–जोखा है।

श्रीमती शांति देवी राठीः उपाध्यक्ष महोदय, हाऊस के अन्दर कोई भी व्यक्ति इस तन्य की पोटली नही ला सकता है। अब मुद्दा यह है कि यह पोटली कैसे आई और इस बारे में इंक्वायरी की जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आप सब बैठ जाए। मैम्बर साहेबान जब भी सदन की कार्यवाही चल रही हो तो हाऊस के अन्दर किसी को भी इस तरह का कोई भी औब्जैक्ट अन्दर लाने की इजाजत नहीं है। यह बहुत ही गलत बात है।

श्री सतबीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट आफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, मैम्बर अपना चश्मा, पैन,

रूमाल और ऐसे कागज ला सकता है, जिसमें सरकार का लेखा–जोखा हो और ये कागज तो इनके लिए कारतूस हैं।

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर सर, यह मामला तो खत्म हो गया लेकिन कई बार क्या होता है कि कागज ज्यादा होते हैं इसलिए कोई तो उनको अटैची में या फाईल कवर में ले आते हैं लेकिन इनके पास अटैची या फाईल कवर नहीं था इसलिए ये अपने कागज रूमाल में बांधकर ले आए हैं। सर, गांव में तो रूमाल की बड़ी परम्परा है इसलिए इस रूमाल को लाने मे क्या दिक्कत है? (विघ्न) यह तो बड़ा जरूरी है। इसलिए आप इनका यह रूमाल तो वापस दिलवा दीजिए।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है यह रूमाल बाद में वापस दिलवा देंगे, अभी आप बैठें। मक्कड़ साहब, आप कन्कलूड करें।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यही प्रार्थना कर रहा हूं कि यह जो प्रस्ताव आया है, इसको हरियाणा सरकार को जल्दी ही स्कूलों में लागू करना चाहिए ताकि हमारे बच्चे अपना रोजगार चलीने के लिए साक्षर हो सकें। वैसे ऐजुकेशन की तरफ हरियाणा सरकार का ध्यान तो है. लेकिन इस प्रस्ताव की तरफ भी ध्यान देकर इसको लागू करना चाहिए। सर, मैं समझता हूं कि नकल करने से इंसान इंसान नहीं रहता। नकल करने से न तो उसकी कोई योग्यता मनती है और न ही वह ऐसा करके अपनी खेती कर सकता है न ही अपना कोई और रोजगार

चला सकता है। हरियाणा सरकार ने नकल रोकने का जो अभियान चलाया है, उसके लिए मैं उसको बधाई देता हूं और यह प्रार्थना करता हूं कि वह और ज्यादा सृदृढ तरीके से नकल को रोके ताकि हमारे बच्चे अपने आप पास होकर कहीं भी जाकर अपनी कायलियत से अपना नाम रोशन कर सकें। यही मेरी प्रार्थना प्रो० राम बिलास शर्माः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। आज नोन–औफिशियल–डे है। इसलिए ऐसा लगता है कि सदन इस पर गंभीर नहीं है। आप रिकार्ड उठाकर देख लें कि रस रैजोल्यूशन पर कितने घंटे चर्चा हो चुकी है। यदि सरकार इस रैजोल्यूशन के बारे में गम्भीर है, तो मैं समझता हूं कि इस पर 70 या 80 फीसदी मैम्बर्ज अपनी राय दे चुके हैं, इसलिए दसको पास करके दूसरे किसी रैजोल्यूशन पर चर्चा शुरु होनी चाहिए। अभी जैसे आपने ओम प्रकाश जी से भी कहा कि आप बोले लेकिन उनकी बोलने की इच्छा नहीं है क्योंकि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। इस हाउस के असैम्बल होने पर एक–एक मिनट का बहुत खर्चा होता है। इसके एक–एक मिनट की बहुत कीमत होती है, इसलिए यहां दर सार्थक बहस होनी चाहिए। आपके पास इस रैजोल्यूशन के अलावा भी लिस्ट में और भी रैवोल्यूशुन हैं। आप उन में से किसी एक पर सार्थक चर्चा कराएं। थी मनी राम जी के प्रस्ताव पर काफी चर्चा हो चुकी है, इसलिए मेरी गुजारिश है कि इसको कन्कल्यूड कराकर इसकी चर्चा को सार्थक बनाया जाए।

श्री उपाध्यक्षः धन्यवाद आपका। अब ओम प्रकाश शर्मा जी बोलेंगें।

डा० ओम प्रकाश शर्मा (जगाधरी): उपाध्यक्ष महोदय, आज सदन मे वो नान–औफिशियल रैजोल्यूशन श्री मनीराम केहरवाला जी द्वारा प्रस्तुत किया गया था, उस पर चर्चा चल रही है। मैं भी उनके इस प्रस्ताव के समर्थन में बोलना चाहूंगा। आज देश के अन्दर एक हरियाणा प्रान्त की ही बात नहीं, सारे भारतवर्ष की बात है, बढती हुई आबादी और उसके नतीजे में बढ़ती हुई बेरोजगारी और बढ़ती हुई ना– बराबरी, बढ़ती हुई गरीबी पनप रही है। हमारी सरकार द्वारा, भारत सरकार द्वारा इन समस्याओं को लेकर, चाहे वह बढ़ती हुई आबादी की समस्या है, चाहे वह बेरोजगारी की समस्या हूं, चाहे बढती हुई गरीबी की समस्या है, इनके उन्मूलन के लिए बहुत सी स्कीमें चल रही हैं। उसके नतीजे में कुछ असर भी आया है। लोगों को कुछ काम भी मिला है। मगर फिर भी आबादी का लगातार बढना देश के लिए घातक सिव हो रहा है। बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। भाई केहरवाला साहब ने प्रस्ताव रखा है कि लोगों के हाथों को काम दिया जाए, उनको काम सिखलाया जाए, उसको एजूकेशन के अन्दर शामिल किया जाए ताकि हमारे बच्चे अपने हाथो को सुलझे हुए ढंग से काम की पूरी जानकारी लेकर आये बढे और अपनीं गरीबी व बेरोजगारी खत्म कर सके। एक बहुत अच्छा प्रस्ताव उन्हेंने रखा है। जहां तक शिक्षा के स्तर का ताल्लुक है, सभी जानते हैं कि शिक्षा का स्तर

गिर रहा हैं उस के नतीजे में नकल आ रही है। जहा तक जौब्ज का ताल्लुक है, जौब्ज की सूचीं कौन सी हो, किन–किन जौब्ज को शिक्षा के साथ जोड़ा जाए मैं मुख्य मन्त्री जी से निवेदन करूंगा कि इसके लिये वे एक समिति का गठन करें जिसके अन्दर शिक्षा, टैक्नीकल ऐजुकेशन और इंडस्ट्रियल एजुकेशन के माहिर लोग हों। यह कमेटी आगे आए और उन जौब्ज को आ इडैन्टीफडि करे जिन जौब्ज को हम शिक्षा के साथ जोड़ जिससे हमारा बेरोजगारी का बढ़ता हुआ स्तर नीचे आए और लोगों को काम मिले ओं हमारे यहां हजारो बच्चे आई० टी०आई० पास किए हुए हैं। उनके नाम रोजगार कार्यालियों मे दस–दस साल से लिखे हुए है लेकिन उनका नम्बर नही आ रहा है जिन्होने इजींनियरिग पास की है, टैक्नीकल एजुकेशन ली है और खाली है। अगर हम उनको जौब्ज की शिक्षा दे दें औंर शिक्षा लेने के बाद उनको काम न मिले तो इस बारे में हमें सोचना होगा। खाली शिक्षा लेने या देने वे कुछ नही होगा। काम भी लोगो को प्रौवाईड करवाना सरकार का फर्ज बनतीं है। डिप्टी स्पीकर साहब आज देश के अन्दर इंडस्ट्रिलाईजेशन युग है एक मशीन हजारों आदमियों का काम करती है और उसका नतीजा क्या होता है कि उससे हजारो आदमी बेकार हो जाते है। डिप्टी स्पीकर साहब हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रेदेश है और उसी कें आधार पर आज हमारे लोग जीवित हैं। इसके बिना जीवित नहीं रह सकते। इसलिए इसके साथ–साथ हर तरह की शिक्षा का भी होना अति आवश्यक है,। हमारे ये जो अपोजीशन के भाई उधर बैठे है। ये इन सारी बातो का ठेका लेते

हैं और किसानों के ज्यादा हितैषी बनते है। कभी इन्होंने किसानों के हित, की बात को सोचा तक नही। जहा तक ऐग्रीकल्चर का सबंध है, कृषि का संबंध हे, यह सारी बात शिक्षा से जुड़ी हुई है। इसके लिये पंचायत को एक प्रकार का यूनिट मानकर शिक्षा के लिये स्कूल गांवों मे खोलने चाहिये ताकि लोगों को हर प्रकार से शिक्षित किया जा सके। गाधी जो के मार्ग पर चलकर हमें उन्हों की फिलासिफी को लेकर आगे चलना चाहिये और लोगो को उन्ही के पद चिन्हों पर चलने की शिक्षा देनी चाहिये। आज कल इडस्ट्री का युग है। गांवों के अन्दर लोहारू. हैं, बढ़ई हैं, सुनारु है, जुलाहे है। इन सभी को अपनी–अपनी रुचि अनुसार शिक्षा दी जानी चाहिये ताकि वे अपना रोंजगार चलाकर अपना गुजारा कर सकें और इस सब काम की जिम्मेवारी पंचायतों को सौंपी जानी चाहिये। यह सारे काम तभी हो सकते हैं, लोग शिक्षा तभी ग्रहण कर पाएंगे, जब हम गांधी जी के बताए हुए रास्तों पर चलेगे। अब मै मुख्य मन्त्री महोदय जी से यह रिक्वेस्ट करूंगा कि वे ऐसे गांव के लोगों के लिये जौब्ज को आडैटीफाई करें और उनकी सूची को शिक्षा के साथ जोडे। उनके जो ट्रेंड इंस्ट्रक्टर है उनको बतौर टीचर के एजुकेशन, के स्टाफ के अन्दर शामिल किया जाए। कार्य पंचायतों के लैवल पर हो। क्योंकि हमारी आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों के अन्दर आबाद है। जब तक हम पंचायतों के अन्दर यह चीजें नही लाएंगे, तब तक इसमें सुधार नहीं होगा। शहरों में तो बड़ी–बड़ी इंडस्ट्रीज हैं। उपके बारे में भी आइडैंटीफाई करना पड़ेगा कि किन लोगों को कौन सी जौब मिले। यह देखना पडेगा

कि कौन से लोग किस पेशे से ताल्लुक रखते हैं। पहले हमारे यहां जातियां पेशी के आधार पर थी। कोई सुनार था कोई लोहार था और मुनियार था। इन्हे आजं कल बैकवर्ड कहा जाता है। ये सारे लोग अपने अपने काम में माहिर रहे। तो इनके हुनर को भी आइडैंटीफाई किया जाना चाहिए। मैं मुख्य मन्त्री जी मे निवेदन करूंगा कि वे ऐसे लोगों की सूची तैयार करवाएं ताकि उनको भी एजुकेशन के साथ जोडा? जाए और उनको रोजगार मिल सके। दूसरी बात नकेल कीं है। हमरि बच्चे नकल क्यों मारते हैं। इसका कारण क्या है? क्यों नकल मारी जाती है? इसका कारण यह हो सकता है। (शोर) हमारे बच्चे शिक्षा में नकल नहीं मारते बल्कि ये लट्ठ दल वाले जाकर उनको नकल मरवाते है। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मेन प्वायट आफ आर्डर है यहां पर गैर–सरकारी प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है (शोर)

श्री उपाध्यक्षः यह बहुत अहम विषय है, हमें थोडा सीरियस होना चाहिए। (शोर)

सिचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नहरा): डिप्टी स्पीकर साहब आज नान–आफिंशियल –डे है। जिस मुद्दे पर बहस हो रही है, वह बहुत अहम है। हमारे विपक्ष के भाईयों से मेरी प्रार्थना है कि बीच में टोका–टाकी न करे। यह गल्त बात है। (शोर) जिस तरीके से ये लोग बोल रहे हैं, यह गलत तरीका है। डाक्टर साहब

को बोलने दें। ये उनको बार–बार टोक रहे हैं। वे बड़े सीरियस 'तरीके से' सरकार को सुझाव दे रहे है कि शिक्षा को स्तर ऊंचा होना चाहिए और शिक्षा जौब ओरिएंटिड होनी चाहिए उन्होने कहा कि शिक्षा में नकल नहीं होनी चाहिए। ये अच्छे सुझाव दे रहे थे। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी सम्पत सिंह जी जो प्रोफैसर हैं, ये प्रोफैसर वाया भटिण्डा है। हाउस का डैकोरम रखने की जितनी जिम्मेदारी हमारी है, उतनी ही जिम्मेदारी इनकी भी है। इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि यह, रैजोल्यूशन बड़ा सीरियस है। बडा अहमियत वाला मामला है। इस बारे मे जो सुझाव होगे, उन पर सरकार कार्यावाही करेगी। इसलिए डिप्टी स्पीकर साहब, मेरो आपसे अनुरोध है कि आप इनकी कंट्रोल करें।

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, नेहरा साहब संसदीय मंत्री हैं तो जरूर लेकिन कतई असंसदीय मन्त्री हैं। ये जिस तरह को भाषा बोलते है और जिस तरह का इनका रवैया है, वह ठीक नही है Mr. Depty Speaker Sir, you wore also watching कि इनके चार मिनिस्टर ऐसे बैठे हैं जैसे गांव के गोरे में बैठे बटे खेल रहे हों। अब भी एजुकेशन मिनिस्टर के साथ एक ही सीट पर चार–पांच लोग बैठे हैं। The members of the Treasury Benches are not serious. We are very serious इनका जो रवैया है, वह कोई मैम्बर के हिसाब से, कोई मंत्री के हिसाब से और संसदीय मती के हिसाब से नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी गुजारिश है कि नोन–आफिशियल–डे हमारा होता है। लेकिन

ट्रेजरी बैंचिज से मक्कड़ साहब बोले और दूसरे सदस्य भी बोले हैं। हम इस रैजोल्यूशन के बारे में पूरी तैयारी करके आए हैं। इसलिए, डिप्टी स्पीकर साहब, आप इनको कंट्रोल करें। इनको लगाम लगाएं। हम एजूकेशन महकमे की खिंचाई करने के लिए पूरी तैयारी करके आए हैं। आप जब मेरे पास बैठे थे, उस समय आप कह रहे थे कि मैं इनको लगाम लगाऊंगा और इनकी खिंचाई करूंगा। (हंसी)

श्री कर्ण सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्यायंट आफ आर्डर है कि आज के नोन–आफिशियल डे पर दो रैजोल्यूशन हैं। एक शिक्षा के बारे में हैं और दूसरा आगरा कैनाल के बारे में है। जो शिक्षा के बारे में रैजोल्यूशन है, उस पर आज भी चर्चा हो रही है और पहले भी हो चुकी है। स्पीकर साहब, मेरे फरीदाबाद जिले के लोग बहुत गरीब हैं। उन लोगों का इस आगरा कैनाल के साथ जीवन मौत का संबंध है। अगर इस रैजोल्यूशन पर इसी तरह से चर्चा होती रही तो दूसरे रैजोल्यूशन पर बोलने का नम्बर नहीं पड़ेगा। यह बात सही है कि शिक्षा के बारे में कोई भी गम्भीर नहीं है, इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि जिस किसी मैम्बर ने बोलना है, उसका आप टाईम निश्चित कर दें ताकि आगरा कैनाल वाला रैजोल्यूशन टेक अप हो सूफे और वह चर्चा में आ सके।

शिक्षा मन्त्री (भी फूल चन्द मुलाना): डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सम्पत सिंह जी ने कहा कि शिक्षा मती के साथ

कुछ लोग विचार विमर्श कर रहे हैं। यह चइत अहम मुद्दा हाउस में चल रहा है और आप रस बात की तारीफ करेगे कि हम शिक्षा के स्मर कितने जागरुक हैं, कितने गम्भीर हैं और शिक्षा के बारे में कितने विचार विमर्श के बाद उत्तर देते हैं? हम यह विचार विमर्श इसलिए कर रहे हैं क्योंकि यह बहुत ही अहम रैजोल्यूशन है। शिक्षा में हमने क्या सुधार करना है और क्या सुधार कर चुके हैं, उसके बारे में विचार विमर्श कर रहे हैं? विरोधी पक्ष के साथी भी इस बात को मानते हैं कि हमने नकल की बीमारी को आदरणीय रख मंत्री जी के आदेश से शिक्षा जगत से उखाड़ फैका है। आज कहीं पर भी नकल नहीं मारी जा रही है। शिक्षा के लिए सुधार का जितना काम हुआ है, उसकी मेरे साथी तारीफ करेगे।

प्रो० सम्पत सिंहः नकल रोकने वालों को नहर में फैक दिया, इतना काम हुआ है। (शोर)

12.00 बजे

प्रो० राम विलास शर्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, कांग्रेस की गंभीरता देखिए कि गवर्नर महोदय कें अभिभाषण पर डिस्कशन एक इण्डीपैन्डैन्ट मैम्बर चौधरी शेर सिंह से शु रु करवाई है और इस नोन–ओफिशियल–डे पर श्री मनीराम केहरवाला जी की तरह कांग्रेस का कोई मैम्बर सीरियस होकर डिस्कशन में हिस्सा नहीं ले रहा। डा० ओम प्रकाश जी खड़े हैं, ये गोली लेकर बोल रहे हैं (हंसी ए वें शोर) यह सरकार

हरिजनो और ब्राह्मणों को मरवाना चाहती है। हम चाहते हैं कि आप इस प्रस्ताव को पारित करें।

डा० ओम प्रकाश शर्मा: ये मेरे साथी मेरे बारे में कुछ भी कहें। आपसी बातचीत अलग है और राजनीति अलग है। आपसी रिलेशन्ज अलग हैं। उपाध्यक्ष महोदय बढ़ती हुई आबादी ही सारी समस्याओं की जड़ है। आज देश के सामने जितने भी हालात बेरोजगारी के या दूसरे हो रहे हैं, वे सारे के सारे बढ़ती हुई आबादी की देन है। इस बारे में एक शायर ने कहा है–

'न, यह कुछ खाके मरा है

न किसी रोग से मरा

यह कसरते औलाद से

तंग आके मरा है।'' (थम्पिंग)

आज जितनी भी समस्याएं हैं, इस बढ़ती हुई आबादी के कारण ही हैं। बेरोजगारी भी इसी कारण से है।

प्रो० सम्पत सिंह: डाक्टर साहब ने बिल्कुल ठीक फरमाया कि औलाद के दु:ख में मरा। इसी संबंध में मैं बताना चाहूंगा कि करनाल में दो छोटे–छोटे बच्चों का पिता अपने बच्चों के दु:ख में ही मरा है। (व्यवधान व शोर)

डा० ओम प्रकाश शर्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, बच्चे नकल क्यों मारते हैं? जहां तक नकल का ताल्लुक है, अगर बच्चों की साईकोलोजी को देखा जाए तो पता चल सकता है। बच्चे की साईकोलोजी, बच्चे का रुझान नकल की तरफ इसलिए है., क्योंकि बच्चा पढ़ा है या नहीं, बच्चा किन वजुहात की वजह से पढ्ने की तरफ रुचि नहीं ले रहा है, इस ओर गौर नहीं किया जाता। अगर बच्चा पढ़ाई मैं कमजोर है, तो भी वह पास होना जरूर चाहता है और पास होने के लिए कोई भी तरीका अपनायेगा और यहां तक कि नकल करने की भी कोशिश करेगा। बच्चे की यद बात समझ में आती है, लेकिन बच्चे के मां–बाप या बच्चे के पोलटिकल रिलेटिव भी यह चाहें कि गलत या सही तरीके से, बच्चे को पास करवाना है। उसके लिए चाहे जायज तरीके से या नाजायज तरीके से, प्यार का तरीका हो या जबरदस्ती का तरीका पास होना जरुरी है, यह बात समझ में नहीं आती। ये ऐसी चीजें हैं, जिनसे शिक्षा को स्तर गिरेगा। आज हालत यह है कि बच्चे की बात तो छोड़िये, जो बच्चो को पढ़ाने वाले हैं, स्कूलों का स्टाफ और टीचर्ज जो है, जो प्रोफैसर्ज हैं, उनका एग्जाम ले कर देख लीजिए, उनमें से कोई पास होने वाला नहीं होगा जब बच्चों को पढ़ाने वालों का यह हाल होगा, तब बच्चों को वे क्या पढ़ाएंगे? डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से शिक्षा मन्त्री जी से रिकवैस्ट करूंगा कि वे इस तरफ भी ध्यान दे'। वे केवल नकल रोकने की तरफ ही ध्यान न रखें बल्कि इस ओर भी ध्यान दे कि जो पढ़ाने वाले हैं, उनका खुद का कितना ज्ञान है? उनमें बच्चों को पढ़ाने की

कितनी लियाकत हैं? जब उनकी अपनी ही लियाकत पास होने लायक नहीं होगी, तो उनसे पढ्ने वाले बच्चे फर्स्ट क्लास के अन्दर कैसे पास होंगे? पढ़ाने के लिए जो मास्टर्ज भर्ती किये जाते हैं, उनकी भर्ती सिफारिश से की जाती है (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः डा० साहब, आप अपनी स्पीच को कनक्लयूड कीजिए।

डा० ओम प्रकाश शर्माः उपाध्यक्ष महोदय, मेरी तो एजुकेशन मिनिस्टर साहब से यही रिक्वैस्ट है कि वे टीचर्ज की भर्ती की तरफ भी– छगन दें।

श्री फूल चन्द मुलानाः उपाध्यक्ष महोदय, डा० ओम प्रकाश सी हमारे बहुत ही माननीय सदस्य है और मैं उनकी तारीफ करता हूं कि उनको शिक्षा के स्तर की इतनी चिन्ता है। इसके साथ ही मैं डाक्टर साहब को यह भी बताना चाहूंगा कि उन्होंने जो कहा है कि मास्टरों को कुछ नहीं आता, इस बारे में हमने पूरा प्रबन्ध कर दिया है। रैगुलर इसपैक्शन्ज हो रही हैं और मन्थली टैस्ट्स भी हो रहे है। इस अर्से में जितने भी व्यक्ति भर्ती किये गये हैं, चाहे वे स्टेट लैवल पर हैं, चाहे डिस्ट्रिक्ट लैवल पर हैं, सभी मास्टर्ज मैरिट पर भर्ती किये गये हैं। एक भी मास्टर ऐसा नहीं है, जो मैरिट पर सिलैक्ट न हुआ हो। सारी सिलेक्शन मैरिट पर की गई है। आगे भी इस बात को ध्यान में रख जाएगा।

डा० ओम प्रकाश शर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, समस्या तो एक ही है कि बढ़ती हुई आबादी को रोका जाए और इसको रोका जाना भी बहुत जरूरी है। अगर आबादी बढ़ती रही तो देश की तरक्की रुक जाएगी और इस देश का स्तर बहुत नीचे चला जाएगा जो कि फिर ऊपर नहीं आ सकेगा। उपाध्यक्ष महोदय, इस बात के साथ हो, मै आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री धीरपाल सिंह (बादली): उपाध्यक्ष महोदय, नकल जैसी कुरीति पर आज हाउस में चर्चा हो रही है। मैं डाक्टर ओम प्रकाश जी का आभारी हूं और उनको दाद भी देता हूं कि उन्होंने इस बात के साथ उस वर्ग को जोड़ने की बात कहीं है जहां से सारी बीमारियां शुरु होती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, व्यक्तिगत तौर पर किसी पर भी आरोप लगाने की मेरी मंशा नही है। डा० साहब इस हाऊस के सदस्य हैं और उन्होंने इस बात को कहा है कि राजनैतिक लोग अपने चहेते बच्चों के लिये कानून का उल्लघन करते हैं और सारी सीमाएं पार कर जाते हैं। अभी मेरी नौलेज में यह बात ओई है कि कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष की भतीजी है अतुर वह एग्जाम में नकल करते हुए पकड़ी गई। उसे निकाल कर बाहर कर दिया गया। तो एक गोहाना का एस ०डी ०एम ० जिसकी वहां पर ड्यूटी भी नहीं थी, पता नही क्यों, वह वहा पर आ गया। क्या. पता अपनी नौकरी बचाने के चक्कर मे वहां पर गया और कहा कि इस लड़की को परीक्षा रूम मे बिठा दें। उसने हर बात की उल्लंघना करते हुए उस लड़की के ओं अन्दर बिठा दिया। हमारे

महान शास्त्रियों ने, उपाध्यक्ष महोदय, यह कदम इसलिये उठाया था ताकि नकल जैसी इस कुरी ति को बन्द किया जाप लेकिन उस एस ०डी०एम ० ने उसे छात्रा को दोबारा से रूम में बिठाने के लिये कहा। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, इस बीत को इसेसे ताल्लुक है क्योंकि डाक्टर साहब ने इसें बात की चर्चा करी है। उन्होंने कही है कि इस नकलें जैसी कुरीति के बढाने मैं राजनैतिक लोगो का हाथ है। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर सर, ...(शोर एव व्यंवधान)

समाज क्लयाण राज्य मन्त्री (कैप्टन अजय सिंह यादव): सर, ...(शोर एव व्यवधान)

(इस समय कई माननीय सदस्य एक साथ बोलते रहे)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, ...

.....

Mr Deputy Speaker : Anything said without my permission should not be recorded

चौ० जगदीके नेहराः सर मेरा प्वांयट आफ आर्डर है।

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर सर, आप इनको कंट्रोल करें। (व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आप सभी लोग बैठिए। (शोर एव व्यवधान)

चौ० जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर सर, पहले कंट्रोल आप उधर से करें।

श्री उपाध्यक्षः आप सभी लोग बैठिए,।

श्री धीर पाल सिंहः .....

श्री उपाध्यक्षः जो यह बोल रहे है इसको रिकार्ड न किया जाये।

चौ० जगदीश नेहराः सर, ये क्यो बोल रहे हैं आप इनको बैठाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः अजय सिंह जी, आपको कुछ भी कहने से पहले मेरी परमीशन ले लेनी चाहिये।

चौ० जगदीश नेहराः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आप अभी सब लोग बैठिए और धीर पाल जी को बोलने दीजिए।

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे विनती करता हूं कि अजय सिंह को नेम किया जाए क्योंकि इनको हाउस की मर्यादा का ज्ञान नहीं है। मैं इनके बारे में इतना ही कहूंगा कि

यह फौजी अफसर है और मैडीकल कोर्ट से आया हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जो टौपिक है, जिस टौपिक पर बात करनी है, उस पर ये बात नही करते हैं। हर चीज में राज– नीतिक बात छेड़ने की कोशिश करते हैं। शिक्षा पर चर्चा हो रही है, इस प्यायंट पर बात करें कि कैसे उसमें इम्प्रूवमैंट लाई जा सकती है? किस प्रकार से नकल को बंद करें, कैसे और परिवर्तन लाए जाएं? केवल राजनीतिक बातें करके गलत तरीके से प्रैस को इम्प्रैस करने की कोशिश करते हैं। इनका मकसद तो केवल वाक आउट कर जाना है। जिन लोगों ने इनको चुनकर भेजा है, उनकी भावनाओं का ख्याल रखते हुए शिक्षा पर बात करें। (विघ्न)

Mr. Deputy Speaker : Captain Sahab, it is no point of order. Please take your seat.

Prof Sampat Singh : Deputy Speaker Sir, when it is no point of order then it should be expunged. (Noises & Interruptions.)

उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री जी का जो रवैया था, उसके लिये हमें भी बड़ा खेद है क्योंकि ये हमसे ट्रेनिंग लेकर गए थे। (विघ्न)

Mr. Deputy Speaker : Hon'ble members, you may kindly see Rule 112 which is regarding Points of Order. Rule 112 reads as under : —

"POINTS OF ORDER"

Points of order and decisions thereon.	112(1) A point of order shall relate to the Interpretation or enforcement of these rules or such Articies of the Constitution as regulate the business of the House and shall raise a question which is within the cognizance of the Speaker;
	(2) A point of order may be raised **in** relation to the business before the House at the moment.
	Provided that the Speaker may permit a member to raise a point of order during the interval between the termination of one item of business and the commencement of another if it relates to maintenance of order in or arrangement of business before the House
	(3) Subject to conditions referred to in sub-rules (1) and (2) a member may formulate a point of order and the Speaker shall decide whether the point raised is a point of order and, if so, give his decision thereon, which shall be final.
	(4) No debate shall be allowed on a point of order, but the Speaker may, if he thinks fit, hear members before giving his decision.
	(5) A point of order is not a point of privilege.
	(6) A member shall not raise a point of order. —

	(a) to ask for information, or
	(b) to explain his position; or
	(c) when a question on any motion is being put to the House, or
	(d) which may be hypothetical; or
	(e) that division bells did not ring or were not heard
	(7) A member may raise a point of order during a division only on a matter arising out of the division and shall do so sitting."

So this is the position regarding points of order.

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आप ने बिल्कुल ठीक कहा। वाजिब बात है (शोर)

श्री सतबीर सिंह कादियानः डिप्टी स्पीकर साहब, एक और ..... खड़ा हो गया बोलने के लिये। (शोर)

साथी लहरी सिंहः डिप्टी स्पीकर साहव, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (शोर)

श्री उपाध्यक्षः कादियान साहब ने यह जो पागल शब्द कहे हैं, इनको रिकार्ड न किया जाये। सम्पत सिंह जी, आप कनकल्यूड करिये। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि आपने जो फरमाया, वह बिलकुल ठीक है। आपकी रूलिंग को हम मानते ई और वाजिब है लेकिन डिप्टी स्पीकर साहब, आपने स्पीकर साहब के बारे मे बताया कि प्वायंट आफ आर्डर रेज करने की परमिशन देने की फाईनल अथारिटी स्पीकर साहब को है और मैम्बर का यह कोई प्रिविलेज नही है। चूकि डिप्टी स्पीकर साहब, आप हमारे साथ अपोजीशन बैचिज पर बैठेने है और सौभाग्य से आप मेरे साथ ही बैठने है इसलिये सर, थोड़ी बहुत लिबर्टी तो हम लेते है लेकिन यह ट्रेडीशन है कि मैम्बर प्वायंट आफ आर्डर आपकी इजाजत से, चेयर की आस मे हो रोज कर सकता है और चेयर अगर इजाजत दे, तभी प्वायंट आफ आर्डर रेज किया जा सकता है। हम ऐसा करते भी है। अभी जैसे मन्त्री जी खड़े थे। आव देखा न ताव, कुछ ऐसे शब्द कह दिये जोकि उनको नही कहने चाहिये थे। लेकिन आपने कहा कि यह मामला खत्म हो गया, तो बात खत्म हुई। हम यह चाहते थे कि हमारे प्रधान जी नकल पर बोल रहे थे उनको अननसैसरी न टोका जाए। वे इसी सबजैक्ट पर ही बोल रहे थे लेकिन उनको बीच में ही टोका गया। (शोर) डाक्टर ओम प्रकाश शर्मा जी ने एक इशू शुरु किया था... (शोर)

श्री उपाध्यक्षः क्या डाक्टर ओम प्रकाश जी ने

प्रो० सम्पत सिंहः सौरी–सौरी मर, मैं यह शब्द वापिस लेता हूं, गल्ती मै बोला गया। हमारे प्रधान जी उसी को ही

कन्कलयूड करना चाहते थे। यह कहा गया था कि पोलिटीकल इटरफीयरैन्स होती है। और इसी वजह से नकल के मामले बढ़ते हैं। ऐसा नही होना चाहिए (शोर)

डिप्टी स्पीकर साहब, उसी बात को ही हमारे प्रधान जी कन्कल्यूड कर रहे थे ओर वह बातें इनको सुननी भी चाहिये'। हम सब मैम्बर्ज भी यही चाहते हैं कि आराम से बैठकर उनकी बातें सुने। (शोर)

कैप्टन अजय सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं भी यही बात कह रहा था कि कोई टॉपिक की बात तो करें। ये इसके बाद कहें और वह भी आवेश में आकर कहे, कि बैठ जाओ, तो यह कोई उचित बात नही है। दूसरी बात यह है कि एक ऐसा आदमी, जिसने सेना में काम किया हो और ऐक्स सर्विसमैन हो, उसको ये पागल कहें, यह ठीक बात नही है। इन्होने सारे एक्स–सर्विसमैन पर आक्षेप किया है, कलक लगाया है। इनेको इसके लिये पूरे सदन से माफी मांगनी चाहिये (शोर) यह जो चाहते हैं कि हरेक आदमी को धमका कर बैठा दिया जाए, यह बातें यहां नहीं होने दी जाएंगी। कल चौटाला साहब ने वीरेन्द्र सिंह जी को कहा कि बैठ जा। क्या हमें अपनी बात को कहने का अधिकार नही है? आप हमें कहे कि बैठ जाओ तो हम आपकी बात को मानेंगे लेकिन ये हमें कहने वाले कौन होते हैं? (शोर) यह ..... से यहां हाउस में बात करते हैं। इनको रोका जाए। (शोर)

श्री उपाध्यक्षः कैप्टन साहब, वह लफज कार्यवाही में से निकाल दिये गये हैं।

साथी लहरी सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर शै कि हमारे सम्माननीय मन्त्री महोदय जी को इनकी बात को महसूस नही करना चाहिये क्योंकि हमारे जो सम्माननीय साथी कादियान जी हैं, उन से हमें यही उम्मीद थी। मैं तो इतना ही कहूंगा कि बिटोडा में से गोसे ही निकलेंगे।

चौधरी जगदीश नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरा इन भाइयों से अनुरोध है कि ये प्वांयट आफ आर्डर को डिस–प्वायट–आफ–आर्डर कर रहे हैं। मेरा धीरपाल जी से भी अनुरोध है कि वे सब्जैक्ट पर ही बोलें। जब कोई प्रोवोकेशन करने वाली बात आती है, तो फिर हमें भी बोलना पड़ेगा। जो सुझाव ये देंगे, हम उनको मानने के लिए तैयार हैं। मेरा इनसे अनुरोध है कि संसदीय शब्दों का प्रयोग करें। अगर गलत बात कहेंगे तो एक्शन का री–एक्शन तो होगा ही। (शोर)

श्री धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, ... मन्त्री जी ने... (शोर)

चौधरी जगदीश नेहराः आप क्या हो? (शोर)

Mr. Deputy Speaker : This goes off the record.

श्री अजमत खांः. डिप्टी स्पीकर साहब इनको एजूकेशन पर ही बोलना चाहिए। हम लोग वहां पर किस लिए आए है। हमने भी तो बोलना है। (शोर) ये लोग वैसे ही इधर उधर की बाते कर रहे है। (शोर)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी अजमत खा जी, आप तो इस रैजोल्यूशन पर बोल चुके है। (शोर)

श्री धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे कहने का यह भाव था कि बाड़ ने ही खेत को खाना शुरू कर दिया। आज प्रदेश के लोग जिन से आशा करते है, वही लोग वातावरण को दूषित करें तो फिर किस से आशा की जाएगी। मैं आपके द्वारा शिक्षा मन्त्री जी से गुजारिश करुंगा कि जिस सभ्य अधिकारी ने नकल रोकने की हिम्मत दिखाई है, क्या उसके खिलाफ भी प्रशासनिक कार्यवाही हो सकती हैं? हम शिक्षा मन्त्री जी को दाद देंगे अगर ये उस अधिकारी को बचायेंगे। आज का माहौल ठीक नही है। हमारे आदरणीय शिक्षा मन्त्री जी ने चौधरी भजन लाल के नेतृत्व की बडी प्रशंसा की। एक बात मैं आपके द्वारा कहना चाहता हूं कि ''अन्धा बांटे सीरनी अपनों – अपनों को दे'' ये मेरे शब्द नहीं हैं दो तीन दिन पहले

श्री उपाध्यक्षः धीरपाल जी आप सब्जैक्ट पर ही बोलें।

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जिन अध्यापको, प्रशंसा पत्र और डिग्रियां दीं, सम्मान दिया कि ये

होनहार है और नकल विरोधी है, ये अच्छे टीचर हैं, यह गुण सम्पन्न है, इसलिये उनको ईनाम दिए गए, इनसे उपाधि प्राप्त करने के बाद उनमें से एक सज्जन सिरसा के अन्दर नकल कराता पाया गया। तो हम क्या मान कर चलें कि ये जो प्रशंसा पत और ईनाम दिए गए हैं ये किन को दिए हैं? यह सब अपने चहेते लोगों को दिए गए हैं। जो इसके हकदार हैं, उनको यह मिले या नही लेकिन आज और कल में अन्तर आ जाए यह नहीं होना चाहिये आज कोई व्यक्ति सरकार से ईनाम पा रहा है कल को वही व्यक्ति सरकार के आदेशों की अवहेलना करे, तो यह बहुत ही गम्भीर विषय है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह प्रस्ताव नकल को रोकने के लिए आया है। हरियाणा प्रदेश में ऐसा माहौल है कि जिस किसी भी अध्यापक ने नकल रोकने की कोशिश की, उसको उसका खामियाजा भुगतना पड़ा। हमारी बहन सुशीला आज संसार में नहीं है। वह हमारी बहन थी। हमारी बेटी थी। उसने नकल को रोकने की हिम्मत दिखाई, जिसका उसको ईनाम मिलना चाहिए था। उसकी जगह उसका अपहरण हुआ और उसके बाद उसका किसी राज महल में दो दिन तक बलात्कार हुआ। यह शिक्षा जगत पर एक बहुत ही बेहदा और बदनुमा दाग लगाया गया। इस तरह के कारनामों को देख कर क्या आज कोई भला अध्यापक या अध्यापिका कहीं पर नकल रोकने की हिम्मत कर पाएगी? जिसने भी नकल रोकने की हिम्मत दिखाई, उसको उसका खामियाजा भुगतना पड़ा। हमारी बहन सुशीला के साथ बलात्कार ही नहीं किया गया उसको मार कर नहर में डाल दिया गया ताकि कोई

सबूत न रहे। इस केस की सी० बी० आई ने जांच की और सी० बी० आई० से जांच इसलिये करवाई गई क्योकि भिन्न–भिन्न पार्टीज के बड़े–बड़े नेताओं ने दबाव डाला इसलिए यह सी० बी० आई० से जांच हुई है। हमारे सामने जो तथ्य आए हैं, उनसे ऐसा मालूम पड़ता है कि पछले दो–तीन महीने से वह जांच मुख्य मती जी के आस–पास जा कर रुक गई है। आज यहां हाउस के सभी लोगों को इस बात की चिन्ता है कि नकल जैसी बीमारी को रोका जाए। लेकिन यह विषय बहुत गम्भीर एं और गम्भीर इसलिए है चूकि जिस बहन ने नकल को रोकने की हिम्मत दिखाई, उसके साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या की गई। उस बारे में सी० बी० आई० की जांच ठप्प हो गई है। वह जांच आगे नही चल रही है। इसी तरह से विश्व विद्यालय रोहतक के एक गरीब किसान के होनहार बेटे श्री रणबीर सिंह सुहाग की हत्या कर दी गई। डिप्टी स्पीकर साहब वहां पर जो कुछ हुआ, उसके बारे में आपको भी पता है और इस मन्त्री परिषद को भी पता होगा। (शोर)

चौ० जगदीश नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर बै। जिस रैजोल्यूशन पर चर्चा चल रही है, वह यह है कि शिक्षा जौब ओरिएन्टिड होनी चाहिए और नकल को रोकने की कोशिश की जानी चाहिए। माननीय सदस्य ने जौब ओरिएन्टिड शिक्षा के बारे में अभी तक कोई नाम भी नहीं लिया है जोकि अहम मुद्दा है। चौधरी सम्पत सिंह ने ला एण्ड आर्डर के बारे में चर्चा गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते' हुए कर ली और चौधरी बंसी लाल

जी ने भी चर्चा कर ली। अगर ला एण्ड मार्डर की काई बात आए तो ये कद। हमें कोई एतराज नहीं हैं। लेकिन शिक्षा के बारे में इनको सुझाव दने चाहिए। जौब ओरिएन्टिड शिक्षा के बारे में इन को सुझाव देने चाहिए।

श्री धीरपाल सिंहः नेहरा साहब, जब मक्कड़ साहब विषय से हट कर बोल रहे थे, तब उनको रोकने की हिम्मत क्यों नहीं की? अगर ये मक्कड साहब को इसी बात तक सीमित रखने की हिम्मत दिखाते, तो मैं भी इस बात को सीमित करता। डिप्टी स्पीकर साहब जिस बहन ने नकल रोकने की हिम्मत दिखायी, उसका क्या हुआ, वह अब सबके सामने है। इस बारे में मेरा सुझाव है कि उसकी रूह की शांति के लिए और आत्मा को शांति दिलाने के लिए हाईकोर्ट के सिटिंग जज से इन्कवायरी करवाई जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी प्रकार से रोहतक विश्वविद्यालय के एक डाक्टर रणबीर सिंह की हत्या हुई। उनकी हत्या इस लिये हुई कि विश्वविद्यालय में जो गलतियां हो रही थीं, उन पर से वे पर्दा उठा रहे थे। उपाध्यक्ष महोदय, आज देश और प्रदेश में शिक्षा का स्तर बहुत गिर गया है। इसके जिम्मेदार वही लोग हैं, जो इन बच्चों को ठीक तरह से पढ़ा नहीं पाते। सरकारी स्कूलों में तो शिक्षा का स्तर बहुत ही गिर गया है। इन स्कूलों मे गरीब मां–बाप का बेटा–बेटी ही जाते हैं। जो दूसरी संस्थाएं हैं, उनमें नकल कम होती है। जो ये बच्चे नकल कर रहे हैं, वे इसलिए कर रहे हैं कि उनके द्वारा उनके अध्यापकों द्वारा जो ज्ञान दिया जाना चाहिए था

वह नहीं दिया जा रहा। ज्ञान के अभाव में बच्चे नकल करते हैं। चाहे यी बच्चा गणित का है, पोलिटिकल साईस का है, हिस्ट्री का है, वह नकल इसीलिए करता है कि उस विषय का पूरा ज्ञान नहीं मिल पाता। इस का कारण यह है कि स्कूलों में शिक्षा का माहौल नहीं रहा। इसलिए ये कुरीतियां बढ रही हैं। आज की शिक्षा को टैकनीकल नालेज में परिवर्तित किया जाये ताकि बच्चे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। आज बच्चे नकल से या अपनी मेहनत से डिग्री लेकर घूमते फिरते हैं। चाहे कहीं पर कोई भर्ती हो, एच० सी० एस० की भर्ती की परीक्षा ही या और कोई परीक्षा हो, हर जगह नकल होती है। आज चाहे वह बच्चा 5वीं का 8वीं, 10वीं, बी०ए० का है या और कोई परीक्षा देने वाला है, हर किसी ने नकल करने का अपना अधिकार मान लिया है। यह नकल बच्चों का ज्ञान बढ़ाने में बाबा है। यह एक दिन समाज को खो खला कर देगी। जिस प्रकार से पंजाब में या आसाम में उग्रवाद पनपा है, उसी प्रकार से यहां पर भी यह उग्रवाद पनप सकता है। कहने का भाव यह है कि ज्ञान के अभाव में लोग उग्रवाद में परिवर्तित हो जाएंगे इससे कोई नही बचेगा इसलिये आज आवश्यकता इस बात की है कि इस बीमारी को रोकने के लिए अच्छे टीचर हिम्मत दिखाए और इस नकल जैसी बीमारी को रोकने के लिये शिक्षा के स्तर में सुधार किया जाये। इस काम में सभी 36 बिरादरी के लोगो को शामिल होकर, जो लोग इस नकल को पनाह देते है, को नंगा करने में सहयोग दें। केवल किसी बात को कहने सै काम नही चलता। जब तक उस पर अमल न हो, कोई फायदा नही होगा। किसी विषय

पर अगर चर्चा होगी तो इस चर्चा का तब तक कोई लाश नहीं होगा जब तक उस पर अमल न किया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा जगत में हमारी सरकार ने मैचिंग ग्रान्ट की स्कीम चालू की थी। गांव के लोगो से पैसा इकट्ठा करके स्कूलों में बच्चों और बच्चियों के लिये यूरिनल्ज वगैरा बनाने के लिये और बिल्डिंग्ज बनाने के लिये सरकार की तरफ से मैचिंग ग्रान्ट दी जाती थी लेकिन आज वह मैचिंग ग्रांट स्कूलों को नही दी जों रही है। वर्तमान सरकार नकल को रोकने के लिये चाहे कितने प्रयत्न करे, वह सब नकल के कानून को तोड़ने वालों को कानून तोड़ने में मददगार ही साबित होगी। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय मेरी बात अभी पूरी नही हुई है। मैं अपनी बात को कन्कलूड कर रहा हूं। आप मुझे थोड़ा सा समय और दे दे ताकि मैं अपनी बात को पूरा कर सकूं। (घंटी)

श्री फूल चन्द मुलानाः उपाध्यक्ष महोदय वैसे तो मैंने इसका जवाब देते समय इन सारे उठाए गए मुद्दो का जवाब देना ही था लेकिन बहुत सारे माननीय साथी इस विषय पर बोलने के लिये उतावले हैं और मुझे ऐसा लगता है कि मुझे इस का जवाब देने का समय नही मिल पाएगा। माननीय चौधरी धीरपाल सिंह जी ने जो मुद्दे सदन में उठाए हैं, उनके लिये मैं उनकी तारीफ करता हूं। उन्होंने माना है कि नकल रुकी है इससे जाहिर है कि सरकार नकल जैसी बुराई को रोकने के लिये कितनी एफर्टस कर रही है। गोहाना मे कोई इन्सीडैंड घटा होगा, उसका उन्होंने जिक्र किया।

हमने गोहाना के बारे में रिपोर्ट मांगी है, लेकिन अभी तक रिपोर्ट मेरे पास नही आई है। इसलिये ऐसा इन्सीडैस हुआ है या नही मैं विश्वास के साथ अभी नही कह सकता लेकिन मैं अपने माननीय साथी को विश्वास दिलाना चाहूंगा कि नकल रोकने के लिये हमने जरूर प्रबन्ध किये हैं। चाहे कोई व्यक्ति कितना ही बडा क्यों न हो, उसको नकल नहीं करने दी जाएगी जो व्यक्ति नकल रोकेगा, रुसका हम धन्यवाद करेंगे और उसको पूरा प्रोटैक्शन मिलेगा। यही नहीं उनके वैल्फैयर के लिये 10 लाख रुपये ऐजुकेशन बोर्ड की तरफ से सिक्योरिटी फण्ड के लिये रखा गया है जो कि इस परपज के लिए पूज किया जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल जी ने किसी ऐसे अध्यापक का जिक्र किया जो नकल कराते हुए पकडा गया और यह बताया कि उसको नकल रोकने के किये सम्मानित किया गया था। उपाध्यक्ष महोदय, हमने उन अध्यापकों और लोगों को सम्मानित किया था जिन्होने पिछले इम्तिहान मे सराहनीय कार्य किया था और नकल रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बारे में भी मेरे पास अभी तक रिपोर्टें नही आई है। पिछले इम्तिहान में उसका काम अच्छा हो सकता है लेकिन इस इम्तिहान के वक्त हो सकता है उसकी नीयत में कोई फर्क आ गया हो। अगर उसने वाकई ही ऐसा किया है तो उसको पनिशमैट दी जाएगी। इस माल भी उन लोगों को सम्मानित किया जाएगा, जिनका काम अच्छा होगा। पिछले साल किसने क्या किया, इससे डस साल का कोई ताल्लुक नहीं है। (विघ्न) हम साल भी ईनाम देने की बात है (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, इसके 'साथ ही

बहन सुशीला की इन्होंने चर्चा कर दी। उपाध्यक्ष महोदय, उनकी हत्या संदिग्ध हालात में हुई है। क्योंकि यह मामला सी० बी० आई० के पास है, इसलिये मेरे लिए इस बारे कोई कमैण्ट करना उचित नही होगा। मैचिंग ग्रान्ट के बारे में जो कहा गया है, उस बारे में मैं बताना चाहूगा कि मैचिंग ग्रान्ट के लिए डी०ई० ओ० तथा डी० डी० पी० ओ० के दो दफ्तर हैं जो कि 20 हजार रुपये तक की मैचिंग ग्रांट देते हैं माननीय सदस्य आज 20 हजार रुपये जमा करवाए और कल ही 20 हजार रुपये की मैचिंग ग्रांट प्राप्त कर लें। (विघन) उपाध्यक्ष महोदय, मैं हाउस में माननीय सदस्यो को बताना चाहूंगा कि मैचिंग ग्रान्ट बदस्तुर जारी है।

श्री सतबीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, ग्रामीण शिक्षा प्रचार समिति इसराना ने एक नया कालेज बनाने के लिये 5 लाख 40 हजार जमा करवा रखे है। तो क्या मन्त्री जी यह आश्वासन देंगे कि वह पैसा जो उन्हे अभी तक मिला नही है क्या उस पैसे को दोगुना करके वापिस देंगे?

श्री फूल चन्द मुलानाः उपाध्यक्ष महोदय, यह मैचिग ग्रान्ट शिक्षा से सम्बन्धित नही है। लेकिन मैं इस बारे में अगने दूसरे साथियो से बात करके पता कर लूंगा और इनकी जता दूंगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महॉदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि आज नान आफिशियल डे है। शिक्षा के रैजोल्यूशन के बाद हमारा भी आ गरा कनाल पर एक रैजोल्यूशन है। अभी शिक्षा मन्त्री जी ने भी कहा कि शिक्षा पर सभी मैम्बर्ज बोलना चाहते हैं और शायद उनको जवाब देने का समय भी नहीं मिल पाएगा। आप सभी पार्टीज का समय बांध दें ताकि सभी बोल सकें। उपाध्यक्ष महोदय, यह जो आगरा कैनाल का रैजोल्यूशन है, यह भी बहुत जरूरी है। दूसरे आपने हमारी पार्टी के किसी भी सदस्य को बोलने का समय नहीं दिया है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आपका के भी साथी इस बारे में बोलने के, लिए खड़ा ही नहीं हुआ है। अगर कोई चाहता हुं तो वह खड़ा हो जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कई बार अपनी बात कहने के लिये आपके सामने प्वायंट आफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूं। अब आप मुझे आश्वासन दें कि जाकिर हुसैन जी के बाद मुझे बोलने का समय दिया जाएगा।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है इनके बाद आप बोल लेना।

चौधरी जाकिर हुसैन (तावडू): उपाध्यक्ष महोदय, केहरवाला साहब ने जो जौब आरियटिड एजुकेशन पर रैजोल्यूशन रखा है, इस बारे में मैं भी कुछ बोलना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, आप जैसा कि जानते हैं कि मरा और मेरे परिवार का हर

सदस्य शिक्षा से जुडा हुआ है और समाज सेवा मे भी जुड़ा हुआ है। (विघ्न) इसमें हंसने की बात नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे दादा ने 1926 में होडल में स्कूल खोला था जब पंजाब पेशावर तक था। वह स्कूल आज कालेज वना हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, आज हम स्कूल और कालेज मे क्या पैदा करते हैं? हम पढ़े लिखे बेरोजगार पैदा नहीं कर रहे हैं बल्कि हम अनपढ़ बेरोजगार पैदा कर रहे हैं। जिनके पास डिग्री तो है लेकिन ज्ञान नहीं है। वे किसी कम्पीटिशन में नही बैठ सकते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आपके पास भी लड़के आते होंगे। मैं दूसरे के क्षेत्र में नहीं जाता हूं। जब हमारे पास लड़के आते हैं, तो उनसे जब पूछते हैं तो कहते हैं कि मैंने मैट्रिक कर रखी है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं मैवात की बात कह सकता हू कि वहां पर दूसरी तीसरी जमात के अलावा किसी ने सैडल गवर्नमैंट का मिडल शिक्षा का इस्तिहान भी पास नहीं किया है। आज हमारे नौजवानों साथियों की एक धारणा बन चुकी है कि खुद कोई काम नही करेंगे और जल्दी से जल्दी मैट्रिक या बी ० ए ० करके अपने बाप के कंधों पर बैठ जाते हुँ और कहते हैं कि हमें नौकरी दिलवाओ। सर, इसके लिये कौन दोषी है? इसके लिये एक आदम दोषी नहीं बल्कि सारी व्यवस्था ही दोषी है क्योंकि इस व्यवस्था में नौजवान को यह सिखाया ही नही जाता, उसके दिमाग में यह बैठाया ही नहीं जाता कि उसे स्वय अपने पैरों पर खड़ा होना है इसलिये उसमें यह वात कहां से आएगी? सर, हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा और सरकार को भी ऐसे कदम उठाने होंगे, ऐसा

प्रचार करना होगा जिससे हमारे नौजवानों के हमारे भाईयों के हमारे बच्चों के दिमाग में यह बात आए कि उन्हें अपने पैरों पर खड़े होना है सर, जव समाज में रहना है तो कंपटशिन भी करना पड़ेगा। सर, बहुत पुरानी कहावत है कि ''सरवाइवल आपा दि फिटेस्ट''। आज तो वही व्यक्ति सरवाईव करेगा जो इस सिस्टम में अपने आपको फिट कर सकेगा। सर, मेरी तो यही अर्ज है कि हमें अपने बच्चों को ऐसी पढ़ाई देनी चाहिए ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। आज स्कूल या कालेज अपग्रेड किए जाते हैं। जैसे अभी चीफ मिनिस्टर साहव ने महात्मा गांधी जन्म शताब्दी के अवसर पर गोसडा गांव में एक स्कूल को प्लस टू करने का ऐलान किया था तो हमने उनसे कहा था कि हमें टू अकाडमी स्कूल नही चाहिए बल्कि हमें तो प्लस टू वोकेशनल स्कूल दे दें। सर, हमने देखा है कि जो बच्चे आज आई० टी ० आई०, जे० बी० टी० या अन्य दूसरे वोकशन एल कोर्सिज कर लेते हैं, वे कही न कही अपने गुजारे लायक रोजगार कर ही लेते है। आज सैन्टर गवर्नमैंट में भी बहुत से प्रोग्राम मानव संसाधन मंत्रालय के तहत शिक्षा के बारे में होते हैं। मेरा कहना यह है कि इन स्कीम्ज के यहां भी लाना चाहिए। इस तरह के सैन्टर्ज खोले जाएं, जिससे बच्चे उनमें पढ़ सकें। सर, मेरा सरकार के एक सुझाव है जैसे आज के जमाने मे कम्पयूटर की बहुत बड़ी डिमांड है। जिन लड़कों ने यह कोर्स कर रखे हैं, उनको नौकरी बहुत आसानी से मिल जाती है। नूह कालेज में हमने कम्पयूटर कोर्स शुरू किया है। वहां चालीस लड़को ने अपनी पढ़ाई के साथ साथ यह कोर्स भी किया और

उनमें से 36 लड़कों को गुड़गांव, या फरीदाबाद में प्राइवेट नौकरी लोगों ने खुद आकर दी है। तो इसलिये ऐसे कोर्सिज सरकार को चाहे वे कम्पयूटर के हों या अन्य दूसरे वोकेशनल कोर्सिज हो देहातों में शुरू करने चाहिएं। अगर प्राईवेट संस्थाएं भीं इस तरह के कोर्सिज शुरू करके लोगो को सुविधाए देती हैं तो सरकार को उनको प्रोत्साहन देने के लिए सबसिडी या अन्य दूसरी मदद करनी चाहिए जिससे लौग इसमें आएं तावडू में एक स्कूल में ऐसा किया है कि वहां बच्चों को चौथी जमात से कम्पयूटर के कोर्स सिखा रहे है। आज इतनी इंडस्ट्रीज और दफ्तर दिल्ली के पास खुल रहे है कि लोगो को इनमें स्वयं रोजगार मिल जाएगा अगर उन्होंने कोर्स किए होंगे। चाहे वह कोर्स कारकैटर का हो या प्लंबर का हो तो इस तरह के कोर्स गवर्नमैंट को स्कूली मे कम्पयूटर कोर्स के साथ शुरू करने चाहिए। पहले ऐग्जाम्पल के तौर पर ऐसै कोसे कुछ जगहों पर शुरु किए जा सकते हैं और उनका नतीजा देखा जा सकता है। मेरे खयाल में तो इनका नतीजा अच्छी ही निकलेगा आज लोग प्राईवेट स्कूलो में इसलिये ज्यादा जा रहे हैं क्योंकि वे वच्चों को आज के समाज में जीने के काबिल बनाते हैं। अगर आज के जमाने में रहना है तो इसके तौर तरीके भी सीखने होंगे और उनको अपनाना भी पड़ेगा। हिन्दी भी आज पढना जरूरी है क्योंकि वह हमारी मातृ भाषा है लेकिन इसके साथ साथ अंग्रेजी पढना भी जरूरी है। आज के जमाने में स्कूलों में खेलों को बहुत कम बढ़ावा दिया जाता है खेलों को स्कुलों में ज्यादा बढ़ावा दिया जाना चाहिए क्योंकि जब बच्चा स्वस्थ होगा और खेलने में उसका

मन लगेगा, तभी पढाई में भी उसका विमान विकसित होगा और पढ़ाई में भी उसका मन लगेगा। क्योंकि जैसा कहा गया है कि "Healthy mind lives in a healthy body" यह कहावत बिल्कुल सही है। चाहे योगा है, चाहे और खेल की सुविधाएं हैं। देहातों में स्टेडियम बनाए जाएं। बच्चों को खुराक दी जाए जिससे बच्चों का विकास हो और उनके दिमाग में जो कुंठा बढ़ती जा रही है, वे उसको निकालें। उस सोच को बदलें ऐसी मेरी आपके मार्फत सरकार से अर्ज है। बहुत खुशी की बात है कि गवर्नमैंट ने बहुत सारे आई० टी० आई० और पौलिटैक्निक बनाए हैं। मंडसरा में पौलिटैक्निक शुरू हो गया है लेकिन इस बारे मेरी आपके माध्यन से सरकार से अर्ज है कि वैसे तो हरियाणा प्रदेश में बहुत तरक्की हुई है लेकिन कुछ एरिया ऐसा है, जिसमें अभी बहुत पिछड़ापन है। उसी बात को मानते हुए सरकार ने मेवात डिवैलपमैंट बोर्ड बनाया। मेवात के एरिया के विकास के लिये यह बोर्ड बनाया है। इसी तरह से शिवालिक विकास बोर्ड बनाया है सिवालिक प्रिया के विकास के लिए। पिछले दिनों हमने शिवालिक का एरिया देखा 1 यह एरिया पिंजौर से छछरौली तक है। वहां स्कूल बहुत दूर–दूर रै बच्चों के पूरने के लिये साधन नहीं हैं उनको आप कैसे एकदम अन्य बच्चों के मुकाबले लाकर खस्र कर सकते हैं। यही हालात मैवात के एरिया के हैं। मेवात के लोग अन्य लोगों के मुकाबले पिछड़े हुए हैं। उनके लिये गरीवी और पिछड़ेपन के आधार पर उनको कोई न कोई रिजर्वेशन होनी चाहिए जिसका वे असलियत में फायदा उठा सकें। उटावड के पौलिटैक्निक में मेवात के 2–4

बच्चे होंगे। मैं आपके माध्यम से सरकार से अर्ज करुंगा कि अगर ऐसा हो सके तो बहुत मेहरबानी होगी और इसी तरह से जे० बी० टी० तथा बी० एड० में रिजर्वेशन हो। उपाध्यक्ष महोदय, मेवात में शिक्षा का स्तर इसलिये भी गिरा है कि वहां पर अध्यापक नहीं हैं। नौकरी लगते ही फिर उनको पोस्टिंग चाहिए और वह भी वहां जहां उनकी घरवाली गरम गरम रोटी पकाए और वे खा ले। पोस्टिंग होते ही ट्रांसफर कराने आ जाते हैं। इसलिये बी ० एड० और जे० बी० टी० में रिजर्वेशन होनी चाहिये जिससे वहा के बच्चे उनमें पढें। झिरका के आई ० टी० आई ० में दिल्ली तक के स्टुडैट जाते हैं वे लोग जब पास होकर निकलेंगे तो दिल्ली जाकर ही काम करेंगे। झिरका या नुंह में क्यों करेंगे? अगर झिरका या नूह के बच्चे होंगे तो ने वहां काम करेंगे। नूह का स्टुडैट जे ० बी० टी ० में ऐडमीशन लेगा तो वह नूह में काम करना भी चाहेगा। गुड़गांव जिले का आदमी यहां आकर नौकरी करना नही चाहेगा। सरकार अगर धक्क से कराए तो अलग बात है। मेरी आपसे अर्ज है कि इस तरह की रिजर्वेशन का प्रावधान रखा जाए। एक एक स्कूल में 100 बच्चों पर एक टीचर है, वह कैसे पढ़ा देगा? उम्मीद करता हूं कि कि निकट भविष्य में यह स्थिति ठीक हो जाएगी फिर भी उन के लिये रिजर्वेशन के बारे मे सरकार सोचेगी तो हम बहुत आभारी होंगे। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक रोजगार का सवाल है, रोजगार में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये मनीराम केहरवाला जी जो प्रस्ताव लाए हैं, मैं समझता हूं कि प्रदेश को इमसे कुछ न कुछ फायदा ही मिलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं

आपके माध्यम से प्रधान मन्त्री जी का भी आभार व्यक्त करता हूं कि जिन्होंने बैरोजगार नौजवानों को रोजगार देने के लिये बिना गारन्टी के लाख रुपये का लोन देने का फैसला किया है। हमारी सरकार भी उसे लागू कर रही है।

13.00 बजे

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक नकल का सम्बध है इस सम्बन्ध में मैं सब से पहले मुख्य मन्त्री महोदय शिक्षा मन्त्री महोदय, और वरिष्ठ अधिकारियों को इस के लिये मूबारिकवाद देता हूं कि उन्होंने इसको रोकने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह नकल का मसला काफी गम्भीर मसला है। डिप्टी स्पीकर साहब, जब हम आप लोग स्कूलों और कालेजों में पढ़ते थे तो उस वक्त में खुद स्टुडैंटस नकल मार। करते थे। यह बीमारी अब कैंसर की बीमारी बनकर फैल रही है। होता क्या है कि स्टुडैट खुद तो पिक्चर देखता है और आफिसर्ज मां बाप व दूसरे टीचर्ज इसके लिये तैयारी कर रहे होते हैं। कुनबे का कुनबा इस काम मे जुटा रहता है। फिर वे अगले दिन जाकर नकल के लिये पर्ची फेंकेगें। फिर पुलिस के साथ झगड़ा होगा और तरह तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, नकल एक सामाजिक बुराई है और यह हमारे में इतनी बुरी तरह से घुस गई है कि जब तक इसको रोकने के लिये सरकार सख्त से सख्त कदम नही उठायेगी तब तक यह रुकेगी नहीं। यह काम नकल को रोकने का असल मैं अध्यापकों का है लेकिन आप जानते हैं कि

इसको सबने मिलकर बढ़ावा दिया है। पुलिस छावनिया लगती हैं, एस० डी० एम० बैठता है और डी ० सी० बैठता बै लेकिन मैं कहता हूं कि सको रोकने का एक ही तरीका सब से बढिया है कि हमें लोगों को खुद इस बात के लिए समझना होगा लोगो में खुद इस नकल खिलाफ भावना पैदा करनी होगी कि यह कोई अच्छी बात नही है। टीचर्ज को इस तरह का इन्सैटिव दिया जाना चाहिए कि अगर आपका रिजल्ट अच्छा होगा तो आप को यह फायदा होगा और अगर किसी का रिजल्ट खराब होगा यतो को यह सजा मिलेगी। इसको रोकने के लिये हमें बच्चों के मां बाप को भी ऐजुकेट करना होगा, समझाना होगा कि इस तरह से काम नही चलेगा। नकल करने से बच्चे का भविष्य उज्जवल नही होगा। पढ्ने लिखने से ही बच्चा आगे बढ़ सकेगा तरक्की करेगा। अपने मां बाप का नाम रोशन करेगा। उन्हें भी किसी न किसी प्रकार का इन्सैटिंव दिया जाना चाहिए। किसी प्रकार का प्रोत्साहन दिया जाना चाहिये। जैसे मुलाना साहब ने बताया कि इसके लिये सरकार ने तरह तरह की तरकीबे बनाई है, जिससे नकल रोकने में सहायता मिलेगी। बहुत अच्छी बात पैं।

डिप्टी स्पीकर साहब, सबसे बड़ी बात तो है कि हमें अपने बच्चों बहु बेटियों को अवश्य शिक्षा प्रदान करनी चाहिये। मझे कहते हुये फख्र सा महसूस हे रहा है कि हमारे मेवात के इलाके में बहु–बेटियों को पहले पढ़ाया नहीं जाता था लेकिन अब उस इलाके में हमारी बहु–बेटियों को खूब पढ़ाया जा रहा है।

कहते हैं कि अगर मां पढी लिखी हो तो वह अपने बच्चों को खुब पढ़ा सकती है। एक लड़की अगर किसी घर में पढ़ा लिखी हो तो वह दो घरों को रोशन करती है। एक अपने को और दूसरा अपने ससुराल वाले घर को, जहा वह जा ती है। और एक लडका डगर पढ़ा हो, तो वह केवल अपने ही घर को रोशन करता है। इसलिये बहु–बेटियों का पढ़ाया जाना, आज के युग मे बहुत अच्छी बात है। आज सरकार ने फ्री वर्दी, फ्री शिक्षा और भी दूसरे प्रोत्साहन शिक्षा को बढावा देने के लिये दिये है। यह बड़ी ही सराहनीय बात है। मैं इस लिये सर कार को बधाई देता हूं। सरकार ने बच्चों को वजीफे देने का भी प्रबन्ध किया है। इसके साथ साथ साक्षरता का भी सरकार ने प्रोग्राम बनाया है। इससे भी नकल की रोकथाम होगी। यह अच्छी बात है। इससे हम पढे लिखे लोगो को शिक्षा की अहमियत बता सकते हैं। इन शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। धन्यवाद।

श्री फूल चन्द मुलाना: उपाध्यक्ष महोदय, माननीय जा किर हुसैन जो ने बहुत अच्छे शब्दों में अपने। बात कही। हरियाणा सरकार के बारे में उन्होने कई मुददे उठाए। उन्होंने कहा कि यह कोई नकल रोकने में बहुत बड़ी चीज नही है। नवल तो अध्यापकों को रोकना चाहिए, अधिकारियों के वो च में नहीं आना चाहिए। आप भली भाँति हस बात से परिचित है कि नकल को रोकने के लिए कानून वनाया जा रहा था। अगर वह कानून बन जाता तो उसके तहत कोगनीजेवल औफैंस बनता उसके तहत नकल करने

वाला भी और नकल करवाने वाला भी पकड़ा जाता तो उनको पुलिस मे जाना पड़ता। लेकिन मैं अपने मुख्य मन्त्री भी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने कहा कि नहीं हम बच्चों को क्रिमिनल नही बनाना चाहते। हम नकल को विना कानून बनाए रोकेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, नकल को रोकने मैं अध्यापक का बहत बड़ा हाथ है। वही आज के दिन नकल को रोक रहे है। जो डी० सी०, एस० डी० एम० और एस० पी ० का जिक्र किया गया, वे तो हमने उड़न–दस्ते बनाए हए हैं। कोई पुलिस वाला किसी सैंटर के अन्दर नही जा सकता। अगर कहीं से कोई शिकायत आती एं तो वहां उडन–दस्ता जाता है। इस तरह से उनका सहयोग लिया जा रहा है, वरना नकल को तो अध्यापक ही रोक रहे हैं।

चौधरी जाकिर हुसैनः उपाधयक्ष महोदय, मैं आप के द्वारा अर्ज करना चाहता हं कि मैंने ये सुझाव दिया था कि कोई ऐसा सिस्टम बनाया जाए कि टीचर्ज ही नकल को रोकें। पहले गुडगांव जिले में सैंटर नीलाम हुआ करते थे कि हम इस सैंटर में लगने के इतने पैसे देने के लिए तैयार है। पहले टीचर्ज ने खुद नकल करवाई है। टीचर सरे आम ब्लैक बोर्ड पर पर्चे हल करके नकल करवाते थे। इसमें मैं भी उतना ही दोषी हूं, आप भी हैं यानी हम सभी दोषी हैं। ईसको रोकने के लिए जब हम एफर्टर्स करेंगे तभी कामयाब होंगे।

श्री फूल चन्द मुलानाः यह बीमारी पहले थी, लेकिन अव इसको रोक दिया गया है।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): उपाध्यक्ष महोदय, आपने जो मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। आज सदन एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर रहा है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा का जो स्तर है वह हरियाणा में इतना नीचे गिर चुका है कि हरियाणा के प्रत्येक विधायक, मन्त्री, मुख्य मन्त्री या जो भी अधिकारी है, उनको इस बारे में चिन्तित होना चाहिए। मेरे से पूर्व हमारे कई माननीय सदस्यों ने सदन में अपने विचार रखे। कई अध्यापकों के बारे मे वात कर रहे थे और कई विद्यार्थियों की नकल के बारे में बात कर रहे थे। हरियाणा की शिक्षा की हालत ऐसी है कि विद्यार्थी और शिक्षकों के बारे में एक कहावत है। कोई स्कूल निरीक्षक किसी गांव के पास से जा रहा था उसने सोचा कि इस स्कूल का निरीक्षण ही कर लें। वह स्कूल में गया और एक क्लास में जाकर ब्लैक बोर्ड पर अंग्रेजी में नेचर लिख दिया उसने छात्रों को कहा कि कोई बता सकता है कि यह क्या लिखा है। तो एक छात्र ने कहा कि हां मैं बता सकता हूं। उस छात्र ने कहा कि यह नटूरे लिखा हुआ है। वह निरीक्षक बहुत परेशान हुआ। उसने अध्यापक को बुलाया और कहा कि तेरे स्टुडैटस बहुत कमजोर हैं। तो अध्यापक बोला कि इनका तो, फटूरे ही खराब १ वह अध्यापक कहना तो यह चाहता था कि इनका तो फ्युचर ही खराब है लेकिन वह भी फ्यूचर को फटूरे पढ़ रहा था। तो हरियाणा में जो अध्यापक और विद्यार्थियों में कशमकश है, इसके लिये सरकार दोषी है। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, अगर वाकई में ही यह हरियाणा सरकार हरियाणा प्रदेश

मे शिक्षा के स्तर को सुधारना चाहती है, तो इसे कुछ कदम उठाने पड़ेगें। पिछले दिनों हमने अखबारों में पढ़ा था कि हरियाणा सरकार ने प्राइमरी एजुकेशन के स्तर को सुधारने के लिये विश्व बैंक से 160 करोड़ रुपए का कर्जा लिया था। उसमें केवल चार जिलों का जिक्र है। एक जिला तो वह है, जहां से मुख्य मन्त्री के बेटे विधायक हैं। दूसरा जिला वह है जहां से मुख्य मन्द्री खुद आदमपुर हल्के को रिप्रजैन्ट करते है। दो जिले और हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव यह है कि अगर यह सरकार हरियाणा में शिक्षा के स्तर में वाकई ही में सुधार करना चाहती है तो चाहे उसके लिये वह बैक से कर्जा लेती है या अपने रिसोर्सिज से धन जुटा पाती है, उस मारे पैसे को हरियाणा में बराबर रूप से खर्च करना चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने एक एक जिले में 14– 14, 15– 15 शिक्षा संस्थाएं बनाई हुई हैं। अगर हरियाणा सरकार आज कोई रीजनल सैटर खोलना चाहती है, तो मुख्य मन्त्री जी उसको हिसार में ले जाने की बात करते हैं या सिरसा में ले जाने की बात करते हैं। अगर यह सरकार हरियाणा में शिक्षा के स्तर को सुधारना चाहती है तो मेरा मुख्य मन्त्री जी से अनुरोध है कि वे रीजनल सैटर खोलते समय हरियाणा प्रदेश की सारी जरूरतो को देखें। हमारे दक्षिण हरियाणा में रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, नारनौल से लेकर फरीदाबाद और गुड़गांव में भी लोग बसे हुए है। मेरे भाई जाकिर हुसैन ने मेवात का जिक्र किया। हमें शर्म आती हए कि जब हम मेवात के इलाके से गुजरते है। हमें यह सोचने पर मजबूर होना पड़ता है कि क्या मेवात के नौजवान बच्चों के लिये मजदूरी

करने और रिक्शा चलाने का ही काम रह गया है? क्या इनके बच्चे किसी स्कूल में नहीं पढ़ सकेंगे ? उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेवात में उटावड में एक पोलैटैक्निक खोला हुआ बै। आप वहां से लिस्ट मंगवाए कि वहां पर मेवात के कितने बच्चे पढ़ते हैं। हरियाणा प्रदेश के दूसरे इलाको के कितने बच्चे पढ़ते हैं। इसी तरह से हरियाणा में पब्लिक स्कूलों का सिलसिला चला हुआ है। अगर आज की सरकार शिक्षा के स्तर को सुधारने मैं इतना विश्वास रखती है तो इन्हें सोचना पड़ेगा कि एक तरफ तो गांवों में भोले भाले लोग हैं, जो अपने बच्चो को अपनी मेहनत की कमाई में गांव के स्कूलो में भेजते हैं। वहां पर उनके लिये न तो मास्टर हैं और न हीं भवन है। दूसरी तरफ शहरों में बसने वाले लोग है, जो अपने बच्चो को पब्लिक स्कूलों में भेजते हैं। एक तरफ तो गांव के बच्चे ए, बी, सी, डी, सीखने में संकोच करते हैं और दूसरी तरफ शहरों के बच्चे कम्पयूटर चलाने को वात करते है उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये' शहरी और गांवो की पढाई को एक जैसा नही करेंगे तो शिक्षा का स्तर कैसे सुधारेंगे? पिछले दिनों सरिता पत्रिका में एक लेख आया था। उस लेख को पढ़ने के बाद आख खुल जाती है। उस कै में यह लिखा हुआ है कि इस भारत देश की 70 प्रतिशत संख्या गांवीं में रहती हैं लेकिन इस देश का 1961 में जितना कुल बजट था, उसका केवल 18 प्रतिशत पैसा देहात में खर्च किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, आज की पोजीशन यह हैं कि गांव में रहने वाले 70 प्रतिशत लोगों पर तों केवल 8 प्रतिशत पैसा खर्च कियो जाता है और शहरों में रहने वाले 30 प्रतिशत लोगों

पर 92 प्रतिशत ऐसा खर्च किया जाता है। तो क्या ये इस तरह से गांव में रहने वाले 70 प्रतिशत लोगो की शिक्षा का स्तर सुधारेंगे? मैं इनकी पालिसी को नहीं समझ पाया। अगर ये वाकई ही में शिक्षा के स्तर को सुधारना चाहते है तो इन्हें देहात और शहरो में बराबर का खर्चा करना होगा। सरकार को चाहिए कि वह शिक्षा की संस्थाएं सब से ज्यादा देहात में खोले। सबसे ज्यादा वहा खोले, जहां पर आज तक सब से कम पढ़े लिखे बेरोजगार लोग हैं। वहां नही खोलने चाहिए जहां के मुख्य मन्त्री हों। चाहे मुख्य मन्त्री के इलाके में पहले ही दस संस्थाएं हों लेकिन वह चूकि मुख्य मन्त्री है इसलिये ये संस्थाएं उन्ही के चुनाव क्षेत्र में खुलेंगी। इस बात के ऊपर सरकार को गम्भीरता से सोचना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, हैदराबाद में एक सैमिनार हुआ था जिसमें आप खुद मौजूद थे। आपको मैं याद दिलाने की कोशिश करता हूं कि मैं अपनी पार्टी की तरफ से उसमें गया था और आप अपनी पार्टी की तरफ से गए थे। हमारे साथ उस समय केवल केरल विधायक भी थे। आपको अगर याद हो तो वहां पर केरल के विधायको ने बहुत ही सुन्दर बात कही थी। जब हमने उनमे यह पुछा। कि आपके यहां लिट्रेसी का क्या रेट है तो उन्होने बनाया था कि हन्डर्ड परसैट है। हमने उनसे पूछा कि आपके यहा इतना हाई रेट कैसे है तो उन विधायकों ने जिनमें विरोधी और रूलिंग पार्टी के विधायक थे ने बताया कि हमारे यहां तो ऐसी हालत है कि स्टुडैट तो एक है और 'अध्यापक सात आठ हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आशा है अव आपको याद आ गया होगा क्यों कि आप स्वयं उस

सैमिनार में मौजूद थे। लेकिन हरियाणा की पोजीशन इसके उलट है। आज हरियाणा के हालात देखिए कि यहा पर एक एक क्लास में 100– 100 बच्चे पढ़ते हैं कई बार तो उनको एक टीचर भी नही मिल पाता। जब तक आप सारे हरियाणा में कम से कम 100 बच्चों के ऊपर एक अध्यापक न करें, तो कम से कम ऐसी व्यस्था करे कि बच्चो को टीचर की इंतजार न करनी पड़े। जब तक ऐसी व्यवस्था नही होगी तब तक शिक्षा का स्तर नही सुधर सकता। आज हरियाणा सरकार ने एक ढोंग और किया है ओपन स्क्ल शिक्षा के नाम से एक संस्था चलाई है। इसमे 14 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन पत्र दिए है और एक बच्चे से 950 रुपये लिए है इस प्रकार कुन 1 करोड़ 33 लाख रुपये की यह राशि बनती है। इनके मई के महीने मे एग्जाम होन है लेकिन आज तक हरियाणा सरकार उनका सिलेबस तैयार नही कर पाई है। जव सिलेबस ही नही होगा और उनको मिलेगा नही तो वे परीक्षा क्या देगे? जिस गैर जिम्मेवारी से ये काम कर रहे है, उस हिसाब से कि ये किम मुंह से कह सकते हैं कि हरियाणा सरकार अच्छा काम कर रही है? मैं कह रहा था कि जो ओपन स्कूल चालू किया है उसमे एन० सी० ई० आर० टी० का सिलेबस इन्होंने गढ लिया। जव उनको पता चला तो उन्होंने कोर्ट के जरिए या दूसरे तरीके से उस पर रोक लगवाई जिस कारण ये सिलेबस तैयार नही कर पाये। इन्होंने जो नकल विरोधी दस्ते तैयार किये थे, उसमे 8वी फेल, 10वीं फेल या बी० ए० फेल आदमी रख लिए थे। क्या वे नकल रुकवाते? इस

बारे में दैनिक जागरण मे खवर आई तव जाका उनको वहा से यानि नकल विरोधी दस्तों मे से हटाया गया।

Shri Phool Chand Mulana : He is misleading the House, Sir. माननीय दलाल साहब ने बोलते हुए कुछ तथ्य गलत प्रस्तुत किए है। इन्होंने कहा कि डाईट के नाम से बड़ा ढोंग रचा गया है और औड्सका पैसा चार जिलों को दिया गया है मैं बताना चाहूंगा कि जहां पर लड़कियों की पढ्ने की सख्या कम है, वहां पर ज्यादा ध्यान दिया गया हए। मैं इनकी जानकारी के लिये बताना चाहता ह्व कि यह प्रोजैक्ट 160 करोड़ रुपये का है जिसमे से 85 प्रतिशत पैसा गवर्नमैंट आफ इण्डिया का है और 15 प्रतिशत पैसा हरियाणा सरकार का होगा। दूसरे प्रांत तो इसको ले नहीं पाये इसके लिये हमारे मुख्य मन्त्री महोदय बधाई के पाल हैं कि इस प्रोजैक्ट को वे लेकर आये। दूसरी बात इन्होंने ओपन स्कूल के वारे मे की'। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि ओपन स्कूल के तहत हुमारे पास 15 हजार दरख्वास्तें आ चुकी हैं। और इन से जो फीस हम लेते हैं, उसमें से 450 रुपये की किताबे मुक्त में देते हैं। हमारा इस स्कूल का सिलेबस तैयार है। हमारे ओपन स्कुल की विशेषता यह है कि जिस किसी को किसी क्लास के पेपर देने है वे सारे इक्ट्ठे देने की आवश्यकता नहीं है। चाहे तो वह एक एक विषय का पेपर दे सकता है। हमारा सिलेबस पूरा तैयार है।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक अन–स्टार्डक्वश्चन या कि पलवल हलके में कितने स्कूलों की बिल्डिग्ज को असुरक्षित घोषित किया गया है जिन के किसी भी समय गिरने का खतरा है। यह सवाल महकमे को नीचे डी ० पी ० ई० ओ० को भेजा गया। डी ० पी ० ई० ओ० साहब मुझे एक शादी में मिल गए तो मैंने उनसे ऐसे स्कूलो के बारे में पूछा जिनको असुरक्षित घोषित किया हुआ हैं। उन्होने मुझे बताया कि तीन ऐसे स्कूल तो मेरे नालेज में हैं। एक है राखौदा दूसरा टहरकी और एक अन्य बडराम का नगला आजार पुर में है। उन्होंने मुझे बताया कि अगर इसके अतिरिक्त कोई है तो बताईये। मैंने उनको बताया कि धतीर का नगला का स्कूल ऐसा है जिसकी बिल्डिग असुरक्षित है और किसी भी वक्त गिर सकती है। मेरे सवाल का जवाब मुझे आज मिला है, जिसको पढ़ कर मुझे हैरानी हुई है। जवाब में लिखा गया है कि पलवल हल्के में कोई भी स्कूल ऐसा नही हैजिसकी बिल्डिग असुरक्षित हैऔर कभी भी गिर सकती है। उपाध्यक्ष महोदय, अधिकारियों से मेरा निवेदन है कि वे स्वयं वहां जा कर देंखें वे समय निकाल कर मेरे पास आए मैं खुद उन स्कूलो को उनको दिखाऊंगा जिनकी बिल्डिग किसी भी समय गिर सकती है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर शिक्षा को जौब ओरिऐण्टिड बनाना है तो सरकार को हरियाणा के नौजवानों को विश्वास दिलाना होगा। जो विद्यार्थी मेहनत और ईमानदारी से डिग्रियां प्राप्त करते हैं, सरकारी नौकरिया उनको दी जाएंगी जो योग्यता के आधार पर मैरिट में आएंगे उन्हीं नौजवानों को

नौकरियां करिया दी जाएंगी हरियाणा का नौजवान इस बात को जानता है कि अगर हरियाणा में नौकरी करनी है, तो उसके लिए मन्त्रियों की सिफारिश चाहिए मन्त्रियों की जूतियां चाटनी पड़ेगी मस्तियों विधायकों की जेब भरनी पडेगा। अधिकारियो की जेंबे भरनी पडेगी (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मुझे पिछल दिनों करनाल के मधुवन में जाने का मौका मिला। वहां पर सवा सौ या डेढ़ सौ के करीब लड़के ए० एस० आई ० की ट्रेनिग ले रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे यह देख कर हैरानी हुई कि उन में से किसी का पेट दो फ्रुट तो किपी का तीन फुट आगे को निकला हुआ है और किसी की आखो पर मोटेमोटे चश्में लगे हुए है पता नहीं वे हरियाणा पुलिस में ए० एस ० आई० कैसे भर्ती हो गए? जब ये लोग ट्रैनिंग ले कर तीन फुट पेट वाहर निकाल कर लोगों में जाएंगे तो हरियाणा का नौजवान पूरी तरह से अपना विश्वास खो चुका होगा कि रिश्वत के बिना ए० एस० आई० भर्ती नही हो सकता। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय इसी तरह की बातें होती रही तो नौजवानों के चेहरे फीके पड जाएंगे। जिन बच्चों के मां बाप ने मेहनत और ईमानदारी से स्कूलों में भेज कर उनको शिक्षा दिलवाई है, उनका विश्वास टूट जाएगा। इस सरकार ने आज तक जिला मुख्यालय पर कोई पुलिस की भर्ती नहीं की सीधी लिस्ट वहां पर पहुंच जाती है कि इतने आदमी मुख्य मन्त्री के इतने आदमी फलां मन्त्री के, इतने आदमी फलां व्यक्ति के लें। इसने हरियाणा के नौजवान का हौसला इतना नीचे गिरा दिया है कि वह बिल्कुल निराश हो चुका है। (विघ्न)

चौधरी जगदीश नेहराः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। डिप्टी स्पीकर साहब प्रस्ताव तो शिक्षा पर है। शिक्षा के साथ जौब ओरिएण्टिड शिक्षा की और फिर नकल की बात चल रही है कहां पुलिस की भर्ती कहां 3 फुट पेट कहां ऐनक और कहां ए० एस० आई० की भर्ती? दलाल साहब तो बहुत अच्छा बोलते हैं ये सब्जैक्ट के बाहृ जाएं यह अच्छा नहीं है। आप इनको कनटेन करे कि ये सब्जैक्ट पर ही बोले।।

श्री उपाध्यक्षः दलाल साहब, आपको बहुत अच्छे कम्पलीमैंटस मिल गए हैं। आप सब्जैक्ट पर ही बोलिए।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष' महोदय, इनका धन्यवाद। मैं ये बातें इसलिये कह रहा हूं क्योकि ये बातें एजुकेशन के साथ जुड़ी हुई हैं। अगर शिक्षा के नाम पर हरियाणा के नौजवान को विश्वास दिलाया जाएगा। उसे विश्वास होगा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद सच्चाई तथा ईमानदारी से उनकी बात सुनी जाएगी तो उनकी रुचि शिक्षा में होगी। लेकिन अगर इस तरह की बातें होंगी तो शिक्षा के प्रति उनकी कोई रुचि नहीं होगी। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी से मेरा सुझाव यह है कि अगर आप हरियाणा में जौब ओरिएण्टिड शिक्षा लाना चाहते हें, तो आप ऐसी व्यवस्था कीजिए कि पुलिस की भर्ती में उसी को लिया जाएगा जिसने हरियाणा में खेलों में पार्टिसिपेट करके हरियाणा का नाम रोशन किया है। ए० एस० आई० उसको भर्ती करेंगे, जिसने प्रदेश का नाम खेला मे विदेशों में रोशन किया

है। आज यह व्यवस्था की जाए कि हरियाणा में अगर कोई नौकरी प्राप्त करना चाहता है, हरियाणा में अगर कोई सरकार के नाम पर जान देना चाहता है।

Mr Deputy Speaker : Now the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow.

***13.30 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 A. M. on Friday, I the 10th March, 1995.)